शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 154 | गुवाहाटी | रविवार, 25 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अब तक 53 जिहादी गिरफ्तार : हिमंत पेज 3

गुरुकुलों ने विज्ञान, अध्यात्म और लैंगिक समानता के बारे में मानवता का... पेज 4

आजादी का अमृत महोत्सव आजादी दिलाने वाले वीरों की गाधा : प्रो. रीता चोशी पेज 5

पेपर लीक प्रकरण : मुख्यमंत्री ने जताया खेद पेज 8

मुकरोह हिंसा पर सीएम का बड़ा बयान, कहा

पुलिस ने आत्मरक्षा में चलाई थी गोली

गुवाहाटी। असम-मेघालय सीमा पर बीते महीने हुई हिंसा मामले में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बड़ा बयान दिया है। शनिवार को उन्होंने विधानसभा में कहा कि हिंसा के दौरान मुकरोह पुलिस ने अपनी आत्मरक्षा और सरकारी संपत्तियों की रक्षा के लिए फायरिंग की थी। असम सीएम ने कहा कि मेघालय के साथ सटी सीमा पर असम के वन अधिकारी पर हमला किया गया और उन्हें मार डाला गया। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा और सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा फायरिंग की, जिसमें मेघालय के पांच लोगों की मौत हो गई थी। दरअसल, घटना बीते 22 नवंबर को हुई थी। जब, लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक को पुलिस द्वारा रोकने के बाद हिंसा भड़की। इस दौरान दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में मेघालय के पांच निवासियों और असम के एक वन रक्षक सहित छह लोगों की मौत हो गई थी। विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के जवाब में हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पड़ोसी राज्य मेघालय से आए लोगों ने असम के सुरक्षा कर्मियों को घेर लिया और उन पर हमला कर दिया। वे गिरफ्तार तीन लकड़ी तस्करों की रिहाई की मांग कर रहे थे, जिसके बाद पुलिस को आत्मरक्षा में गोलियां चलानी पड़ीं। विधानसभा में असम सीएम ने कहा कि मेघालय के उपद्रवी अक्सर अंतर-राज्यीय सीमा पर कानून व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं और निर्दोष लोगों के जीवन और संपत्ति को खतरे में डाल रहे हैं। हालांकि, शर्मा ने कहा कि असम पुलिस इलाके में कड़ी निगरानी रख रही है। मेघालय के अधिकारियों के साथ समन्वय में है। असम सीएम ने शनिवा को विधानसभा में बताया कि राज्य में अब तक बांग्लादेश के एक सहित कुल 53 जिहादियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं बांग्लादेश के अन्य पांच कथित जिहादी फरार हैं। उन्होंने कहा कि बरपेटा, बंगाईगांव, मोरीगांव, धुबड़ी, ग्वालपाड़ा, तामुलपुर और नलबाड़ी जिलों में जिहादियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं।

डिब्रूगढ़ में 973.38 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन

यह राज्य के बौद्धिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक परिदृश्य को पुनर्जीवित करने का समय : मुख्यमंत्री

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरम ने शनिवार को डिब्रूगढ़ जिला के टिंगखोंग में बिकाखोर बाबे एटा पोखेक (विकास के लिए एक पखवाड़ा) के प्रथम चरण के अंतिम कार्यक्रम में भाग लेते हुए 973.38 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लोगों से राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक क्रांति का नेतृत्व करने का आग्रह किया। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम ने पिछले कुछ वर्षों में कई आंदोलन, धरना और हड़ताल देखी है, लेकिन यह राज्य के बौद्धिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक परिदृश्य को पुनर्जीवित करने पर ध्यान केंद्रित करने का समय है। डिब्रूगढ़ के विकास के लिए भविष्य की योजनाओं को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 250 करोड़ रुपए की अनुमानित राशि के साथ बूढ़ीदिहिंग नदी के तट को मजबूत और सुधारने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

देश के सभी सरकारी अस्पतालों में 27 को होगा मॉक ड्रिल

नई दिल्ली (हि.स.)। कोरोना से निपटने की तैयारियों के मद्देनजर देश के सभी सरकारी अस्पतालों में 27 दिसंबर को मॉक ड्रिल किया जाएगा। इस संबंध में शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव को पत्र लिख कर इस योजना को कार्यान्वित करने को कहा है। देशभर के सभी सरकारी अस्पतालों में होने वाली मॉक ड्रिल के दौरान अस्पतालों में ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और बेड्स की उपलब्धता की जांच की जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव द्वारा लिखे पत्र में राज्यों को अस्पतालों में चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या और -शेष पृष्ठ दो पर

मातृभाषा में शिक्षा से छात्रों की तर्क और विश्लेषण करने की क्षमता बढ़ेगी : शाह

मेहसाणा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत किसी छात्र को उसकी मातृभाषा में दी जाने वाली शिक्षा से उसकी सोचने, तर्क करने, विश्लेषण करने और शोध करने की क्षमता बढ़ेगी। विजापुर में शेठ जी सी हाई स्कूल की 95वीं वर्षगांठ पर एक सभा को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि तकनीकी, चिकित्सा और उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम को क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने के लिए काम चल रहा है और कहा कि अगले 25 सालों में एनईपी भारत को नंबर एक देश बना देगा। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शिक्षा नीति के तहत आजादी से पहले के भारत में रटकर पढ़ाई करना बुद्धिमत्ता की निशानी थी, उन्होंने कहा कि छात्रों में सोचने, शोध करने, तर्क करने, विश्लेषण करने, निर्णय लेने और समझने की शक्ति नहीं होती, जिससे समाज में कई मुद्दे पैदा हो गए। गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति, जिसमें मातृभाषा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

बागडोगरा हवाई अड्डे पर 16 जवानों को श्रद्धांजलि दी गई

सिलीगुड़ी। सिक्किम के जेमा में हुई सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले 16 सैनिकों के लिए बागडोगरा हवाई अड्डे पर आयोजित कार्यक्रम में पुष्पचक्र अर्पित किए गए। सैनिकों के पार्थिव शरीर पूरे सैन्य सम्मान के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित उनके घर भेजे गए। सिक्किम के मुख्यमंत्री पीएस तमांग और लेफ्टिनेंट जनरल वीपीएस कौशिक ने बागडोगरा हवाई अड्डे पर जवानों को श्रद्धांजलि दी। 23 दिसंबर की सुबह हुए हादसे के बाद दोपहर तक सभी शवों को बरामद कर चटन लाया गया। 24 दिसंबर की सुबह तक शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए एसटीएनएम अस्पताल, गंगटोक लाया गया। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद भारतीय वायु सेना के तीन हेलीकॉप्टरों द्वारा गंगटोक से बागडोगरा हवाई अड्डे तक पार्थिव शरीरों को लाया गया। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद 15 पार्थिव शरीरों को वायु सेना के विशेष विमानों से देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर भेजा गया। यहां से शवों को उनके पैतृक कस्बों या गांवों में ले जाया जाएगा। बिहार के खगड़िया के रहने वाले नायब सूबेदार चंदन कुमार मिश्रा के पार्थिव शरीर को सड़क मार्ग से ले जाया जा रहा है। सिक्किम में शुक्रवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ। दर्दनाक सड़क हादसे में सेना के 16 जवान शहीद हो गए थे। सेना के अधिकारी के मुताबिक घटना जेमा, उत्तरी सिक्किम में हुई। दुर्घटनाग्रस्त वाहन तीन वाहनों के काफिले का हिस्सा था, जो चटन से सुबह थंगू की ओर बढ़ा था। पीआरओ डिफेंस लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत के मुताबिक, जेमा के रास्ते में वाहन एक तीखे मोड़ पर एक खड़ी ढलान पर फिसल गया।

आशी अप्सरा में क्रिसमस कॉटेज कार्निवल शुरू

गुवाहाटी। महानगर के पलटन बाजार स्थित आशी अप्सरा में आज से दो दिवसीय *क्रिसमस कॉटेज कार्निवल* का शुभारंभ हुआ एएम टेलीविजन की प्रमुख अक्षता नारायण ने दीप प्रज्वलित कर दो दिवसीय कॉटेज क्रिसमस कार्निवल का उद्घाटन किया। आयोजक जलसा व बिजी बीज के तत्वावधान में पांच युवा महिला उद्यमी फैशन डिजाइनर बीना जैन, इवेंट मैनेजर शिखा जालान, इवेंट प्लानर निशा जैन, फोनेटिक्स विशेषज्ञ रजनी जैन तथा होम मेकर गुंजन सोंथालिया की देख रेख में कार्निवल का शानदार आगाज हुआ। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन से आय होने वाली राशी को कैंसर पीड़ित छोटे गरीब बच्चों, अनाथालयों और वृद्धाश्रमों आदि में सहयोग दिया जाएगा। क्रिसमस कॉटेज कार्निवल में बच्चे एवं उनके परिवार के मनोरंजन हेतु बहुत कुछ हैं, जैसे कई तरह के गेम स्टॉल, फूड स्टॉल, झूले व पारंपरिक हाट बाजार हैं। इसके अलावा बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर करने के उद्देश्य से ड्राइंग, मंडाला आर्ट, नुक्कड़ नाटक, फैंसी ड्रेस, फैशन शो, टैलेंट हंट, पेट शो और विंटर कैंप सहित कई तरह की अन्य प्रतियोगिताओं सहित आउट डोर गेम का भी आयोजन भी किया जाएगा। क्रिसमस कॉटेज कार्निवल का समापन 25 दिसंबर को होगा। एक नेक सोच के साथ आयोजित होने जा रहे इस कार्निवल को कई संस्थाओं एवं लोगों का सहयोग मिल रहा है। कार्निवल के पहले दिन बड़ी संख्या में बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने देशवासियों को क्रिसमस की बधाई दी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को क्रिसमस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी और कहा कि यह त्योहार हमें एकदूसरे के प्रति दया और प्रेम की भावना रखने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा कि क्रिसमस का यह पावन त्योहार सम्पूर्ण मानव जाति के लिए शांति और भाईचारे का प्रतीक है। मुर्मू ने कहा कि इस दिन हम प्रभु यीशु मसीह के करुणा और बलिदान के संदेश को याद करते हैं। यह त्योहार हमें एकदूसरे के प्रति दया और प्रेम की भावना रखने की प्रेरणा देता है। आइए, हम प्रभु यीशु मसीह के पवित्र आदर्शों व शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं सभी देशवासियों, विशेषकर ईसाई भाइयों और बहनों को क्रिसमस के त्योहार की हार्दिक बधाई देती हूं।

मुंबई लौटीं ईशा अंबानी, पंडित आज करेंगे पूजा, होगा 300 किलो सोने का दान

मुंबई। ईशा अंबानी ने 19 नवंबर को अमेरिका के लॉस एंजिलिस में जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था। एक महीने बाद वे 24 दिसंबर को बच्चों को लेकर मुंबई लौटीं। तस्वीरें ईशा के घर करुणा सिंधु की हैं, जहां कल भव्य आयोजन होगा। देश के दूसरे सबसे अमीर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी की बेटी ईशा ने 19 नवंबर को अमेरिका के लॉस एंजिलिस में जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था। इसके एक महीने बाद वे शनिवार को मुंबई लौट आईं। उनके रेजिडेंस करुणा सिंधु में कल विशेष कार्यक्रम और पूजा होगी जिसकी तैयारियां पूरी हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, घर में ईशा और उनके दोनों बच्चों का स्वागत करने के लिए देशभर के प्रसिद्ध मंदिरों से कई पंडित आएंगे। अंबानी परिवार ने ईशा के घर पर एक बड़ा कार्यक्रम रखा है। इसमें अंबानी परिवार बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य और सलामती के लिए ईश्वर का आशीर्वाद मांगेंगे। पूजा के लिए तिरुपति बालाजी मंदिर, नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर, श्री द्वारकाधीश मंदिर समेत कई मंदिरों से प्रसाद मंगवाया गया है। इस मौके पर अंबानी परिवार 300 किलो सोना दान करेगा। भोजन प्रसादी के लिए दुनियाभर से केटरर्स बुलाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भी सामने आ रहा है कि मुंबई के नामी डॉक्टरों का एक ग्रुप लॉस एंजिलिस गया था और वहां से ईशा और दोनों बच्चों के साथ लौटा। अमेरिका के सबसे अच्छे बाल रोग विशेषज्ञ डॉ गिबसन भी इस फ्लाइट में ईशा के साथ आए ताकि बच्चे सकुशल मुंबई पहुंच सकें। ईशा और उनके बच्चों को अमेरिका से मुंबई तक कतर फ्लाइट से लाया गया, जो मुकेश अंबानी के दोस्त कतर के अमीर ने भेजी थी। करुणा सिंधु और एंटिला में बच्चों के लिए नर्सरी को पर्किंस एंड विल ने डिजाइन किया है। इनमें घूमने वाले बिस्तर और ऑटोमैटिक छत मौजूद हैं, ताकि बच्चे सूरज की रोशनी में बैठ-लेट सकें।

अब मथुरा में सर्वे के आदेश, दावा-मस्जिद के नीचे मंदिर

मथुरा। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद में जिला कोर्ट ने शनिवार को बड़ा आदेश दिया। यहां भी वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर की तरह मस्जिद का सर्वे होगा। सीनियर डिवीजन की कोर्ट ने हिंदू सेना की याचिका पर यह आदेश दिया। रिपोर्ट 20 जनवरी को कोर्ट में पेश की जाएगी। सर्वे 2 जनवरी से होगा। हिंदू पक्ष का दावा है कि शाही ईदगाह में स्वास्तिक का चिह्न मंदिर होने के प्रतीक के साथ मस्जिद के नीचे भगवान का गर्भ गृह है। पक्षकार मनीष यादव और वकील महेंद्र प्रताप ने कहा कि शाही ईदगाह में हिंदू स्थापत्य कला के सबूत मौजूद हैं। ये वैज्ञानिक सर्वे के बाद सामने आ जाएंगे। अर्जी मथुरा के जिला अदालत में एक साल पहले दाखिल की गई थी। याचिका में कहा गया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान की 13.37 एकड़ जमीन पर औरंगजेब ने मंदिर तोड़कर ईदगाह मस्जिद बनवाई थी। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर मंदिर बनने तक का पूरा इतिहास अदालत के सामने पेश किया। उन्होंने 1968 में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ बनाम शाही ईदगाह के बीच हुए समझौते को भी अवैध बताते इसे खत्म किए जाने की मांग की। श्री कृष्ण जन्मस्थान शाही ईदगाह मामले में दिल्ली के रहने वाले हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता और गुरुग्राम निवासी उपाध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव ने सिविल जज सीनियर डिवीजन तृतीय सोनिका वर्मा की अदालत में 8 दिसंबर को वाद दाखिल किया था। हिंदू सेना की तरफ से अधिवक्ता शैलेश दुबे ने कोर्ट में भगवान श्री कृष्ण के जन्म से लेकर मंदिर बनने तक का पूरा इतिहास रखा। दाखिल किए गए वाद में हिंदू सेना ने 1968 में श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ और शाही ईदगाह कमेटी के बीच हुए समझौते को चुनौती दी गई है। अधिवक्ता शैलेश दुबे ने बताया कि अदालत के सामने 8 दिसंबर को कोर्ट में वाद दाखिल किया उसी दिन कोर्ट ने केस दर्ज कर लिया। इस मामले में कोर्ट ने अमीन से विवादित स्थल के सर्वे मय मानचित्र के आदेश किए हैं। इस मामले में श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि वह भी कोर्ट से अमीन द्वारा सर्वे कराने की मांग कर रहे थे। कोर्ट ने आदेश दिया है इसका स्वागत है। महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अभी कोर्ट में शीतकालीन अवकाश हो गया है। अब न्यायालय 2 जनवरी को खुलेगा। इसके बाद कोर्ट अमीन शाही ईदगाह में सर्वे के लिए जाएंगे। जहां वह मौजूद सबूतों की रिपोर्ट तैयार करेंगे। इस दौरान हो सकता है कि मौके पर वीडियोग्राफी भी कराई जाए। महेंद्र प्रताप ने बताया कि सर्वे के दौरान अन्य मामलों के पक्षकार भी मौजूद रहेंगे। श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही ईदगाह को लेकर मथुरा कोर्ट में 12 से ज्यादा मामले चल रहे हैं। इनमें सभी में भगवान श्रीकृष्ण की 13.37 एकड़ भूमि कब्जा मुक्त करने की मांग की गई है।

एक्ट्रेस तुनीषा शर्मा ने सेट पर लगाई फांसी

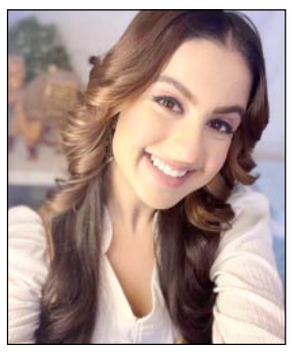

नई दिल्ली। अलीबाबा दास्तान ए कबूल की एक्ट्रेस तुनीषा शर्मा ने सेट पर आत्महत्या कर ली है। वह टेलीविजन जगत की फेमस एक्ट्रेस थी। खबरों के अनुसार एक्ट्रेस पिछले कुछ दिनों से सेट पर काफी टेंस नजर आती थी। अब उन्होंने मेकअप रूम में खुद को फांसी लगा ली है। तुनीषा शर्मा 20 वर्ष की थी। उन्होंने अपना करियर भारत का वीर पुत्र- महाराणा प्रताप से शुरू किया। इसके बाद वह चक्रवर्ती अशोक सम्राट, गब्बर पूछवाला, शेर ए पंजाब- महाराजा रणजीत सिंह, इंटरनेट वाला लव, इश्क सुभान अल्लाह और अलीबाबा दास्ता ने कबूल में भी काम किया है। उन्हें पिछली बार अलीबाबा दास्ता ने कबूल में देखा गया था। इस शो में वह शहजादी मरियम की भूमिका निभाती थी। वहीं तुनीषा शर्मा ने फितूर, बार बार देखों, कहानी 2, दुर्गा रानी सिंह और दबंग 3 में भी काम किया था।

रूस के अवैध नर्सिंग होम में लगी आग, 20 लोग जिंदा जले

मॉस्को। रूस के साइबेरियाई शहर केमेरोवो के अवैध तौर पर चलाए जा रहे एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई। रूस के आपात मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक, मॉस्को से 3,000 किलोमीटर पूर्व में स्थित केमोरोवो शहर में दो मंजिला लकड़ी की इमारत में शुक्रवार देर रात आग लग गई। फिलहाल आग लगने की वजह साफ नहीं हो पाई है, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इमारत को गर्म रखने के लिए स्टोव का सहारा लिया जाता था। मंत्रालय के अनुसार, अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि आग लगने के दौरान इस निजी नर्सिंग होम में कितने लोग मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक, आग लगने वाली जगह पर, राहत और बचाव के काम में जुटे फायर कर्मी मलबा हटाने का काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि बुजुर्गों के लिए कई घर पूरे रूस में पंजीकरण के बिना संचालित किए जाते हैं।

एस-400 : 2023 की शुरुआत से ही मिसाइल रक्षा प्रणाली की तीसरी खेप सौंपना शुरू करेगा रूस

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के बावजूद, भारत को रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की तीसरी खेप अगले साल जनवरी-फरवरी से मिलनी शुरू हो जाएगी। रक्षा सूत्रों ने इसके बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि भारतीय दल सहित वायु सेना के जवान उपकरणों के लिए इस समय रूस में हैं। ऐसे में एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की तीसरी खेप की आपूर्ति तय समय सीमा में करने की योजना है। गौरतलब है कि बीते साल दिसंबर में रूस से मिले मिसाइल डिफेंस सिस्टम की पहली खेप को सेना ने पंजाब सेक्टर में तैनात किया था। भारत के खेमे में शामिल इस रूसी वायु रक्षा प्रणाली से दुनिया भर के तमाम देश खौफ खाते हैं। यह एक प्रकार का एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम है, जो दुश्मन के एयरक्राफ्ट को आसमान में ही गिरा सकता है। सूत्रों ने बताया कि तीसरी खेप की आपूर्ति के संबंध में भुगतान अमेरिका के काट्सा कानून से बचने के लिए विशेष तरीके से करना है। पहले दो खेपों की आपूर्ति के दौरान भुगतान के इस पहलू को सुलझाने के लिए कौन से चैनल का प्रयोग किया गया है, अधिकारियों ने इसका खुलासा नहीं किया है। दरअसल, अमेरिका ने 2017 में काट्सा एक्ट (काट्सा) के तहत प्रतिबंधित देशों के साथ व्यापार करने वाले देशों के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाने का कानून लाया था।

आरएसएस और सुदर्शन सेवा संस्कृति न्यास ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

विश्वनाथ (निसं)। बिश्वनाथ चाराली के निलपुर चाय बागान के प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में आज निशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विश्वनाथ प्रचारक प्रकाश बरुआ ने किया। साथ ही उक्त शिविर में विश्वनाथ जिला के सह सेवा प्रमुख डॉ. सरजीत दास ने सहयोग प्रदान किया आया है। इसके बाद चाय बागान के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को मुफ्त स्वास्थ्य जांच और मुफ्त दवाएं प्रदान किया गया। विशेषकर स्वास्थ्य शिविर में क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को हिमोग्लोबिन की परीक्षा के आलावा किसी महिला के शरीर में रक्त कमी होने वाले को बाद में पर्याय क्रम में नि:शुल्क रक्तदान की व्यवस्था भी कदम उठाया गया। इसके बाद आंख के विभिन्न रोग को परीक्षा करके उस रोगी को उन्नत चिकित्सा प्रदान करने का व्यवस्था ग्रहण के साथ निशुल्क चिकित्सा में एलोपैथिक चिकित्सा प्रदान के साथ होमियो चिकित्सा प्रदान करने के साथ 100 से अधिक लोगों को चिकित्सा आदि दवाई प्रदान किया गया।। आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) विश्वनाथ जिला एवं सुदर्शन सेवा संस्कृति न्यास द्वारा प्रदान किया गया इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर से चाय बागान के श्रमिकों उपकृत होने के कारण निलपुर जनता धन्यवाद दी।

पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देना जरूरी : इंद्रेश कुमार

नई दिल्ली। आज से ठीक 20 वर्ष पूर्व 24 दिसंबर 2002 को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का गठन किया गया था। इसे शुरू करने वालों में पूर्व संघ प्रमुख के सी सुदर्शन, संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार, मुस्लिम बुद्धिजीवी मौलाना वहीदुद्दीन खान और हाजी इलियासी शामिल थे। 20 वर्षों की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली के ऐवान ए गालिब में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने शुक्रवार को अपना 21वां स्थापना दिवस मनाया। मंच के संरक्षक व आरएसएस के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने इस दौरान कहा कि पाकिस्तान को उसी को भाषा में जवाब देना चाहिए और वैसे लोग जिनका अपने देश की सरजमीं पर दम फूलता है और यहां रहने में उन्हें बेचैनी का एहसास होता है, उन्हें जहन्नुम में भी जगह नसीब नहीं होती है। इससे पहले मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शाहिद सईद की बनाई 11 मिनट की एक फिल्म दिखाई गई, जिसमें मंच के 20 साल की विजय गाथा को शानदार तरीके से दर्शाया गया। फिल्म देखने के बाद कार्यकर्ताओं में रोमांच देखा गया, इस दौरान ऑडिटोरियम में बेहिसाब तालियां बजीं। इस मौके पर इंद्रेश कुमार ने मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के नए लोगो का अनावरण किया। नए लोगो में अखंड भारत के मानचित्र को दर्शाया गया है। अब आगे से मंच इसी लोगो को प्रयोग में लाएगा। इंद्रेश कुमार ने गालिब सभागार में आयोजित समारोह में कहा कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने 20 साल की विजय गाथा संपन्न की है। इसके लिए उन्होंने मंच से जुड़े कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को बधाई दी। इंद्रेश कुमार ने कहा कि अगर पाकिस्तान में यह नारा लगाया जाता है कि कश्मीर के बिना पाकिस्तान अधूरा है तो हमें भी यह नारा लगाने से कोई रोक नहीं सकता कि लाहौर, कराची व ननकाना साहब के बिना भारत अधूरा है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के 20वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम में इंद्रेश कुमार ने दावा किया कि बलूचिस्तान और सिंध आदि हिस्से पाकिस्तान से अलग हो सकते हैं। यहां के लोग पाकिस्तान से अलग होने के लिए आंदोलन चला रहे हैं। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली के माता सुंदरी रोड स्थित ऐवान-ए-गालिब सभागार में किया गया। उन्होंने कहा कि 1947 में भारत से पाकिस्तान टूटा था और 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश अलग हो गया, मगर यह सभी भारत का ही हिस्सा थे। आज भारत के इर्द-गिर्द कई सीमाएं बन गई हैं। सीमाओं की रक्षा के लिए हमें अरबों रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। उन्होंने इशारों में देश के पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ बुद्धिजीवी वर्ग के लोग कहते हैं कि इस देश में मुसलमानों में बेचैनी और असुरक्षा का भाव है, जबकि इस देश का मुसलमान हिंदुस्तानी था, हिंदुस्तानी है और हिंदुस्तानी ही रहेगा। उसे अपने देश से बेहद प्यार है और उसको यहां कोई डरा नहीं सकता। इंद्रेश कुमार ने कहा कि संविधान सभा में अनुच्छेद 370 का सभी मुस्लिम सदस्यों ने विरोध किया था। खुद बाबासाहेब ने भी इसका विरोध किया था मगर उस समय के प्रधानमंत्री ने अनुच्छेद 370 को अल्पकालिक तौर पर कश्मीर में लगाया था। 70 साल बाद मोदी सरकार ने इसे समाप्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने महिलाओं को तीन तलाक से छुटकारा दिलाया और कानून बनाकर महिलाओं को मान-सम्मान से जीने का हक प्रदान किया है।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई
Apollo Cancer Centres
न्यूरो-सर्जन
डॉ. के. चंद्रशेखर, MBBS, M.Ch (Neuro), Skull Base and Cerbrovascular Fellowship (USA)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
8 जनवरी, 2023 को
जो मरीज बेहोशी (फिट्स), सीजर्स, ब्रेन ट्यूमर्स, सेरेब्रेल स्ट्रोक, पीठ दर्द, गर्दन दर्द, सरविकल और लूम्बर स्पोन्डाइलोसिस, फेसियल पेन, दृढ़ पीठ दर्द और अन्य न्यूरोलोजिकल प्रोब्लम से पीड़ित हैं, अपना-अपना नाम रजिस्ट्रर करा सकते हैं।
APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

यह राज्य के बौद्धिक...

की योजना जिला के टिंगखोंग में एक चिड़ियाघर स्थापित करने की है और ऐतिहासिक तिपाम में मे-डाम-मे-फी मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि नाहरकटिया से गुजरने वाली मोरान से डिगबोई तक की सड़क को डबल लेन सड़क में अपग्रेड किया जाएगा ताकि क्षेत्र में सड़क संपर्क को बढ़ावा दिया जा सके। इस वर्ष ओरुणोदोय योजना के तहत 6000 नए लाभार्थियों और अगले साल 6000 अन्य लाभार्थियों को शामिल किया जाएगा, इसके अलावा 5000 गरीब परिवारों को राशन कार्ड प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के पास राशन कार्ड हैं, वे पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज के हकदार होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए, राज्य सरकार राज्य के प्रत्येक हाई स्कूल के खिलाफ लगभग 7 से 8 करोड़ रुपए खर्च करेगी। विकास पखवाड़े के तहत मुख्यमंत्री ने न गांव पब्लिक फील्ड, नहरकटिया, टिंगखोंग के राजगढ़, लहोवाल और दुलियाजान में मिनी स्टेडियम स्थापित करने की आधारशिला रखी। मोरान में अभोईपुर में ग्रामीण खेल परिसर, डिब्रूगढ़ और लाहोवाल में स्थित सरकारी आईटीआई के उन्नयन के साथ-साथ लाहोवाल में स्थित डिब्रूगढ़ सरकारी पॉलिटेक्निक, एचएस कनोई कॉलेज, डिब्रूगढ़ में अत्याधुनिक एसी ऑडिटोरियम, दुलियाजान में आईटीआई की स्थापना, तिपाम होते हुए भदोई पांचाली-जॉयपोर खुंसा रोड का सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण, मोरान-नहरकटिया सड़क का निर्माण, मोहनाघाट से मोहमारी पथार तक सड़क का निर्माण, मोहमारी पत्थार से मधुपुर और ओकलैंड से मैजान चाय बागान तक सड़क सह तटबंध, माधवपुर-टिपलिंग रेलवे क्रासिंग पर रोड ओवर ब्रिज, दुलियाजान के खेमेरिया में विद्युत उपकेंद्रों का निर्माण, बेलबाड़ी तिनाली और लाहोवाल में जपीसाजिया, नागघुली से फिलोनोगुरी, पुखुरिजान और लोकसोनी से रोहमोरिया के लिटिंगा गांव तक क्षतिग्रस्त हिस्सों का पुनर्निर्माण और दिनजान सैन्य शिविर में बाढ़ सुरक्षा कार्य का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने डिब्रूगढ़ के एएमसीएच में सरकारी डेंटल कॉलेज, टिंगखोंग में पीडब्ल्यूडी निरीक्षण बंगला, 24 परियोजनाओं का उद्घाटन किया। जेजेएम, डिब्रूगढ़ के तहत पाइप जलापूर्ति योजना और जल संसाधन विभाग, डिब्रूगढ़ के परियोजना सुविधा केंद्र शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया उनमें डिब्रूगढ़ एएमसीएच में सरकारी डेंटल कॉलेज, टिंगखोंग में पीडब्ल्यूडी निरीक्षण बंगला, 24 नंबर जेजेएम, डिब्रूगढ़ के तहत पाइप जलापूर्ति योजना और जल संसाधन विभाग, डिब्रूगढ़ के परियोजना सुविधा केंद्र/गेस्ट हाउस शामिल हैं। इस मौके पर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, असम सरकार के पीएंडआरडी मंत्री रंजीत कुमार दास, स्वास्थ्य मंत्री केशब महंत, उद्योग और वाणिज्य मंत्री बिमल बोरा, विधायक प्रशांत फुकन, तरंगा गोगोई, तेरेस ग्वाला और चक्रधर गोगोई, जिला परिषद अध्यक्ष डेजी रानी फुकन श्याम, मटक स्वायत्तशासी परिषद के सीईएम डेविड चेतिया, एपीएल के अध्यक्ष बिकुल डेका, एटीडीसी के अध्यक्ष रितुपर्ण बरुवा, असम गैस कंपनी के उपाध्यक्ष इंद्रा गोगोई सहित अन्य उपस्थित थे।

देश के सभी सरकारी ...

उनका प्रबंधन, टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा, सैंपलों की जांच की गति बढ़ाने पर जोर देने को कहा गया है। इन सभी पहलुओं को मॉक ड्रिल में शामिल करने को कहा गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया किसी भी सरकारी अस्पताल का दौरा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि चीन सहित कई देशों में कोरोना के नए वेरिएंट बीएफ 7 के कहर को देखते हुए केंद्र सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है।

मातृभाषा में शिक्षा ...

पर जोर देने सहित मूलभूत परिवर्तन किए गए हैं, भारत को 25 वर्षों में दुनिया में नंबर एक बना देगी। शाह ने कहा कि अगर कोई छात्र अपनी मातृभाषा में पढ़ता, बोलता और सोचता है, तो इससे उसकी सोचने की क्षमता, उसकी तर्क शक्ति, विश्लेषण की क्षमता और शोध की क्षमता स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। एनईपी में मूलभूत परिवर्तन प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर जहां तक संभव हो छात्रों को उनकी मातृभाषा में शिक्षित करना है। मुझे विश्वास है कि अगले सात वर्षों में देश के सभी छात्रों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा प्रदान की जाएगी। जीभ और उनकी माताएं उन्हें उनकी भाषा में पढ़ाने में सक्षम होंगी। इसके साथ ही तकनीकी, चिकित्सा और उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम का मातृभाषा में अनुवाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल में चिकित्सा शिक्षा पहले सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अनुवाद के बाद हिंदी में दी जा रही है। उन्होंने कहा कि गुजराती, तेलुगु, ओडिया, पंजाबी और बंगाली- इन सभी भाषाओं में उच्च और चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम शुरू होंगे। शाह ने कहा कि कोई व्यक्ति मूल सोच तभी रख पाता है जब विचार करने का विषय उसकी मातृभाषा में पढ़ाया जाता है, और नई शिक्षा नीति बच्चे की कला और संगीत आदि जैसी क्षमताओं को एक मंच प्रदान करने में मदद करेगी। शाह ने कहा कि एनईपी ने व्यावसायिक और कौशल शिक्षा के लिए एक बड़ी भूमिका निभाई है। 10वीं कक्षा से पहले 50 प्रतिशत से अधिक छात्र व्यावसायिक शिक्षा से जुड़ जाएंगे और इससे उन्हें स्वरोजगार, सूक्ष्म और कुटीर उद्योग की ओर ले जाने में मदद मिलेगी।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

दुर्गुण विषय बढ़ावती, सद्गुण होय विनाश।
बुधि विद्या सत नाश है, मन अभिमान विकाश॥ 23॥

शब्दार्थ : (दुर्गुण) बुरे गुण (विकास) बढ़ावा।

भाष्य : दुर्गुण के कारण इंद्रियां विषयों की ओर बढ़ती हैं। मन अभिमान के कारण इंद्रिय-विषय-उपभोग के लिए सदैव संलग्न रहता है इसलिए सद्गुण के विनाश हो जाने से बुद्धि और विद्या का सत्यानाश हो जाता है।

चंचलता दिन दिन बढ़े, कुटिल कुचाल कुभाव।
छुद्र छिद्र छल कपट में, विषय विकार स्वभाव॥ 24॥

शब्दार्थ : (कुटिल) टेढ़ा (चुला) कुगति।

भाष्य : इंद्रियों के विषय-प्रवाह बढ़ जाने से चंचलता दिनोंदिन बढ़ती जाती है और कुत्सित विचार होने के कारण कुटिलता एवं कुचाल मनुष्य के जीवन में आ जाता है तथा विषय विकारशील स्वभाव से क्षुद्र, छल एवं कपट आदि दुर्गुण आ जाते हैं इसलिए इंद्रिय-प्रवाह को संयमपूर्वक रोककर अपने जीवन को आगे बढ़ाना चाहिए। जीवन-उत्थान के लिए इंद्रियों का संयम करना अत्यंत आवश्यक है।

राज्य में अब तक 53 जिहादी गिरफ्तार : हिमंत

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार ने शनिवार को विधानसभा में बताया कि राज्य में अब तक कुल 53 आरोपित जिहादियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक बांग्लादेश का नागरिक है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा ने विधानसभा को बताया कि बांग्लादेश के पांच और आरोपित जिहादी फरार हैं। भाजपा विधायक तेरेस ग्वाला के सवाल के लिखित जवाब में डॉ. शर्मा ने कहा कि मार्च 2022 से राज्य में कट्टरपंथी सदस्यों की गतिविधियों के नौ मामले दर्ज किए गए हैं। यह मामला बरपेटा, बंगाईगांव, मोरीगांव, धुबड़ी, ग्वालपाड़ा, तामुलपुर और नलबाड़ी जिलों में दर्ज किये गये हैं, जो कट्टरपंथी ताकतों के केंद्र हैं। इनमें से एक मामले की जांच एनआईए कर रही है और उसने अदालत के समक्ष आरोपपत्र भी दायर किया है। डॉ. शर्मा ने कहा है कि राज्य में अब तक 53 आरोपित जिहादियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि हिरासत में लिये गये बांग्लादेशी नागरिक बरपेटा जिला में एक इमाम (धार्मिक शिक्षक) और मदरसा शिक्षक के रूप में तैनात थे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया है कि पांच अन्य बांग्लादेशी फरार हैं, जिन पर मुस्लिम युवाओं को %जिहादी% गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न मदरसों में भाषण देने का आरोप है।

नाजीरा के जया चाय बागान में करंट लगने से मां-बेटी की मौत

शिवसागर(हि.स.)। शिवसागर जिला के नाजीरा स्थित जया चाय बागान में शनिवार को एक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बिजली की चपेट में आने से एक ही घर के दो लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में मां-बेटी बताई गई हैं। मृतका की पहचान आरती कर्मकार (35) और बेटी का नाम मोर्मी कर्मकार (13) के रूप में हुई है। दोनों को अपने ही घर में नहाते समय करंट लग गया, जिसके चलते मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि नहाते समय करंट लगने का पता चलने पर बेटी को बचाने की कोशिश में मां की भी मौत हो गई। दोनों को नाजीरा के लिगिरीपुखुरी स्थित नाजीरा अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला सदर अस्पताल में भेज दिया है। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। इस घटना से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

हंगामे के बीच विधानसभा का शीतकालीन सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा का पांच दिवसीय शीतकालीन सत्र का अंतिम दिन शनिवार को भारी शोर-शराबे के माहौल के बीच समाप्त हो गया। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम ने गृह विभाग से संबंधित एक सवाल उठाया, जिसके चलते सदन में हंगामा होने लगा। विधानसभा में इस बात का जिक्र होने के बाद हंगामा हुआ कि कैसे बटद्रवा की घटना में गिरफ्तार किए गए आशिकुल इस्लाम की पुलिस हिरासत में मौत हो गई, विधायक ने मौत को हत्या किए जाने की आशंका जताई, जिसके चलते सदन में हंगामा होने लगा। इस बीच, विपक्षी कांग्रेस, एआईयूडीएफ, अखिल गोगोई, सीपीएम ने भाजपा विधायक रूपज्योति कुर्मी के रुख के लिए उनकी आलोचना की, जिसको लेकर सत्ता पक्ष ने भी हंगामा शुरू कर दिया। विधायक रूपज्योति कुर्मी ने असम के चर इलाकों को चोरों, डकैतों और विपक्षी दलों का अड्डा बताया और कहा कि वे चोरों और डकैतों के समर्थक हैं। विधायक अखिल गोगोई ने मांग की कि असम में पुलिस मुठभेड़ों को रोका जाना चाहिए। गृह विभाग की ओर से मंत्री पीयूष हजारिका सदन में बोल रहे थे, वहीं विपक्ष कांग्रेस, एआईयूडीएफ, सीपीएम और शिवसागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अखिल गोगोई ने विधायक रूपज्योति कुर्मी को सदन से निष्कासित करने की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी ने अंततः सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजकर 40 मिनट पर फिर शुरू हुई और अनिश्चितकाल के लिए समाप्त हो गई।

हिंयुछाप ने युवाओं से क्रिसमस और नववर्ष समारोह मर्यादा पूर्वक मनाने का आग्रह

गुवाहाटी (विभास)। हिंदू युवा छात्र परिषद (हिंयुछाप) ने शहर और राज्य भर के होटलों, रेस्तरां, बार और डिस्को में क्रिसमस और आगामी अंग्रेजी नव वर्ष मानने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हिंयुछाप की ओर से कहा गया है कि त्योहार व महोत्सव मनाने में नग्नता और अश्लीलता ना फैलाएं। परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष बलेन वैश्य और महासचिव माधव दास ने आज समाचार पत्रों को भेजे एक प्रेस बयान में कहा कि महोत्सव व त्योहार मनाने में मर्यादा बनाए रखना चाहिए। लेकिन आजकल त्योहार महोत्सव नग्नता और अश्लीलता के साथ मनाया जा रहा है और असमिया संस्कृति और आम सार्वजनिक जीवन को कलंकित किया जा रहा है। इसलिए, होटल, बार, रेस्तरां और डिस्को के मालिकों को ऐसा माहौल नहीं बनाना चाहिए जहां कार्यक्रमों को अपने लाभ के लिए मनाया जाए। वहीं बयान में परिषद के नेताओं ने कहा कि इस संबंध में शासन प्रशासन को सख्त होने की जरूरत है और अगर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग सचेत रूप से इस मामले की निगरानी करता है, तो किसी संस्था द्वारा इस तरह के कुकर्म करने का सवाल ही नहीं उठता। दोनों नेताओं ने हिंदू समुदाय से 25 दिसंबर को सनातन धर्म के पारंपरिक पवित्र त्योहार तुलसी पूजा को अपने-अपने घरों और सनातन धार्मिक संस्थानों में बड़े धूमधाम से मनाने का भी आग्रह किया।

अभामास के 88वें स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के 88वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में त्रिदिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। 24 दिसंबर को सुबह आर्यन हिंदी स्कूल, रेहाबारी के करीब 200 बच्चों के लिये नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया तथा बच्चों में जूस आदि का वितरण किया गया। । 24 दिसंबर की शाम को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के मंडल (च) द्वारा आयोजित मंडल स्तरीय ऑनलाइन विचार गोष्ठी के आयोजन में शाखा ने अपनी सहभागिता निभाई। मंडलीय उपाध्यक्ष कंचन केजरीवाल की अध्यक्षता में आयोजित उक्त बैठक में विशिष्ट आमंत्रित वक्ता, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रांतीय अध्यक्ष नमिता जालान ने महिलाओं का सामाजिक सांस्कृतिक तथा धार्मिक संगठनों से बढ़ता जुड़ाव विषय पर अपने बहुमूल्य विचार रखे। ब्रह्मपुत्र साहित्य सभा के अध्यक्ष तथा सम्मेलन समाचार के पूर्व संपादक किशोर कुमार जैन ने साहित्य के प्रति मारवाड़ी समाज का बढ़ता रुझान विषय पर काफी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। युवतियों के उच्च शिक्षज और कैरियर में संभावनाएं विषय पर असम ज्यूडिशियल एग्जाम में उत्तीर्ण हुई खुशबू दम्माणी ने अपने विचार प्रकट किए। मोरान शाखा के पी आर ओ तथा प्रांतीय समिति संयोजक विमल अग्रवाल ने हर घर जोड़ो-सदस्यता विकास पर सारगर्भित वक्तव्य रखा। प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल ने भी सभा को संबोधित किया और उपस्थित महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। संतोष दम्माणी, पुष्पा बुकलसरिया आदि कई वक्ताओं ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए महिला शाखा की मंत्री सरोज जालान ने कार्यक्रम का संचालन किया। फूलमाला पाटनी, बबिता सरावगी, सोनिया भुवालका तथा आशा शर्मा ने आमंत्रित अतिथियों का परिचय पाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यकारिणी सदस्य सुनीता क्याल ने दिया। 25 तारीख को सम्मेलन की कामरूप शाखा द्वारा आयोजित एक खोज प्रतिभा कार्यक्रम में यथासंभव सहभागिता निभाने का निश्चय शाखा ने किया। तीसरे दिन 26 दिसम्बर को राजगढ़ स्थित प्रभाकर हिंदी स्कूल के बच्चों के लिए नेत्र एवम दंत जॉच शिविर का आयोजन किया जाएगा। सभी छात्रों में बिस्कुट, टूथ ब्रश तथा स्टेशनरी वितरित की जाएगी। अध्यक्ष कंचन केजरीवाल ने गामोछा और मोमेंटो से सभी का अभिवादन किया। शिविर में अपनी सेवाएं देने के लिए डॉ अनुश्री लहकर, डॉ अनिता शर्मा, पलाश कलिता तथा मामोनी देवी का तथा सहभागिता निभाने के लिए भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा तथा लायंस अस्पताल का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शाखा की शाखा की सभी सदस्याएं कृतसंकल्प हैं।

रंगिया मंडल में विकास कार्य के लिए कई ट्रेनें रद्द

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के रंगिया मंडल अंतर्गत मिर्जा स्टेशन यार्ड के पुनर्निर्माण के लिए 24 से 27 दिसंबर तक प्री-नॉन इंटरलॉकिंग और नॉन इंटरलॉकिंग कार्यों को देखते हुए कई ट्रेनों को रद्द, मार्ग परिवर्तन और समय में परिवर्तन किया गया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने शनिवार को बताया है कि रद्द ट्रेन सेवाएंओं में 26 दिसंबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 05608 (गुवाहाटी-मेंदीपथार) पैसेंजर रद्द रहेगी। 27 दिसंबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 05019/05020 (मेंदीपथार-गुवाहाटी-मेंदीपथार) पैसेंजर स्पेशल और ट्रेन संख्या 05607 (मेंदीपथार-गुवाहाटी) पैसेंजर रद्द रहेगी। जिन ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है उनमें 24, 25, 26 और 27 दिसंबर को यात्रा करने वाली ट्रेन संख्या 12346 (गुवाहाटी-हावड़ा) सराईघाट एक्सप्रेस और 27 दिसंबर को यात्रा करने वाली ट्रेन संख्या 15662 (कामाख्या-रांची) एक्सप्रेस वाया कामाख्या- रंगिया- न्यू बंगाईगांव होकर चलेगी। 24, 25, 26 और 27 दिसंबर को यात्रा करने वाली ट्रेन संख्या 15601 (धुबड़ी -गुवाहाटी) एक्सप्रेस, 23 दिसंबर को यात्रा करने वाली ट्रेन संख्या 12503 (एसएमवीटी बेंगलुरु-अगरतला) एक्सप्रेस और 26 दिसंबर को यात्रा करने वाली ट्रेन संख्या 15078 (गोमती नगर- कामाख्या) एक्सप्रेस वाया न्यू बंगाईगांव- रंगिया- कामाख्या होकर चलेगी। वहीं, जिन ट्रेनों का समय संशोधित किया गया है उनमें 25 दिसंबर को यात्रा करने वाली ट्रेन संख्या 15655 (कामाख्या-श्री माता वैष्णो देवी कटरा) एक्सप्रेस का संशोधित समय 11.00 बजे के बजाय 13.00 बजे निर्धारित किया गया है।

रोमांचक दौर में विप्र टी-10 लीग, फाइनल आज

गुवाहाटी (विभास)। विप्र युवा असम और फ्रेंड्स ऑफ प्रातः खबर के तत्वावधान में लताशील फील्ड में जारी तीन दिवसीय विप्र टी-10 लीग के दूसरे दिन भी खेल का रोमांच देखने को मिला। आज पहला मैच पराशर वॉरियर्स और ग्लोबल ग्लेडिएटर्स के बीच खेला गया, जिसमें वारियर्स ने ग्लेडिएटर्स को 77 रनों से मात दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने निर्धारित 10 ओवरों में छह विकेट खोकर 168 रन बनाए, जिसके जवाब में ग्लेडिएटर्स 8.2 ओवर में महज 91 रनों पर ढेर हो गयी। वहीं दूसरे लीग मैच में काके दि शेर ने एमवी वॉरियर्स को 86 रनों से शिकस्त दी। काके दि शेर के 4 विकेट पर 170 रन के जवाब में एमबी वॉरियर्स 8 विकेट खोकर महज 104 रन ही बना पायी। वहीं कल की हार से उबरे चाय पीयो लीजेंड्स ने एक रोमांचक मुकाबले में पराशर वॉरियर्स को 2 गेंद रहते 4 विकेट खोकर 159 रन बना 6 विकेट से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने 10 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए। वहीं इस लक्ष्य को चाय पीयो लीजेंड्स ने 9.4 ओवरों में पूरा कर जीत हासिल की। आज के अंतिम मुकाबले में विप्र लायंस इलेवन ने एमबी वॉरियर्स को 89 रन से कड़ी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए लायंस ने निर्धारित 10 ओवरों में 5 विकेट पर 163 रन बनाए। इसके जवाब में वॉरियर्स ने 6 विकेट खोकर महज 74 रन ही बना सकी। कल निर्धारित मैचों के अलावा फाइनल खेला जाएगा। आयोजन समिति की ओर से दी गयी जानकारी के मुताबिक शाम 4 बजे पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन होगा। इससे पहले आज मैदान में खेल देखने आये विप्र फाउंडेशन के जोन-8 के अध्यक्ष कन्हैया लाल पिपलवा, सचिव दिनेश पारीक, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन महासचिव राकेश दास, अनुज, वीरेश स्वामी व अन्य पदाधिकारियों के साथ अधिवक्ता विश्वंभर शर्मा का आयोजन समिति की ओर से अभिनंदन किया गया। कल कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री व विप्र कुलश्रेष्ठ स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी जाएगी।

व्यक्ति पर धारदार हथियार से हमला, मौत

चराईदेव (हि.स.)। चराईदेव जिला मुख्यालय शहर सोनारी के शालकाठनी चाय बागान इलाके में हुई हत्या के चलते इलाके में सनसनी है। विजय तंताबाई (45) नामक व्यक्ति पर धारदार हथियार से हमला किये जाने के चलते मौत हो गई। यह घटना चाय बागान की खड़िया लाइन इलाके में हुई है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि बीती मध्य रात्रि को जब विजय तंताबाई अपने घर में सो रहे थे, इसी दौरान एक बदमाश घर का दरवाजा खोलकर विजय की बेटी के बेडरूम में घुस गया, आवाज सुनते ही बेटी ने शोर मचाना शुरू कर दिया। बेटी के चिल्लाने की आवाज सुनकर पिता विजय तंताबाई बेडरूम से उठे और बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान बदमाशों ने विजय की गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गये। घायल विजय को रात में सापेखाती प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए डिब्रूगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रेफर कर दिया।

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति घोटाले में बरपेटा में कॉलेज प्रिंसिपल समेत दो गिरफ्तार

बरपेटा (निसं)। करोड़ों रुपए के कथित अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति घोटाले में अपनी जांच जारी रखते हुए, जिला पुलिस ने बरपेटा जिले के सरुक्षेत्री निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत भक्तर्दबा में हरेंद्र चित्रा कॉलेज के प्रिंसिपल को गिरफ्तार किया है.हरेंद्र चित्रा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जाकिर हुसैन को अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति घोटाले में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है.प्रिंसिपल के साथ कॉलेज के ऑफिस असिस्टेंट सहाबुद्दीन को भी गिरफ्तार किया गया है.बरपेटा पुलिस ने कोयाकुची थाने के सहयोग से कॉलेज के प्राचार्य और कार्यालय सहायक को गिरफ्तार किया है.प्रिंसिपल डॉक्टर जाकिर हुसैन समेत दोनों आरोपियों को आज 24 दिसंबर को बरपेटा के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में पेश किया गया.पुलिस ने अदालत से अनुरोध किया है कि दोनों आरोपियों को घोटाले के सिलसिले में पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में लिया जाए.गौरतलब है कि ईशान उदय छात्रवृत्ति के नाम पर दलालों के एक समूह ने बरपेटा और बोंगाईगांव के कई कॉलेजों के प्राचार्यों और कर्मचारियों के साथ मिलकर भूतिया छात्रों के नाम शामिल कर करोड़ों रुपए का गबन किया था. ईशान उदय छात्रवृत्ति योजना के तहत हायर सेकेंडरी परीक्षा 75 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को सालाना 60 हजार रुपए दिए जाते हैं। इसी तरह, केंद्र सरकार का मानव संसाधन विकास मंत्रालय राज्य के अल्पसंख्यक समुदायों के मेधावी छात्रों को राज्य के बाहर कुछ प्रमुख शिक्षण संस्थानों में अध्ययन करने की पेशकश करता है।

होजाई में मना राष्ट्रीय ग्राहक सुरक्षा दिवस

होजाई (निसं)। शहर के बीचोबीच स्थित होजाई मार्केटिंग कार्यालय प्रांगण में सैक ?ें राशनकार्ड धारकों की उपस्थिति में जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग ने राष्ट्रीय ग्राहक सुरक्षा दिवस का पालन किया। उक्त कार्यक्रम मे जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग के परिदर्शक डोली बोरा, नागरिक आपूर्ति विभाग के परिदर्शक केशव दास, जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग के अतिरिक्त संचालक श्यामल कुमार सिंहा उपस्थित रहे। होजाई मार्केटिंग के सचिव दुलन भौमिक के अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रीय ग्राहक सुरक्षा दिवस समारोह मे उपस्थित मुख्य अतिथि अतिरिक्त संचालक ने सभी ग्राहकों को कहा कि आपको किसी भी सामग्री को क्रय करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। कोई भी दुकानदार आप को ठग ना ले और सामग्री उचित मुल्य से अधिक वसूली ना करे। कोई भी सामग्री खरीदारी करे तो दुकानदार से उसका केस मेमो जरूर ले। साथ ही उपस्थित सभी दुकानदारों से भी अनुरोध किया कि सभी सामग्री के उचित मूल्य ले और केस मेमो दे ताकि सरकारी खजाना की चोरी ना हो।

नाजीरा में महिला का शव बरामद

शिवसागर (हि.स.)। नाजीरा के संटक के चाय बागान की फैक्ट्री के शिकली पुल के पास एक तालाब से शनिवार की सुबह एक महिला का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की पहचान संटक शिकली निवासी किशोर बड़ाईक की पत्नी पुष्पा बड़ाईक (45) के रूप में किया गया है। पुष्पा बड़ाईक आज सुबह से लापता थी। सुबह स्थानीय लोगों ने महिला का शव चाय बागान के तालाब में देखा। बरामद शव के पास पांच सौ रुपए के कई नोट मिले हैं।

आग में घर जलकर राख, लाखों की संपत्ति का नुकसान

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के दिसपुर थाना क्षेत्र के हेंगराबाड़ी इलाके में लगी आग के दौरान एक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने बताया कि शनिवार को थाना क्षेत्र के हेंगराबाड़ी के लीची बागान के शंकर देव नगर में लगी आग के दौरान मनेश्वर नार्जरी का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों और अग्निशमन की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग बुझाए जाने तक मनेश्वर का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, हादसे के दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

विश्वनाथ : नॉर्थ ईस्ट रॉयल ग्लोबल विद्यालय का वार्षिकोत्सव संपन्न

विश्वनाथ (निसं)। विश्वनाथ जिला के नॉर्थ ईस्ट रॉयल ग्लोबल इंग्लिश स्कूल का वार्षिक पुरस्कार समारोह का कल स्कूल परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा कोरस परफॉर्मेंस से हुई। इसके बाद विद्यालय के अन्यतम स्वत्वाधिकारी (मालिक) तनुजा हजारिका के निधन में शोक जताए हुए अंजना बोरा हजारिका, ज्योतिका हजारिका और मल्लिका हजारिका ने परिवार की ओर से तनुजा हजारिका के प्रतिछवि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के प्रधानाचार्य सागर हजारिका ने स्वागत भाषण दिया और सभा की उद्देश्य व्याख्या उप-प्रधानाचार्य मंजिल मेधी ने किया। विद्यालय के शिक्षिका निवेदिता देवी व जाचिंता देवी की संयुक्त संचालित सभा में विश्वनाथ के प्रमुख समाजसेवी और अखिल असम मईना पारिजात के पूर्व अध्यक्ष जितेन भागवती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह सीबीएसई माध्यम के विद्यालय विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास में सहायक होगा। भगवती ने अपने भाषण में सरकार से आग्रह किया कि असम में शैक्षिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए अंग्रेजी विषय के साथ-साथ मातृभाषा को भी समान महत्व दिया जाए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेने वाले सेवानिवृत्त अध्यापिका धनदा कलिता ने छात्रों के व्यापक (सर्वांगीण)विकास पर ध्यान देने का आग्रह किया। सभा में अभिभावक की ओर से युवा सामाजिक कार्यकर्ता कंदर्प हजारिका, ताइक्कांडो कोच निहार शैकिया, निरंजन हजारिका आदि ने विद्यार्थियों के विकास के क्षेत्र में अध्यापक -अध्यापिका के समन्वय के माध्यम से आगे बढ़ने का आह्वान किया। बैठक में संचालक मण्डल की ओर से अभिजीत बोरा, राजेश प्रसाद, डॉली देवी सहित अन्य उपस्थित थे। सभा में वरिष्ठ अध्यापिका मरमी बोरा के आलावा स्कूल के अधिकांश शिक्षिका ने सहायता प्रदान की। अंत में रुनजुन बोरा ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद ज्ञापन किया। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के नृत्य प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र बिंदु था।

गुरुकुलों ने विज्ञान, अध्यात्म और लैंगिक समानता के बारे में मानवता का मार्गदर्शन किया : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सच्चे ज्ञान के प्रसार को दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए कहा कि खोज और अनुसंधान भारतीय जीवन शैली का अभिन्न अंग रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय गुरुकुलों ने विज्ञान, अध्यात्म और लैंगिक समानता के बारे में मानवता का मार्गदर्शन किया है। प्रधानमंत्री आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वामीनारायण गुरुकुल राजकोट संस्थान के 75वें अमृत महोत्सव को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने स्वामीनारायण गुरुकुल राजकोट संस्थान से जुड़े सभी लोगों को 75 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी और इस यात्रा में जबरदस्त प्रयासों के लिए शास्त्रीजी महाराज धर्मजीवनदासजी स्वामी के प्रयासों की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान स्वामी नारायण के नाम का स्मरण करने मात्र से व्यक्ति नई चेतना का अनुभव कर सकता है। प्रधानमंत्री ने अमृत काल की अवधि में हो रहे शुभ संयोग के संयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामीनारायण गुरुकुल राजकोट की यात्रा के 75 वर्ष, ऐसे कालखंड में पूरे हो रहे हैं, जब देश अपनी आजादी के 75 वर्ष मना रहा है। ये सुखद संयोग तो है ही सुखद सुयोग भी है। ये कर्मठता, कर्तव्य, संस्कृति, समर्पण, अध्यात्म और आधुनिकता के सुयगो हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास में ऐसे संयोगों से भारतीय परंपरा को ऊर्जा मिलती रही है। प्रधानमंत्री ने आजादी के तत्काल बाद शिक्षा की उपेक्षा और प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के गौरव को पुनर्जीवित करने की दिशा में तत्कालीन सरकारों के रवैये पर दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसी परिस्थिति में देश के संतों और आचार्यों ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य का जिम्मा लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, स्वामीनारायण गुरुकुल इस सुयोग का जीवंत उदाहरण है। इस संस्था का विकास स्वतंत्रता आंदोलन के आदर्शों की नींव पर किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा की, सच्चे ज्ञान का प्रसार सबसे महत्वपूर्ण कार्य है और यह दुनिया में ज्ञान और शिक्षा के प्रति भारत की भक्ति है जिसने भारतीय सभ्यता की नींव रखी है। प्रधानमंत्री ने बताया कि भले ही गुरुकुल विद्या प्रतिष्ठान राजकोट में केवल सात छात्रों के साथ शुरू हुआ, लेकिन आज दुनिया भर में इसकी 40 शाखाएं हैं जो दुनिया भर के हजारों छात्रों को आकर्षित करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 75 वर्षों में गुरुकुल ने अच्छे विचारों और मूल्यों के साथ छात्रों के दिमाग और दिल को विकसित किया है, ताकि उनका समग्र विकास हो सके। उन्होंने कहा, अध्यात्म के क्षेत्र में समर्पित छात्रों से लेकर इसरो और बीएआरसी के वैज्ञानिकों तक, गुरुकुल की परंपरा ने देश के हर क्षेत्र को पोषित किया है। प्रधानमंत्री ने गुरुकुल की प्रथा पर प्रकाश डाला जहां गरीब छात्रों से एक दिन का केवल एक रुपये का शुल्क लिया जाता है जिससे उनके लिए शिक्षा प्राप्त करना आसान हो जाता है। ज्ञान को जीवन की सर्वोच्च खोज मानने की भारतीय परंपरा का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि जब दुनिया के अन्य हिस्सों की पहचान उनके शासक राजवंशों से होती थी, तब भारत को उनके गुरुकुलों के जाना जाता था। उन्होंने कहा, हमारे गुरुकुल सदियों से समता, ममता, समानता और सेवा की भावना का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं। उन्होंने नालंदा और तक्षशिला को भारत के प्राचीन गौरव के पर्यायवाची के रूप में याद किया। खोज और शोध भारतीय जीवन शैली का एक अभिन्न अंग थे। आत्म-तत्व से परात्व-तत्व तक, आध्यात्म से आयुर्वेद तक, सामाजिक विज्ञान से सौर विज्ञान तक, गणित से धातु विज्ञान तक और शून्य से अनंत तक, हर क्षेत्र में अनुसंधान और नए निष्कर्ष निकाले गए। उन्होंने कहा, उस अंधेरे युग में भारत ने मानवता को प्रकाश की किरणें दीं, जिसने आधुनिक विज्ञान की दुनिया की यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया। प्रधानमंत्री ने भारतीय प्राचीन गुरुकुल प्रणाली की लैंगिक समानता और संवेदनशीलता पर भी प्रकाश डाला और कन्या गुरुकुल शुरू करने के लिए स्वामीनारायण गुरुकुल की सराहना की। प्रधानमंत्री ने भारत के उज्ज्वल भविष्य को आकार देने में शिक्षा प्रणाली और शिक्षण संस्थानों की भूमिका पर जोर दिया और कहा कि आजादी का अमृत काल में देश हर स्तर पर देश में शिक्षा के बुनियादी ढांचे और नीतियों को विकसित करने के लिए तेज गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि देश में आईआईटी, आईआईआईटी, आईआईएम और एम्स की संख्या में वृद्धि देखी गई है और मेडिकल कॉलेजों की संख्या में 2014 से पहले के समय की तुलना में 65 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। उन्होंने आगे कहा।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति से देश एक भविष्योन्मुखी शिक्षा व्यवस्था तैयार कर रहा है। नतीजतन, नई पीढ़ी जो नई व्यवस्था में अपनी शिक्षा प्राप्त करेगी, वह देश के आदर्श नागरिकों का निर्माण करेगी। प्रधानमंत्री ने अगले 25 साल की यात्रा में संतों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। आज भारत के संकल्प नए हैं और उन्हें साकार करने के प्रयास भी नए हैं। आज देश डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, हर जिले में 75 अमृत सरोवर का निर्माण और एक भारत श्रेष्ठ भारत के विजन के साथ आगे बढ़ रहा है। सामाजिक परिवर्तन और समाज सुधार की इन परियोजनाओं में सबका प्रयास करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करेगा। प्रधानमंत्री ने गुरुकुल के छात्रों से कम से कम 15 दिनों के लिए पूर्वोत्तर भारत की यात्रा करने और राष्ट्र को और मजबूत करने के लिए लोगों से जुड़ने का भी आग्रह किया। उन्होंने बेटी बचाओ और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों को भी छुआ और लोगों से एक भारत श्रेष्ठ भारत को मजबूत करने के लिए एक साथ आने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे यकीन है कि स्वामीनारायण गुरुकुल विद्या प्रतिष्ठान जैसे संस्थान भारत के संकल्पों की इस यात्रा को शक्ति देना जारी रखेंगे।

विपश्यना के लिए गए अरविंद केजरीवाल, सिसोदिया चलाएंगे सरकार

नई दिल्ली, (हि.स.)। चुनावी तनाव निपटाने के बाद अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज से एक सप्ताह के लिए विपश्यना साधना के लिए चले गए हैं। अब वे एक जनवरी को दिल्ली लौटेंगे। ऐसे तो हर बार अरविंद केजरीवाल विपश्यना साधना के लिए हिमाचल, बेंगलुरु और महाराष्ट्र में से किसी एक जगह जाते हैं, लेकिन इस बार वो कहां गए हैं, इसकी जानकारी अभी तक किसी को नहीं है। विपश्यना साधना के नियमों के अनुसार आज से अगले कुछ दिनों तक अरविंद केजरीवाल किसी के संपर्क में नहीं रहेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया उनका कामकाज संभालेंगे। विपश्यना साधना में मौन के साथ बैठकर ध्यान करने का अभ्यास रहता है। इस दौरान मौन रहना, ज्यादा बातचीत न करना, बाहरी दुनिया से कोई संपर्क न रखना जैसे कड़े नियमों का पालन करना होता है। इससे पहले अगस्त 2021 में मुख्यमंत्री विपश्यना साधना के लिए जयपुर गए थे।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए मध्य प्रदेश के बुजुर्ग

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा दिल्ली में प्रवेश कर चुकी है। बदरपुर बॉर्डर मेट्रो स्टेशन से सुबह 6:30 से भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत हुई। भारत जोड़ो यात्रा बदरपुर से अपोलो हॉस्पिटल, सरिता विहार होते हुए आश्रम अंडर पास के पास करीब दो घंटे तक रूकी। राहुल गांधी ने दो घंटे विश्राम किया। इधर भारत जोड़ो यात्रा में देश के अलग-अलग राज्यों से लोग भी शामिल हुए। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा का विषय 88 वर्ष के करुणा प्रसाद मिश्रा बने, जो मूल रूप से मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। वह इस भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए हैं। काफी बुजुर्ग होने के बावजूद भी वह पैदल चल रहे हैं। करुणा प्रसाद मिश्रा ने बताया कि उनकी उम्र 88 वर्ष है। वह भारत जोड़ो यात्रा में आए हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने 1947 का भी भारत देखा है और आज का भी भारत देख रहे हैं। उन्होंने कहा है कि आज जरूरत है भारत को जोड़ने की, लेकिन बीच में एक ऐसी सरकार आई जो भारत को तोड़ने में लगी हुई है। युवा राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं, तो ऐसे में उनका मन भी इस यात्रा में शामिल होने का किया। उन्होंने यह भी कहा है कि इस यात्रा से देश में प्यार-मोहब्बत बढ़ेगा। भारत जोड़ो यात्रा देश में एक बड़ा बदलाव लाने वाली है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा युवा जुड़ रहे हैं और लोगों को समझ आ रहा है कि इस भारत जोड़ो यात्रा का उनके लिए कितना महत्व है। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए वृद्ध करुणा प्रसाद मिश्रा ने बताया कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर निकले हैं। उनके साथ पूरा देश खड़ा है। लोग यात्रा में शामिल हो रहे हैं। लोग अपनी आवाज को बुलंद कर रहे हैं।

मेडिकल ऑक्सीजन की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करें राज्य - स्वास्थ्य मंत्रालय

अजय कुमार

नई दिल्ली। कोरोना को लेकर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। आज केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को कोरोना से निपटने के लिए मेडिकल ऑक्सीजन की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चिट्ठी लिखी है। इसके साथ ही सभी पीएसए संयंत्रों को पूरी तरह चालू रखने और उन्हें जांचने के लिए नियमित मॉक ड्रिल आयोजित करने के भी निर्देश दिए हैं। आज केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव डॉ. मनोहर अगनानी ने सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों पत्र लिख कर कहा है कि स्वास्थ्य सुविधाओं में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता और उनकी रिफिलिंग के लिए बिना रुकावट के आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैकअप स्टॉक और ऑक्सीजन सिलेंडरों की पर्याप्त सूची रिफिलिंग सिस्टम को बनाए रखा जाना चाहिए। वेंटीलेटर्स, बीआईपीएपी जैसे लाइफ स्पोर्टिंग उपकरणों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि ऑक्सीजन के लिए राज्यों के स्तर पर ऑक्सीजन कंट्रोल रूम को फिर से सक्रिय किया जाना चाहिए।

26 जनवरी से 26 मार्च तक चलाया जाएगा हाथ से हाथ जोड़ो अभियान : जयराम रमेश

अजय त्यागी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के तहत 26 जनवरी से 26 मार्च तक हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलाया जाएगा। रमेश ने शनिवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यात्रा अपने 108वें दिन आज दिल्ली पहुंची है। 26 जनवरी से 26 मार्च तक हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलाया जाएगा। यह भारत जोड़ो का संदेशा हर बूथ और ब्लॉक तक पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। रमेश ने कहा कि यह यात्रा चुनावी नहीं है बल्कि विचारधारा आधारित यात्रा है। इसी लिए बड़ी संख्या में लोग जुड़ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत जोड़ो यात्रा आज हरियाणा से दिल्ली में दाखिल हुई है। इस यात्रा में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल सहित पार्टी के अन्य नेता शामिल हुए। आज सुबह दिल्ली के बदरपुर बॉर्डर पर ध्वज हस्तांतरण समारोह हुआ। यहां दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने यात्रा का स्वागत किया। उसके बाद यात्री आगे बढ़ी। दिल्ली के जयराम आश्रम पर यात्री सुबह के 10 :30 बजे कुछ समय के लिए रुके। यहां से फिर यात्री दोपहर एक बजे से लालकिला के लिए रवाना होंगे। जिसके बाद यात्री वीर भूमि, शक्ति स्थल, शांति वन और राजघाट पहुंचेंगे।

देविका ने देखा था 26/11 का खौफनाक मंजर, अब 24 साल में प्रधानमंत्री से रखती हैं मदद की उम्मीद

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। देश की आर्थिक राजधानी में हुए 26/11 के आतंकवादी हमले के खौफनाक मंजर को 14 साल हो गए है। वह डरावना दृश्य चौबीस घंटे सामने रहता है। उस घटना के बाद समस्याओं का पहाड़ परिवार पर टूट पड़ा। पिता का कारोबार खत्म हुआ। उसके बाद जैसे-तैसे जिंदगी को आगे बढ़ाया। सरकार के पीछे-पीछे दौड़कर अंत में कुछ सहायता मिली लेकिन वे न के बराबर मिली। लेकिन जिंदगी अभी भी पटरी पर नहीं लौटी। अब आखरी उम्मीद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से है। देविका रोटावन वह नन्ही गवाह है जिसने 26/11 का मौत का तांडव देखा था और उसका शिकार भी हुई थी। घटना में उसके पैर में गोली लगी थी। देविका अब 24 साल की है। उसका कहना है, प्रधानमंत्री 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की बात करते हैं, तो वह मेरी तकलीफ को भी जरूर समझेंगे। हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में देविका ने बताया कि आंख बंद होने से पहले उसने लाशों के ऊपर से गुजरते हुए व लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलाने वाले आंतकी अजमल कसाब को देखा था। वह बेकसूर लोगों को मार रहा था। गोली लगने के बाद वह बेहोश हो गई। उस समय उसकी उम्र नौ वर्ष 11 महीने थी। वहीं इत्तेफाक की बात यह रही कि जिस अस्पताल (सेन्ट जॉर्ज हॉस्पिटल)में उसे घायल अवस्था में लाया गया। उसी अस्पताल में देविका ने सबसे पहले अपनी आंखे खोली थी।

देविका ने बताया कि उस खौफनाक रात को वह कभी जिंदगी में नहीं भूल पायेंगी। देविका का कहना है कि उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ होगा। 26/11 को वह अपने पिता नटवरलाल रोटावन व भाई जायेश के साथ बांद्रा से सीएसटी गये। वहां से उन्हें अपने भाई भरत के पास पुणे जाना था। वह प्लेट फार्म 12-13 के ठीक सामने बैठे हुए थे। तभी बड़े भाई जायेश ने बाथरूम जाने की बात कहीं। वह बाथरूम जैसे ही गया, वैसे जोर का धमका हुआ। फिर अचानक गोलियां चलने शुरू हो गई। लोग चीखने-चिल्लाने लगे और इधर-उधर भागने लगे। हम भी वहां फंस गए। दूसरों की तरह भागने की कोशिश की, लेकिन गिर गई।" देविका बताती है कि तभी उसने दाहिने पैर में दर्द महसूस किया। पैर सुन्न पड़ चुका था। उसने खून बहता हुआ देखा। उसे भी गोली मार दी गई थी। देविका ने आगे कहा, "जब मुझे इसका एहसास हुआ तो मैं वहीं गिर गई और अगले दिन ही होश में आया।

वहीं देविका ने बताया कि उसके पैर की छह बार सर्जरी हुई। देविका राजस्थान के पाली जिले के अपने पैतृक दांव सुमेरपुर चली गई, जहां पूरे परिवार ने उसकी अच्छी देखभाल की। हालांकि, उसे जल्द ही कसाब के खिलाफ अदालती कार्यवाही में भाग लेने के लिए मुंबई बुलाया गया। जून 2009 में देविका और उसके पिता की गवाही ने कसाब के ताबूत में अंतिम कील ठोक दी। देविका 27 दिसंबर को 24 साल की हो जाएगी। उसने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद स्नातक की पढ़ाई कर रही है। देविका का कहना है कि उस मौत के तांडव के बाद उसने फोर्स में जाने का सपना सोचा है। देविका के परिवार को मुआवजे के तौर पर कुल 13.5 लाख रुपये मिले।

चीन सहित चार देशों से आने वाले यात्रियों के लिए होगी आरटी-पीसीआर जांच अनिवार्य

राकेश शर्मा

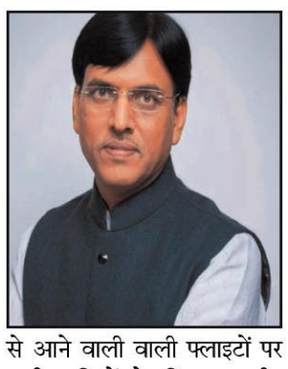

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने शनिवार को कहा कि चीन, दक्षिण कोरिया, जापान और थाईलैंड से आने वाले यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर जांच अनिवार्य होगी। उन्होंने कहा कि देश को महामारी के प्रभाव से बचाने के लिए सरकार जल्द ही ऐसा करने जा रही है। केन्द्रीय मंत्री मंडाविया ने एक बयान में कहा कि कोरोना महामारी को लेकर हमने सतर्कता बरतना शुरू कर दिया है। जिस तरह से चीन में कोरोना महामारी की स्थिति हम देख रहे हैं उसके मद्देनजर चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, बैंकॉक से आने वाली वाली फ्लाइटों पर सभी यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर अनिवार्य करेंगे। उड्डयन मंत्रालय से बातचीत करके एयर सुविधा पोर्टल की व्यवस्था लागू करके और सभी यात्रियों की ट्रेसिंग शुरू करेंगे। भारत में आने के बाद लक्षण दिखे या यात्री पॉजिटिव पाया जाए तो तुरंत ही उसे क्वारंटाइन किया जाएगा। हम इसका आदेश जारी करने जा रहे हैं ताकि देश को कोविड-19 से बचा सकें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ कोरोना की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की और उससे जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की थी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में चीन में कोरोना वायरस के चलते बड़े स्तर पर मामले सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि देश की 18 प्रतिशत आबादी 20 दिसंबर तक कोरोना से प्रभावित हो चुकी है।

प्रधानमंत्री ने बिहार में ईंट भट्ठे की दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को बिहार के मोतिहारी में एक ईंट भट्ठे में हुई दुर्घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख रुपये और इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा भी की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, मोतिहारी में एक ईंट भट्ठे में हुई दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ है। घायलों के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जायेंगे।

राजस्थान देश का बड़ा औद्योगिक हब बने : राज्यपाल

जयपुर, (हि.स.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजस्थान को बड़ा ओद्योगिक हब बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने औद्योगिक और सेवा क्षेत्र के प्रभावी विकास के साथ वहां कार्यरत कार्मिकों के कुशल प्रबंधन और वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर कार्य दशाओं के निर्माण के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया है। मिश्र शनिवार को एक होटल में आयोजित 'द एम्पलायर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान' 58 वें स्थापना दिवस और बेस्ट एम्पलायर अवार्ड 2022 समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने उद्योग और सेवा क्षेत्र के अंतर्गत राजस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में श्रमेव जयते तथा सत्यमेव जयते को समान महत्व देते हुए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने देश के श्रम कल्याण कानूनों की चर्चा करते हुए कहा कि इनका उद्देश्य यही है कि उद्योग या सेवा क्षेत्र में काम करने वाले प्रोत्साहित रहें। वे उत्पादन वृद्धि के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य करें। उन्होंने उद्योगों एवं सेवा क्षेत्र द्वारा सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए भी प्रतिबद्ध रहकर कार्य करने का आह्वान किया। राज्यपाल मिश्र ने पूर्व में 'बेस्ट एम्पलायर्स अवार्ड' के अलावा उत्कृष्ट औद्योगिक उत्पादन, श्रमिक सर्वश्रेष्ठ संबंधों, सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले संगठनों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया।प्रदेश की उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए राज्य में विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार का यह प्रयास है।

उद्यमियों को जरूरी सुविधाओं का दें अधिकारी लाभ : सीडीओ मनीष

नई टिहरी, (हि.स.)। सीडीओ ने ईज आफ डूइंग बिजनेस-ईज आफ लिविंग के तहत जिला उद्योग मित्र एकल खिड़की व्यवस्था की बैठक ली। बैठक में सीडीओ ने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण अधिकारी तत्परता से करते हुए एकल खिड़की का लाभ देने का काम करें। विकास भवन सभागार में हुई सीडीओ मनीष कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उद्यमियों के लिए आवश्यक सम्पूर्ण जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध कराने, उद्यम रजिस्ट्रेशन, एकल खिड़की सुगमता व्यवस्था के प्रस्तावों का ससमय निस्तारण करने के साथ ही उद्यमियों के 143 एवं 154 सम्बन्धी प्रकरणों का शीर्ष निस्तारण किया जाये। समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को एक जनपद दो उत्पाद का प्रचार-प्रसार, डेरी सम्बन्धी क्षेत्र चिह्नित किये जाने, पनीर उत्पाद एवं टिहरी नथ के लिए कार्ययोजना तैयार किये जाने के निर्देश दिए। सीडीओ ने समस्त विभागाध्यक्षों एवं ऑनलाईन माध्यम से जुड़े समस्त उप जिलाधिकारियों से सम्बन्धित प्रकरणों का निस्तारण करने को तत्परता दिखाने को कहा। इस मौके पर महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र महेश प्रकाश द्वारा ईज ऑफ डूईंग बिजनेस-ईज ऑफ लिविंग एवं जिला उद्योग मित्र प्राधिकृत समिति व एकल खिड़की सुगमता व्यवस्था पर संक्षिप्त जानकारी दी गई। उद्योग निदेशालय के ईवाई कंसलटेन्ट ने पीपीटी के माध्यम से विभिन्न विभागों की ऑनलाइन सेवाओं एवं कठिनाइयों के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए जिला स्तरीय अधिकारी से फीडबैक के रूप में सुझाव मांगे। बैठक में डीडीओ सुनील कुमार, सीवीओ आशुतोष जोशी, डीपीआरओ एमएम खान आदि मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

वाराणसी, (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा ने शनिवार पूर्वाह्न में काशीपुराधिपति के दरबार में हाजिरी लगाई। दरबार में परिवार के साथ उन्होंने विधि विधान से पूजा अर्चना वैदिक मंत्रोच्चार के बीच की। इसके पहले उन्होंने शुक्रवार शाम को भी बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई थी। इस दौरान उन्होंने बाबा की सप्त ऋषि आरती देखी। आरती के पश्चात उन्होंने बाबा श्री काशी विश्वनाथ का सपरिवार षोडशोपचार पूजन कर परिवार और देश में सुख शान्ति की कामना की। पूर्व प्रधानमंत्री श्री काशी विश्वनाथ का पूजन अर्चन करने के पश्चात माता विशालाक्षी के दरबार भी गए, जहां उन्होंने मां से आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी निखिलेश कुमार मिश्रा ने पूर्व प्रधानमंत्री सहित परिवार के सभी सदस्यों को अंग वस्त्र, रुद्राक्ष की माला और प्रसाद भेंट किया। इसके पहले पूर्व प्रधानमंत्री दशाश्वमेधघाट पर शुक्रवार शाम गंगा आरती में भी शामिल हुए। पूर्व प्रधानमंत्री ने सपरिवार दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती देखी। वह व्हीलचेयर से घाट पर आए थे। यहां सवा दो घंटे तक बैठकर उन्होंने भक्तिभाव से गंगा आरती देखी। गंगा आरती देखने के बाद उन्होंने गंगा सेवा निधि के विजिटर बुक में अपनी अनुभूति लिखी। उन्होंने लिखा कि आरती में शामिल होकर मेरी काशी यात्रा सार्थक हो गई है। काशी हमारे लिए तीर्थ पुण्य है। बाबा विश्वनाथ और मां गंगा सबका कल्याण करें।

आजादी का अमृत महोत्सव आजादी दिलाने वाले वीरों की गाथा: प्रो. रीता जोशी

-सांसद रीता जोशी ने आजादी का अमृत महोत्सव जागरूकता रथ किया रवाना

प्रयागराज, (हि.स.)। प्रयागराज की सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने शनिवार को आजादी का अमृत महोत्सव के प्रचार जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव देश को आजादी दिलाने वाले वीरों की गाथा है। इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम से सबको जानकारी मिलती है। उल्लेखनीय है कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केन्द्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव पर सभी को जागरूक करने के उद्देश्य से 25 व 26 दिसम्बर को रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंण्टर कॉलेज, राजापुर, में दो दिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। ब्यूरो के उप निदेशक आरिफ हुसैन रिजवी ने बताया कि इस जनजागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आजादी का अमृत महोत्सव पर आधारित चित्र प्रदर्शनी, संगोष्ठी, समूह चर्चा, व्याख्यान, प्रतियोगिताएं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि का आयोजन किया जाना है। साथ ही प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र भी प्रदान किये जाएंगे। वरिष्ठ सहायक राममूरत विश्वकर्मा ने बताया कि चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में रोचक ढंग से जानकारी दी जाएगी। जिसमें प्रमुख रूप से असहयोग आंदोलन, खिलाफत आंदोलन, सविनय अवज्ञा, भारत छोड़ो आंदोलन आदि के चित्रों को प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। इस अवसर पर कालेज के संगीताचार्य मनोज गुप्ता, पूर्व उप नगर प्रमुख मुरारी लाल अग्रवाल, पूर्व सभासद विजय पुर्सवानी, विजय बहादुर सिंह, ओम प्रकाश, हरी लाल, शंकर लाल श्रीवास्तव आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह आज को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल का करेंगे लोकार्पण

- क्षेत्र पंचायत की विकास योजनाओं का काटेंगे फीता

सुलतानपुर, (हि.स.)। उप्र सरकार में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह र-विवार को जिले के बल्दीराय ब्लॉक पर पहुंचेंगे। वे यहां ब्लॉक पर बने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल का लोकार्पण व क्षेत्र पंचायत की कई एक विकास योजनाओं का फीता काटकर शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद मेनका गांधी होगी। कार्यक्रम को लेकर प्रमुख शिव कुमार सिंह ने बताया कि केंद्रीय 15वां वित्त आयोग एवं राज्य व पंचम वित्त आयोग से कराये गये 100 से अधिक कार्यों के शिलान्यास व लोकार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। 25 दिसम्बर रविवार को होने वाले इस कार्यक्रम में सांसद मेनका गांधी के अलावा, भाजपा एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह और जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा सिंह भी शामिल होगीं। सिंह ने बताया कि 15वें वित्त आयोग अनटाईड से 19 कार्य योजनाओं, 15वें वित्त आयोग टाईड से 23 योजनाओं को अमली जामा पहनाया जायेगा। इस-के अलावा राज्य वित्त आयोग से 19 कार्य योजना का उद्घाटन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त 15वीं वित्त आयोग अनटाईड से 26 योजनाओं व 15वीं वित्त आयोग टाईड से एक और राज्य वित्त आयोग से 12 योजनाओं को धरातल पर लाया जायेगा।

एसटीएफ बनकर दुकानदार को अगवा करने वाले दो सिपाही निलंबित, होगी बर्खास्तगी

कानपुर, (हि.स.)। गोविन्द नगर में वसूली के चक्कर में दो सिपाहियों ने सहयोगियों के साथ एसटीएफ बनकर दुकानदार को कार में बैठ-ाकर अगवा कर लिया। सिपाहियों ने मादक पदार्थ बेचने का आरोप लगाकर 50 हजार की वसूली भी मांगी। मामला पुलिस तक पहुंचने पर दुकानदार को रास्ते में छोड़कर भाग निकले। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के जरिये कार को ट्रैस किया और चालक को हिरासत में लिया तो पूरा मामला सामने आ गया। इस-ाके बाद पुलिस ने दोनों सिपाहियों को भी हिरासत में ले लिया। एड-ीसीपी दक्षिण अंकिता शर्मा ने शनिवार को बताया कि दोनों सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है और आगे बर्खास्तगी की भी कार्रवाई होगी। बताया कि, गो-विंदनगर के जेपी कालोनी निवासी रघुवीर चंद्र कपूर घर के बाहर ही परचून व पान मसाले की दुकान चलाते हैं। उनके भतीजे पंकज ने बताया कि शुक्रवार की रात करीब नौ बजे चाचा दुकान में थे। इसी दौरान एक कार आकर रुकी, जिसमें चालक समेत चार लोग सवार थे। कार से दो लोग नीचे उतरे और उनमें एक पुलिस की वर्दी में था। कार सवारों ने चाचा पर भांग बेचने का आरोप लगाते हुए उन्हें कार में जबरन बैठा लिया। उसने विरोध किया तो वह लोग खुद को एसटीएफ बताते हुए धक्का देते हुए निकल गए। कुछ देर बाद पूर्व पड़ोसी मोनू बाक्सर का फोन आया और उसने बताया कि तुम्हारे चाचा को स्पेशल टास्क फोर्स (एसट-ीएफ) उठा ले गई है और उनसे मेरे संपर्क हैं। 50 हजार रुपये की व्यवस्था करो मैं छुड़वा दूंगा। इस पर पुलिस को सूचना दी गई और उनके बताये स्थान बर्रा दो पानी की टंकी के पास पहुंचा गया तो पुलिस को देखकर चाचा को छोड़कर वह लोग भाग निकले। उन्होंने बताया कि मामले में पुलिस फौरन हरकत में आई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के जरिये पहले कार को ट्रैस करके चालक को हिरासत में लिया। उसने पूरा वाक्या बता दिया तो आरोपित सिपाही मुकेश वास्तव और अमित को भी हिरासत में ले लिया गया। मुकेश मौजूदा समय में फीलखाना थाने में तैनात है, जबकि अमित कोतवाली थाने में।

कोरोना को लेकर सर्तकता, गोदौलिया इलाके में सैनेटाइजर का छिड़काव

- बाबतपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों की थर्मल स्कैनिंग शुरू,नगर निगम मुख्यालय में भी कोविड हेल्प डेस्क

वाराणसी, (हि.स.)। चीन समेत कई देशों में बढ़ते कोविड मरीजों को देखते हुये वाराणसी जिला प्रशासन भी सतर्क हो गया है। जिले में कोरोना के नये वायरल को लेकर जागरूकता के साथ मास्क और सैनेटाइजेशन का कार्य शुरू कर दिया गया है। शहर के भीड़भाड़ वाले जगहों पर शनिवार को लोगों को कोरोना से बचाव के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम (लाउड स्पीकर) और नगर निगम की कूड़ा गाड़ियों पर लगे लाउडस्पीकर से मास्क लगाने, स-ार्वजनिक स्थानों पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने, भीड़ का हिस्सा न बनने, अनावश्यक रूप से किसी वस्तु को छूने से बचने और अपने हाथों को सेनेटाइज करने की अपील हो रही है। गोदौलिया चौराहे के आसपास और बाबा दरबार की ओर जाने वाले मार्ग पर सैनेटाइजर का छिड़काव फायर ब्रिगेड के जवानों ने किया। उधर, कोविड के मद्देनजर केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए कई विभागों में कोविड हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। बाबतपुर एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की थर्मल स्कैनिंग हो रही है। चीन, यूएसए, जापान, यूएई से आने वाले यात्रियों का एंटीजन टेस्ट भी एयरपोर्ट पर किया जा रहा है। सिगरा स्थित नगर निगम मुख्यालय में भी कोविड हेल्प डेस्क पर थर्मल स्कैनिंग शुरू हो गई है।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मिले कांग्रेस नेता अजय राय

वाराणसी, (हि.स.)। प्रयागराज से प्रादेशिक भारत जोड़ो यात्रा निकालने के बाद कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात कर उनसे आर्शिवाद लिया। केदारघाट स्थित विद्यामठ में कांग्रेस के नेता ने शंकराचार्य से देश के हालात पर भी चर्चा की। उल्लेखनीय है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को अन्याय प्रतिकार यात्रा मामले में जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने शुक्रवार को नियमित जमानत अर्जी सशर्त मंजूर कर ली। कोर्ट ने बंधपत्र की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें रिहा कर दिया। इस मामले में कांग्रेस नेता अजय राय भी आरोपित हैं। मुलाकात के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल व महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, विकास दुबे, ओम प्रकाश ओझा, अमित पाठक, नवीन पटवानी आदि भी मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

वाराणसी, (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा ने शनिवार पूर्वाह्न में काशीपुराधिपति के दरबार में हाजिरी लगाई। दरबार में परिवार के साथ उन्होंने विधि विधान से पूजा अर्चना वैदिक मंत्रोच्चार के बीच की। इसके पहले उन्होंने शुक्रवार शाम को भी बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई थी इस दौरान उन्होंने बाबा की सप्त ऋषि आरती देखी। आरती के पश्चात उन्होंने बाबा श्री काशी विश्वनाथ का सपरिवार षोडशोपचार पूजन कर परिवार और देश में सुख शान्ति की कामना की। पूर्व प्रधानमंत्री काशी विश्वनाथ का पूजन अर्चन करने के पश्चात माता विशालाक्षी के दरबार भी गए, जहां उन्होंने मां से आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी निखिलेश कुमार मिश्रा ने पूर्व प्रधानमंत्री सहित परिवार के सभी सदस्यों को अंग वस्त्र, रुद्राक्ष की माला और प्रसाद भेंट किया। इसके पहले पूर्व प्रधानमंत्री दशाश्वमेधघाट पर शुक्रवार शाम गंगा आरती में भी शामिल हुए। पूर्व प्रधानमंत्री ने सपरिवार दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती देखी। वह व्हीलचेयर से घाट पर आए थे। यहां सवा दो घंटे तक बैठकर उन्होंने भक्तिभाव से गंगा आरती देखी। गंगा आरती देखने के बाद उन्होंने गंगा सेवा निधि के विजिटर बुक में अपनी अनुभूति लिखी। उन्होंने लिखा कि आरती में शामिल होकर मेरी काशी यात्रा सार्थक हो गई है। काशी हमारे लिए तीर्थ पुण्य है। बाबा विश्वनाथ और मां गंगा सबका कल्याण करें।

जिलाधिकारी ने उचित दर दुकानों का औचक निरीक्षण किया, देखा कार्य

वाराणसी, (हि.स.)। जनपद में संचालित उचित दर दुकानों की अनियमितता की शिकायत पर शनिवार को जमीनी स्तर पर वास्तविकता का पता लगाने के लिए जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने एक दुकान का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने शहरी क्षेत्र के कलेक्ट्रेट प्रखण्ड के शिवपुर की काशीनाथ शिवपुर सह क्रय-विक्रय समिति का कार्य देखा। निरीक्षण के दौरान दुकान खुली पायी गयी। विक्रेता वितरण कार्य में लगा हुआ था। उचित दर दुकान पर आवश्यक सूचनाएं प्रदर्शित थी। जिलाधिकारी ने दुकान पर कार्ड, दुकान का आवंटन एवं अब तक वितरण की जानकारी ली। विक्रेता ने बताया कि उसने 88 प्रतिशत कार्डधारकों में अन्न वितरण कर दिया है। उचित दर दुकान पर रखें गये 05 किग्राङ्क के छोटू गैस सिलेण्डर के वितरण व मूल्य के बारे में भी जानकारी जिलाधिकारी ने ली। जिलाधिकारी ने अपने समक्ष बेबी गुप्ता (राशनकार्ड सं0-119740043639 यूनिटङ्क3) को ई०-पॉस मशीन से ट्रांजेक्शन कराकर 15 किग्रा० खाद्यान्न (चावल) दिलवाया। जिलाधिका-री ने विक्रेता एवं उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वितरित होने वाले खाद्यान्न को मानक के अनुरूप पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से वितरण कार्य कराया जाए। निर-ीक्षण के समय जिला पूर्ति अधिकारी उमेश मिश्रा व पूर्ति निर-ीक्षक कलेक्ट्रेट प्रखण्ड भी उपस्थित रहे।

जम्मू कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा पहुंचे वाराणसी, जायेंगे हथियाराम मठ

वाराणसी, (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर (एलजी) मनोज सिन्हा शनिवार को वाराणसी पहुंचे। दो दिवसीय दौरे पर आये उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अन्तर राष्ट्रीय ह-वाईअड्डे पर भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। एयरपोर्ट से उपराज्यपाल सीधे बरेका गेस्टहाउस पहुंचे। जहां कुछ देर विश्राम के बाद वे शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रवाना हो गये। कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मनोज सिन्हा शाम को गाजीपुर स्थित सिकंदरपुर में अपने आवास पर पहुंचेंगे और रात्रि विश्राम करेंगे। फिर 25 दिसम्बर को सुबह पौने दस बजे मां दुलेश्वरी नेत्रालय बक्सुपुर (गंगा पुल मार्ग) का उद्घाटन करेंगे। उसके बाद सबरी पीजी कॉलेज सिखड़ी पहुंचेंगे। इसके बाद दोपहर 12.10 बजे पं. मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज सिखड़ी पहुंचेंगे और वार्षिक समा-रोह में भाग लेंगे। उसके बाद दो बजे हथियाराम मठ पहुंचेंगे और तीन बजे बाबतपुर एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे। बाबतपुर एयरपोर्ट से एलजी विमान से जम्मू-कश्मीर लौट जाएंगे।

विद्या भारती के रचनात्मक कार्यों को जन जन तक पहुंचाना, प्रचार विभाग की नैतिक जिम्मेवारी : रामलाल

मुजफ्फरपुर, (हि.स.)। लोक शिक्षा समिति बिहार के तत्वावधान में दो दिवसीय प्रांतीय प्रचार - प्रसार कार्यशाला शनिवार को मुजफ्फरपुर के सदातपुर , केशव नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ लोक शिक्षा समिति बिहार के प्रदेश सह सचिव रामलाल सिंह, उत्तर बिहार प्रांत के प्रचार विभाग के मार्गदर्शक ललित कुमार राय, प्रान्त प्रचार प्रमुख नवीन सिंह परमार, सरस्वती विद्या मंदिर सदातपुर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव अभय गुप्ता, विद्यालय के प्रधानाचार्य विश्व बिहारी श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। मौके पर प्रस्तावना उद्बोधन में प्रचार विभाग के मार्गदर्शक ललित कुमार राय ने बताया विद्या भारती की गतिविधियों को जन जन तक पहुचाने में प्रचार विभाग के कार्यकताओं की अहम भूमिका है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक शिक्षा समिति बिहार के प्रदेश सह सचिव रामलाल सिंह ने कहा व्यक्ति निर्माण में प्रचार विभाग की अहम भूमिका है। समाज के बीच विद्या भारती के द्वारा संचालित किए जा रहे रचनात्मक कार्यों को प्रचार विभाग के माध्यम से जन जन तक पहुंचाना हम सभी कार्यकताओं की नैतिक जिम्मेवारी है। अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्या भारती उत्तर बिहार के प्रांत प्रचार प्रमुख नवीन सिंह परमार ने कहा भारत मे वैचारिक युद्ध चल रहा है इस वैचारिक युद्ध को जीतने के लिए अपने प्रचार तंत्र को मजबूत करना होगा।धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव अभय गुप्ता ने किया।

रबी की फसलों के लिए ठंड व कोहरा फायदेमंद

वैज्ञानिकों की सलाह, खेती की नमी को बनाये रखें किसान

लखनऊ, (हि.स.)। एक सप्ताह से बढ़ी ठंड और कोहरे ने जहां लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। वहीं किसानों के लिए फायदेमंद है। इससे रबी की फसलों में चमक आ गयी है। कृषि वैज्ञानिकों की मानें तो खेती के लिए इस तरह के ठंड का इंतजार दिसम्बर के पहले सप्ताह से ही शुरू हो जाता है, लेकिन इस वर्ष ठंड कुछ बाद में आया। इससे हरी मटर की अगेती फसल पर असर पड़ा है। वर्तमान में जो ठंड पड़ रहा है, उससे रबी की फसलों को फायदा पहुंचेगा। इस संबंध में उद्यान विभाग के उपनिदेशक अनीस श्रीवास्तव का कहना है कि रबी की फसल विशेषकर सब्जियों के लिए कड़-ाके की ठंड की बहुत जरूरत होती है। शुरू में ठंड न होने से मटर, टमाटर, हरी मिर्च सहित तमाम फसलों पर इसका असर दिखने लगा था। यदि ठंड और कुछ दिन नहीं पड़ता तो परेशानी बढ़ जाती। वहीं कोहरा भी फायदेमंद होते हैं। बशर्ते यदि दिनभर कोहरा रहे तो परेशानी बढ़ जाती है। पूरे दिन में एक-दो घंटे के लिए धूप होना चाहिए। सब्जी अनुसंधान केन्द्र के विशेषज्ञ डा. राजेश राय ने बताया कि दिसम्बर के पहले सप्ताह में फरवरी के अंतिम सप्ताह की तरह मौसम होने लगा था। इससे हरी मिर्च व अन्य सब्जियां रोगग्रस्त हो गयी थीं। अब ठंड पड़ने से पुनः सब्जियां सही हो गयी हैं। इससे उत्पादन बढ़ जाएगा। उन्होंने बताया कि इस समय यदि हल्की बारिश हो जाय तो फसलों के लिए और अच्छा रहेगा। कृषि वैज्ञानिक डा. मुनीष का कहना है कि प्रकृति जब अपने मौसम के अनुसार अनुकुल रहती है तभी फसलों में भी रौनक आती है। पहले ठंड कम होने से रबी की फसलों पर प्रतिकुल असर पड़ रहा था लेकिन अब मौसम ठीक हो रहा है। फसलों में भी रौनक आ गयी है। किसानों को इस समय खेत की नमी पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

मंत्री लेसी सिंह की उपस्थिति में शराब माफिया गठजोड़ के खिलाफ रैली निकाली

सहरसा,(हि.स.)। जनता दल यूनाइटेड के बैनर तले विभिन्न संगठनों के महिला समूहों ने बिहार में शराब बंदी कानून को विफल करने की साजिश रचने वाले शराब माफियाओं के गठजोड़ के खिलाफ शनिवार को प्रतिरोध मार्च निकाली। प्रतिरोध मार्च में बिहार सरकार की खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की मंत्री श्रीमती लेसी सिंह शामिल थी। अंबेडकर चौक से निकाली गई प्रतिरोध मार्च वीरकुंवर सिंह चौक डीबी रोड होते हुए शंकर चौक पर समाप्त की गई। प्रतिरोध मार्च के आरंभ स्थल पर नुक्कड़ सभा को सम्बोधित कर मंत्री लेसी सिंह ने कहा बिहार में शराबबंदी कानून 2016 से ही लागू है जिस-ाका व्यापक फायदा समाज को हुआ है।महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा कम हुई,सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई लोगों के स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभावों से कई तरह के बीमारियों में कमी आयी।सबसे महत्वपूर्ण बात है कि आज जो स्कूल, कालेज से लेकर पुलिस और पंचायतों में महिलाओं को पुरुषों के साथ खड़ा देख पा रहे हैं। उसमे शराबबंदी का महत्वपूर्ण रोल है।लेकिन जिस प्रकार से शराब माफियाओं के गठजोड़ द्वारा शराबबंदी कानून का मखौल उड़ाया जा रहा है वो वाकयी में मातृ शक्ति उत्थान के लिए नीतीश कुमार द्वारा किए जा रहे कार्यों को रोकने का साजिश है। उन्होंने कहा कि सत्ता छीन जाने से बौखलाई भाजपा के लोग शराबबंदी के सकारात्मक प्रभाव के आंकड़ों को सुनने को तैयार नहीं है और शराब माफियाओं के गठजोड़ का सहयोगी बन बिहार सरकार को बदनाम करने में लगी है ।ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराब बंदी से प्रभावित गरीब तबके के लिए 2018 से ही 840 करोड़ की सतत जीविकोपार्जन योजना बनाई और उसमे एक लाख रुपए प्रभावित प-रिवारों को अनुदान देने का प्रावधान किया गया और जिसका लाभ लोगों को मिल भी रहा है। जो शराब माफिया गठ जोड़ को चैन नहीं आने दे रही है। इसलिए एक महिला एक बेटी होने के नाते आज बिहार ही नहीं देश के सभी महिलाओं और सामाजिक बदलाव के समर्थकों से अपील करना चाहती हूं कि शराबबंदी से हुई सामाजिक बदलाव के कदम मे मुख्यमंत्री का साथ दीजिए,उनके हाथों को मजबूत कीजिए तथा सामाजिक बदलाव के दुश्मनों को परास्त कीजिए। इस प्रतिरोध मार्च में नगर सभापति रेणु सिन्हा के साथ कई जिला परिषद सदस्या, पंचायतों की महिला मुखिया एवं अन्य जन प्रतिनिधियों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया। इस अवसर पर नगर परिषद की सभापति रेणु सिन्हा ने कहा कि शराबबंदी कानून एक ऐतिहासिक कदम है जो लागू रहनी चाहिए। इस्लाम में भी शराब पीना हराम है। जिला अध्यक्ष चंद्रदेव मुखिया ने कार्यक्रम और नुक्कड़ सभा की अध्यक्षता कर कहा कि बिहार में पहली बार जन नायक कपूर्री ठाकुर ने शराबबंदी कानून लागू किया था। उस समय भी सामाजिक बदलाव के विरोधियों ने कपूर्री ठाकुर के विरुद्ध साजिश करके उन्हें सत्ता से बाहर किया था।

मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त सामाजिक कार्यकर्ता डॉ संदीप पाण्डेय हिरासत में

वाराणसी, (हि.स.)। किसान यात्रा में भाग लेने आ रहे सामाजिक कार्यकर्ता मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त डॉ संदीप पांडेय को पुलिस ने डॉ संदीप और उनके साथ आये कार्यकताओं को पुलिस लाइन गेस्ट हाउस में ले गई। सूचना पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी भी पुलिस लाइन पहुंच गये। डॉ संदीप और अन्य सामाजिक कार्यकताओं को कचहरी स्थित अम्बेडकर पार्क से किसान यात्रा लेकर आजमगढ़ जिले के लिए प्रस्थान करना था। यह पदयात्रा आजमगढ़ में प्रस्तावित हवाई अड्डे के विरोध में जारी किसानों के प्रदर्शन के समर्थन में निकलनी थी। पुलिस प्रशासन ने नगर में धारा 144 लागू होने और कोरोना प्रोटोकाल का हवाला देकर यात्रा को रोक लिया।

संपादकीय

कोरोना महामारी पर गंभीर नहीं है कांग्रेस

कोरोना महामारी को देखते हुए ओर केंद्र सरकार सक्रिय होकर अपनी जिम्मेदारी का संदेश दे रही है, वहीं कांग्रेस की ओर से गैर-जिम्मेदार व्यवहार का प्रदर्शन किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने चीन समेत कुछ देशों में कोरोना वायरस के मामलों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर उनसे अपील की है कि यदि यात्रा के दौरान कोविड नियमों का पालन नहीं किया जा सकता, तो वह 'भारत जोड़ो यात्रा' को निलंबित करने पर विचार करें। कोरोना महामारी के खतरे को ध्यान में रखकर दिए गए इस सुझाव पर जिस तरह की प्रतिक्रिया कांग्रेस और उसके नेताओं की ओर से आई है, वैसी प्रतिक्रिया की अपेक्षा एक राष्ट्रीय पार्टी से कतई नहीं रहती है। कांग्रेस का यह प्रश्न ठीक है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मांडविया ने ऐसा कोई पत्र भाजपा के नेताओं एवं मुख्यमंत्रियों को लिखा है क्या? क्योंकि राजस्थान में भाजपा भी जनाक्रोश रैली निकालने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस स्वास्थ्य मंत्री के पत्र को भारत जोड़ो यात्रा को रोकने की साजिश के तौर पर देख रही है। जबकि हकीकत सबके सामने है कि कैसे चीन में कोरोना महामारी से एक बार फिर हालात अनियंत्रित हो चुके हैं। यदि भारत जोड़ो यात्रा से कोई दिक्कत होती, तब इस तरह के प्रयास वह पहले ही कर चुकी होती। अब तो यात्रा अपने अंतिम पड़ाव की ओर है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान से गुजर चुकी है। जब इतने दिन तक यात्रा को बाधित करने के कोई प्रयास नहीं हुए, तब कांग्रेस के इस तरह के आरोप बेबुनियाद ही समझे जाएंगे। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कांग्रेस के आरोपों पर स्पष्टीकरण भी दिया है, जिसमें उन्होंने पत्र लिखने की वजह भी बताई है। उनका यह कहना तार्किक है कि इस पत्र का आधार सिर्फ सांसदों की चिंता ही नहीं है, बल्कि राजस्थान में कोरोना के बढ़ते मामले भी हैं। इसके साथ ही भारत जोड़ो यात्रा में भी कई लोग कोविड संक्रमित पाये गये हैं। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू यात्रा में शामिल होने के बाद ही कोरोना संक्रमित हुए थे। इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही देशहित में कांग्रेस से आग्रह किया है। बहरहाल, कांग्रेस यह आग्रह माने या नहीं माने, यह उसकी समझ है। लेकिन कांग्रेस के नेताओं को इतनी गंभीरता तो दिखानी चाहिए थी कि वे कोविड को 'बहानेबाजी' के तौर पर रेखांकित नहीं करते। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं यात्रा के चेहरे राहुल गांधी ने स्वयं ही कोविड के खतरों की परवाह न करते हुए सरकार की सलाह को यात्रा रोकने की बहानेबाजी बता दिया। कांग्रेस चाहती तो पत्र का सकारात्मक उत्तर दे सकती थी। वह केंद्र सरकार को कह सकती थी कि यात्रा में यथासंभव दिशा-निर्देशों का पालन कराया जाएगा। राहुल गांधी यह भी कह सकते थे कि देश की जनता को सजग हो जाना चाहिए। लोग भीड़ में आते समय मास्क पहनकर आएं। जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में मास्क पहनकर समूचे देश को एक संदेश दिया। जब देशभर से कांग्रेस की प्रतिक्रिया की आलोचना होने लगी तब जाकर यात्रा के संयोजक एवं प्रवक्ता जयराम रमेश को घोषणा करनी पड़ी कि भारत जोड़ो यात्रा में अब से सभी यात्री मास्क पहनकर शामिल होंगे। सोचिए, अगर यही बात उन्होंने पहले कह दी होती तो स्वयं की लकीर भी बड़ी करते और जनता के बीच भी सकारात्मक संदेश जाता। लेकिन, विरोध की राजनीति इतनी अधिक हावी हो चुकी है कि अच्छे सुझाव भी पहली फुरसत में खारिज कर दिए जाते हैं। बहरहाल, कांग्रेस के निर्णय पर यही कहना उचित होगा कि देर आयद दुरुस्त आयद।

> केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने चीन समेत कुछ देशों में कोरोना वायरस के मामलों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर उनसे अपील की है कि यदि यात्रा के दौरान कोविड नियमों का पालन नहीं किया जा सकता, तो वह 'भारत जोड़ो यात्रा' को निलंबित करने पर विचार करें। कोरोना महामारी के खतरे को ध्यान में रखकर दिए गए इस सुझाव पर जिस तरह की प्रतिक्रिया कांग्रेस और उसके नेताओं की ओर से आई है, वैसी प्रतिक्रिया की अपेक्षा एक राष्ट्रीय पार्टी से कतई नहीं रहती है।

कुछ अलग

नए साल की नसीहत

यदि आप नए साल की छुट्टियों का लुत्फ उठाने विदेश जाने की तैयारी में हैं या सर्दी के मौसम में पहाड़ पर हिमपात का आनंद लेने जा रहे हैं अथवा पार्टियों के आयोजन तय कर लिए हैं, तो तुरंत उन्हें रद्द कर दें। हम आपको बेवजह भयभीत नहीं करना चाहते, लेकिन कोरोना वायरस के संभावित प्रसार के मद्देनजर हम आपको नसीहत दे रहे हैं। यदि कुछ आर्थिक नुकसान भी हो रहा है, तो वह व्यापक हित में नगण्य है। फिलहाल हालात ऐसे नहीं हैं कि ऐसे कार्यक्रम खारिज कर देने से होटलों और आतिथ्य उद्योग की अर्थव्यवस्था गोता खा जाएगी, लेकिन तूफान से पहले ही बंदोबस्त किए जाने हितकारी होते हैं। बेशक भारत अब भी अपेक्षाकृत सुरक्षित है और किसी नई लहर की न तो आशंका है और न ही संभावना है। कुछ ही दिनों में यह भी तय हो जाएगा कि कोरोना की नई नस्लें कितनी संक्रामक अथवा मारक हैं। चूंकि भारत सरकार ने शुरुआती परामर्श दिए हैं कि भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें, सामाजिक दूरी बनाकर रखें, कोरोना लक्षण महसूस हों तो टेस्ट कराएं और अनावश्यक यात्राओं से परहेज करें, लिहाजा उनका पालन करना भी देशहित है। प्रधानमंत्री मोदी समेत सांसदों ने अभी से मास्क धारण करना शुरू कर दिया है। राहुल गांधी समेत कांग्रेसियों के देशहित परिभाषित नहीं हैं। दिल्ली एम्स और राम मनोहर लोहिया सरीखे केंद्रीय अस्पतालों में मास्क अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि दिशा-निर्देशों में फिलहाल यह अनिवार्यता नहीं है। मास्क पहन कर और परहेज कर हमने कोरोना महामारी की दो भयावह और घातक लहरों को पराजित किया था। दरअसल दुनिया में 5.87 लाख संक्रमित मामले औसतन दर्ज किए गए हैं। एक ही दिन में 1400 से ज्यादा मौतें भी हुई हैं। यह आंकड़ा भी सीमित करके पेश किया गया हो सकता है। अलबत्ता चीन में ही मौतों की संख्या बेहद डरावनी लगती है। अमरीका, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, यूनान, इटली, ब्राजील आदि देशों में कोरोना संक्रमण के लाखों मामले लगातार सामने आ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन से संक्रमण के असली आंकड़े मांगे हैं। महामारी के दौर में ऐसा डाटा छिपाना चिंताजनक और मानवता-विरोधी है। चीन से लोग भागकर लाओस, वियतनाम, म्यांमार आदि देशों को जा रहे हैं। भारत-चीन में भी काफी आवाजाही है। फिलहाल भारत सरकार ने न तो अपनी वायु-सीमाएं बंद की हैं और न ही हवाई यात्राओं पर आंशिक पाबंदी थोपी है, लिहाजा वायरस कहां से कहां संक्रमित करने लगे, यह कुछ भी तय नहीं है। यदि हम छुट्टियां मनाने विदेश जाते हैं और वहां संक्रमण की चपेट में आ जाते हैं, तो लौट कर हम अपने परिजनों और अन्य लोगों को संक्रमित कर सकते हैं। ओमिक्रॉन के वेरिएंट बीएफ.7 के संक्रमण का प्रसार इतना अधिक है कि एक संक्रमित व्यक्ति औसतन 18.6 व्यक्तियों को संक्रमित कर सकता है। हालांकि भारत के संदर्भ में ओमिक्रॉन की मारक क्षमता लगभग बेअसर रही है, लेकिन हमें यह भूलना नहीं चाहिए कि देश में संक्रमण के करीब 4.50 करोड़ मामले दर्ज किए जा चुके हैं। मौतों का आंकड़ा भी 5.31 लाख से अधिक है, लेकिन करीब 4.50 करोड़ लोग स्वस्थ भी हुए हैं। हम आपको इन पुराने आंकड़ों से भयभीत नहीं कर रहे, लेकिन विशेषज्ञों के आकलन हैं कि आगामी 90 दिनों में चीन में संक्रमण के 130 नए वेरिएंट मौजूद हो सकते हैं। नतीजतन संक्रमण और उसके प्रभावों का अंदाजा लगाया जा सकता है। चीन का एक और यथार्थ यह भी बताया जा रहा है कि टीकों की 346 करोड़ खुराकें देने के बावजूद लोगों के शरीर में अपेक्षित इम्युनिटी नहीं है, जबकि भारत में 220 करोड़ से ज्यादा खुराकें दी गई हैं और करीब 98 फीसदी लोगों में पर्याप्त इम्युनिटी है। इसकी एक वजह यह भी है कि हमारी काफी आबादी ने संक्रमण झेला है, लिहाजा उनमें प्रतिरोधक क्षमता पर्याप्त है।

> प्रधानमंत्री मोदी समेत सांसदों ने अभी से मास्क धारण करना शुरू कर दिया है। राहुल गांधी समेत कांग्रेसियों के देशहित परिभाषति नहीं हैं। दिल्ली एम्स और राम मनोहर लोहिया सरीखे केंद्रीय अस्पतालों में मास्क अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि दिशा-निर्देशों में फिलहाल यह अनिवार्यता नहीं है।

देशों में कोरोना के बढ़ते मामले चिंता में डालने लगे हैं, क्योंकि कोरोना की पूर्व लहरों में भारी जन-तबाही हुई

कोरोना से लड़ाई में एक गलती भी पड़ सकती है भारी, सावधान रहकर ही वायरस को हराया जा सकता है

ललित गर्ग

> सार्वजनिक भीड़ को कम करना होगा, सभाओं, त्यौहारों, राजनीतिक आयोजनों पर नियंत्रण करना होगा, स्कूलों को भी सावधान एवं चौकन्ना रहना होना होगा। सब जानते हैं कि इस विषाणु और उसके संक्रमण से उपजी बीमारी की शुरुआत चीन से हुई थी और उसके बाद दुनिया का अनुभव बेहद त्रासद, डरावना एवं विस्फोटक रहा। यही वजह है कि अब एक बार फिर चीन में जब कोरोना संक्रमण से हालात बिगड़ने की खबरें आ रही हैं तब दुनिया के अनेक देशों के साथ-साथ भारत में भी चिंता की लहर दौड़ गई है। खबरों के मुताबिक चीन में स्थिति नियंत्रण से बाहर जा रही है और संक्रमितों के इलाज के लिए अस्पतालों में जगह नहीं मिल पा रही है।

चीन जापान, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, अमेरिका सहित कई देशों में कोरोना के नये वेरिएंट के मामलों और उससे हुई मौतों के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। भारत में भी चीन में तबाही लाने वाले एवं भयंकर तबाही की आहट देने वाले बेरिएंट बीएफ.7 के 4 नये मामले मिले हैं, जो गहरी चिन्ता बढ़ा रहे हैं। सरकार सर्तक हो गयी है, आम जनता को भी सावधान रहना होगा। मास्क पहनने एवं बूस्टर डोज लगवाने के अभियान को गति देनी होगी। सार्वजनिक भीड़ को कम करना होगा, सभाओं, त्यौहारों, राजनीतिक आयोजनों पर नियंत्रण करना होगा, स्कूलों को भी सावधान एवं चौकन्ना रहना होना होगा। सब जानते हैं कि इस विषाणु और उसके संक्रमण से उपजी बीमारी की शुरुआत चीन से हुई थी और उसके बाद दुनिया का अनुभव बेहद त्रासद, डरावना एवं विस्फोटक रहा। यही वजह है कि अब एक बार फिर चीन में जब कोरोना संक्रमण से हालात बिगड़ने की खबरें आ रही हैं तब दुनिया के अनेक देशों के साथ-साथ भारत में भी चिंता की लहर दौड़ गई है। खबरों के मुताबिक चीन में स्थिति नियंत्रण से बाहर जा रही है और संक्रमितों के इलाज के लिए अस्पतालों में जगह नहीं मिल पा रही है। कोरोना की नयी लहर लाने वाले वाले वेरिएंट बीएफ.7 से जुड़ी खबरें एक बार फिर बड़े महासंकट का इशारा कर रही हैं। चीन एवं दुनिया के अन्य देशों में कोरोना के बढ़ते मामले चिंता में डालने लगे हैं, क्योंकि कोरोना की पूर्व लहरों में भारी जन-तबाही हुई है। अब इस नयी लहर को लेकर जैसे भयावह दृश्य चीन में बने हैं, वे भय, डर एवं आशंका का माहौल बना रहे हैं, भारत के लिये सुरक्षित जीवन के लिये बूस्टर डोज एक जरूरी एवं उपयोगी कदम है। पिछले लम्बे समय से कोरोना महामारी को लेकर राहत का माहौल हमने देखा था, उससे यह लगने लगा था कि अब शायद दुनिया पहले की तरह सामान्य स्थिति की ओर लौट रही है। लेकिन अब फिर चीन से जैसी खबरें आ रही हैं, वह एक तरह से सतर्क रहने की चेतावनी दे रही हैं, ताकि समय रहते कोरोना के फैलाव को रोका जा सके। भारत ने पूर्व में कोरोना महामारी को परास्त करने में जो उपक्रम किये, वैसे ही उपक्रम किये जाने की जरूरत है। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत सरकार अगर सतर्क हुई है तो यह उसकी जनता के प्रति जागरूकता को दर्शाता है, जो

आवश्यक भी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को एक बैठक करके हालात की समीक्षा की। उसके बाद नीति आयोग की तरफ से लोगों को भीड़भाड़ वाली जगह में मास्क लगाने की सलाह दी गई। एयरपोर्ट पर विदेशी यात्रियों की रैंडम सैंपलिंग भी शुरू कर दी गई है। इससे पहले सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया कि कोरोना के हर पॉजिटिव सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा जाए। इससे इस बात पर नजर बनी रहेगी कि देश में इस वायरस का कोई नया वेरिएंट तो नहीं आ गया। ये सावधानियां किसी भयंकर विनाश से भारत की जनता को बचाने एवं सुरक्षित करने के लिये जरूरी हैं। भारत में अभी बेवजह की चिन्ता एवं घबराने की कोई जरूरत नहीं है। एक तो यहां नए केसों की संख्या सबसे निचले स्तर पर है। दूसरे, देश में आबादी के बड़े हिस्से को टीका लग चुका है। साथ ही, यहां नैचरल इम्युनिटी भी विकसित हो चुकी है। दरअसल, भारत में कोरोना से बचाव के लिए जिस तरह व्यापक स्तर पर टीकाकरण कार्यक्रम चलाया गया और लोगों ने इस मसले पर जागरूकता दिखाई, वह यहां राहत का एक बड़ा कारण है। माना जा रहा है कि टीकाकरण के मामले में भारत को जैसी उपलब्धि मिली है, उसमें अब कोरोना के बहुरूपों के संक्रमण से लोग बचे रहेंगे। टीका बनाने वाली कंपनियों के साथ-साथ सरकार की ओर से भी इस बात का आश्वासन दिया गया था कि टीका कोरोना के खिलाफ एक सुरक्षा दीवार के तौर पर काम करेगा। इसके बावजूद विषाणुओं की प्रकृति को देखते हुए हर स्तर पर सजग रहने एवं बूस्टर डोज को प्राथमिकता देने की जरूरत है, अन्यथा इसकी मार से उपजी त्रासदी दुनिया देख चुकी है। कोरोना का अब तक का अनुभव बताता है कि इस वायरस को किसी भी सूरत में हलके में नहीं लेना चाहिए। यह एक बार फैल गया तो इस पर नियंत्रण आसान नहीं है। इसलिए सबसे अच्छा यही है कि जैसे भी हो इसे फैलने से ही रोका जाए। पहले दौर में जब वुहान से विषाणु के संक्रमण की खबरें आईं थी, तब शायद वक्त पर अपने-अपने देशों में सावधानी बरतने को लेकर उतनी जागरूकता नहीं आ पाई थी, नियंत्रण के साधन नहीं थे, आम जनता एवं सरकार तैयार भी नहीं थी। इसलिए उसका असर भी व्यापक हुआ और समूची दुनिया के देश इसकी चपेट में आए। भारत उससे सबसे ज्यादा बुरी तरह प्रभावित होने वाले देशों में से एक था। इसलिए स्वाभाविक ही इस बार चीन में कोरोना से स्थिति बिगड़ने की खबरें आने के साथ ही भारत में सावधानी बरतने को लेकर जरूरी कदम उठाए जाने लगे हैं। यह सरकार की सूझबूझ भी है और जागरूकता भी है। विदेशों में कोरोना के नए मामलों में हो रही अप्रत्याशित बढ़ोतरी सचमुच चिंताजनक है। खासकर चीन में तो भयावह हालात हैं। जिस व्यापक स्तर पर उसके फैलने एवं जिस बड़े पैमाने पर मौतों की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं, वह भारत सहित समूची दुनिया को सतर्क एवं सावधान हो जाने की टंकार है। उसे समय पर गंभीरता से लेना महामारी के प्रकोप को कम करना ही माना जायेगा। चीन के दृश्य डरावने एवं चिन्ता पैदा करने वाले हैं, वहां अस्पतालों में बेड नहीं मिल रहे हैं, शवदाह गृहों में लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सही सूचनाएं सामने नहीं आ रहीं। मंगलवार को चीनी सरकार ने कहा कि किसी मौत को कोविड-19 से हुई मौत माना जाए या नहीं, यह तय करने के आधारों में बदलाव किए गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि चीन वास्तविक तथ्यों से दुनिया को अंधेरे में रखना चाहता है, मौतों की वास्तविक संख्या छुपाना चाहता है। अगर यह सच है तो इससे चीन में हुए कोरोना विस्फोट की वास्तविक प्रकृति को समझने में दिक्कत होगी। जाहिर है, ऐसे में किसी नए वेरिएंट के रूप में दुनिया भर में कोरोना संक्रमण की नई लहर फैल जाने की आशंका और मजबूत होती है और उससे समाधान पाने की राह उतनी ही जटिल होगी।

न्यायाधीशों की नियुक्ति पर टकराव

> देश के दो प्रमुख संवैधानिक स्तम्भों में खुलेआम चल रही रस्साकशी का खामियाजा फरियादियों को भुगतना पड़ रहा है। हालत यह है कि न्यायाधीशों के पद रिक्त होने से फरियादियों को न्याय मिलने में विलंब हो रहा है। 30 नवंबर 2022 तक हाईकोर्ट के जजों की स्वीकृत क्षमता 1108 है। लेकिन फिलहाल 776 जज हैं और 332 रिक्तियां हैं। हाईकोर्ट ने 146 (44 फीसदी) सिफारिशें की हैं जो सरकार और सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। स्वीकृत संख्या के अनुसार प्रति 10 लाख जनसंख्या पर लगभग 20 न्यायाधीश हैं जो बेहद कम हैं। वर्ष 2016 में देश में न्यायिक अधिकारियों की स्वीकृत संख्या 20811 थी। अब यह 24112 है जो छह वर्षों में 16 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी अवधि में (मुकदमों की) लंबित संख्या जिला अदालतों में 2 करोड़ 65 लाख से बढक़र 4 करोड़ 11 लाख हो गई है जो कि 54 .64 फीसदी की वृद्धि है। चार करोड़ मामले निचली अदालतों में जबकि 42 लाख दीवानी मामले और 16 लाख आपराधिक मामले उच्च न्यायालयों में लंबित हैं।

हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की नियुक्ति को लेकर सरकार और न्यायपालिका के बीच टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन पिछले कुछ समय से टकराव गहराता दिख रहा है, ख़ास तौर पर केंद्रीय कानून मंत्री के उस बयान के बाद जिसमें उन्होंने कॉलेजियम सिस्टम को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। कॉलेजियम सिस्टम वह प्रक्रिया है जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति और तबादले किए जाते हैं। ताज़ा बहस तब शुरू हुई जब 25 नवंबर को केंद्रीय क़ानून मंत्री किरेन रिजिजू ने जजों की नियुक्ति करने की पूरी प्रक्रिया को ही संविधान से परे या एलियन बता दिया। केंद्रीय कानून मंत्री ने याद दिलाने की कोशिश की कि सुप्रीम कोर्ट ने अपनी समझ और कोर्ट के ही आदेशों को आधार बनाते हुए कॉलेजियम बनाया है। केंद्रीय कानून मंत्री की यह बात दुरुस्त है कि संविधान में कॉलेजियम का कहीं जिक्र नहीं है। कॉलेजियम भारत के चीफ जस्टिस और सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठतम जजों का एक समूह है। ये पांच लोग मिलकर तय करते हैं कि सुप्रीम कोर्ट में कौन जज होगा। ये नियुक्तियां हाई कोर्ट से की जाती हैं और सीधे तौर पर भी किसी अनुभवी वकील को भी हाई कोर्ट का जज नियुक्त किया जा सकता है। हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति भी कॉलेजियम की सलाह से होती है जिसमें सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस, हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और राज्य के राज्यपाल शामिल होते हैं। कॉलेजियम बहुत पुराना सिस्टम नहीं है और इसके अस्तित्व में आने के लिए सुप्रीम कोर्ट के तीन फैसले जिम्मेदार हैं जिन्हें जजेस केस के नाम से जाना जाता है। सरकार और न्यायपालिका के बीच तनातनी की शुरुआत साल 2014 से हुई। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब देश में एनडीए सरकार बनी तो केंद्र सरकार साल 2014 में ही संविधान में 99वां संशोधन करके नेशनल ज्यूडिशियल अप्वाइंटमेंट कमीशन (एनजेएसी) अधिनियम लेकर आई। इसमें सरकार ने कहा कि चीफ जस्टिस और सुप्रीम कोर्ट-हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम की जगह अब एनजेएसी के प्रावधानों के तहत काम हो। अक्तूबर 2015 को सुप्रीम कोर्ट ने इस नेशनल ज्युडिशियल अप्वाइंटमेंट्स कमीशन अधिनियम को संविधान के आधारभूत ढांचे से छेड़छाड़ बताते हुए रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया में संविधान में न्यायपालिका और चीफ जस्टिस की राय को तरजीह देने की बात कही गई है और सरकार का इस तरह का दख़ल संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर उच्चतम न्यायालय कालेजियम और सरकार के बीच गतिरोध को देखते हुए संसद की एक समिति ने कहा है कि वह केंद्रीय कानून मंत्रालय के न्याय विभाग की टिप्पणियों से सहमत नहीं है कि उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्तियों का समय इंगित नहीं किया जा सकता। समिति ने कहा कि न्यायपालिका और कार्यपालिका दोनों में उन समय सीमाओं का पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे रिक्तियों को भरने में देरी हो रही है। कॉलेजियम की सिफारिशों पर अमल के लिए डेड लाईन न होने की वजह से सिफरिशों को लागू करने में कई बार देरी होती है तो कई बार केंद्र गजब की तेजी से उन पर अपनी सहमति देकर वापस लौटा देता है। कॉलेजियम की जिस सिफारिश पर केंद्र ने सबसे ज्यादा देरी से अमल किया वो जस्टिस केएम जोसेफ को लेकर है। कॉलेजियम की सिफारिश के तकरीबन सात माह बाद उनकी नियुक्ति पर केंद्र ने मुहर लगाई थी। जस्टिस इंदू महरोत्रा के साथ उनके नाम की सिफफरिश 11 जनवरी 2018 को की गई थी। लेकिन इंदू महरोत्रा की फाईल तो तुरंत अप्रूव हो गई अलबत्ता जोसेफ को नियुक्ति के लिए तकरीबन सात माह तक इंतजार करना पड़ा। केंद्र की तरफ से अप्रैल में उनकी फाईल वापस लौटा दी गई थी। लेकिन जब बार ने तीखा विरोध जताया तो जुलाई में उनकी फाईल पर केंद्र ने मुहर लगाई थी। इसी तरह जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जेबी परदीवाला के लिए भी कॉलेजियम की फाईल दो दिनों में ही मंजूर कर ली गई। कॉलेजियम ने 26 अगस्त 2021 को सबसे ज्यादा नौ नियुक्तियों की सिफारिश की थी। इन मामलों को नौ दिनों में ही मंजूर कर लिया गया। ऐसे ही कई मामले हैं जहां केंद्र ने ज्यादा हीलाहवाली न करते हुए कॉलेजियम की सिफारिशों को कुछ दिनों के भीतर ही मंजूर कर लिया। मुद्दा बेशक केंद्र और सुप्रीम कोर्ट के क्षेत्राधिकारों का हो किन्तु इसमें पिस आम लोग रहे हैं जिन्हें शीघ्र न्याय की दरकार है। न्याय मिलने में देरी न्याय नहीं मिलने के समान है। इस न्यायिक सिद्धान्त की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। केंद्र सरकार अपनी हठधर्मिता पर कायम है कि न्यायधीशों की नियुक्ति उसके बनाए कानून से हो, उधर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम प्रणाली से नियुक्ति पर अड़ा हुआ है। देश के दो प्रमुख संवैधानिक स्तम्भों में खुलेआम चल रही रस्साकशी का खामियाजा फरियादियों को भुगतना पड़ रहा है। हालत यह है कि न्यायाधीशों के पद रिक्त होने से फरियादियों को न्याय मिलने में विलंब हो रहा है। 30 नवंबर 2022 तक हाईकोर्ट के जजों की स्वीकृत क्षमता 1108 है। लेकिन फिलहाल 776 जज हैं और 332 रिक्तियां हैं। हाईकोर्ट ने 146 (44 फीसदी) सिफारिशें की हैं जो सरकार और सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। स्वीकृत संख्या के अनुसार प्रति 10 लाख जनसंख्या पर लगभग 20 न्यायाधीश हैं जो बेहद कम हैं। वर्ष 2016 में देश में न्यायिक अधिकारियों की स्वीकृत संख्या 20811 थी। अब यह 24112 है जो छह वर्षों में 16 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी अवधि में (मुकदमों की) लंबित संख्या जिला अदालतों में 2 करोड़ 65 लाख से बढक़र 4 करोड़ 11 लाख हो गई है जो कि 54.64 फीसदी की वृद्धि है। चार करोड़ मामले निचली अदालतों में जबकि 42 लाख दीवानी मामले और 16 लाख आपराधिक मामले उच्च न्यायालयों में लंबित हैं। उच्चतम न्यायालय में भी 68435 मामले लंबित हैं। देश के संवैधानिक ढांचे और लोकतांत्रिक मूल्यों को बरकरार रखने की दरकार है कि केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों की भर्ती के मुद्दे पर बने टकराव को खत्म करें ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय सुलभ हो सके।

देश दुनीया से

सामाजिक नीति के बजाय जाति आधारित वोट-बैंक की राजनीति

भारत में सामाजिक संरचना की प्रमुख विशेषता जाति व्यवस्था है। जाति व्यवस्था अपने सबसे सामान्य लेकिन मूलभूत पहलुओं में स्थिति और पदानुक्रम की एक आरोपित प्रणाली है। यह व्यापक और सर्वव्यापी है और व्यक्ति के लिए सभी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को नियंत्रित करने और परिभाषित करने के लिए जाना जाता है। राजनीति एक प्रतिस्पर्धी उद्यम है, इसका उद्देश्य कुछ वस्तुओं की प्राप्ति के लिए शक्ति का अधिग्रहण है और इसकी प्रक्रिया स्थिति को संगठित और समेकित करने के लिए मौजूदा और उभरती हुई निष्ठाओं की पहचान और हेरफेर करने में से एक है। उसके लिए जो आवश्यक है वह है संगठन और समर्थन की अभिव्यक्ति, और जहाँ राजनीति जन आधारित है, बिंदु उन संगठनों के माध्यम से समर्थन को स्पष्ट करना है जिनमें जनता पाई जाती है। वोट बैंक की राजनीति पहले भी होती थी, लेकिन जैसे-जैसे दलों की संख्या बढ़ती गई और जाति विशेष की राजनीति करने वाले दल बनने लगे, वैसे-वैसे यह राजनीति और गहन होती गई। हाल के समय में जाति-संप्रदाय और क्षेत्र विशेष के सहारे राजनीति करने वाले दलों की संख्या तेजी से बढ़ी है। स्थिति यह है कि राज्य विशेष में चार-पांच प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाली जाति समूह के नेता भी अपना-अपना दल बना रहे हैं। इसकी एक वजह राजनीति में प्रतिनिधित्व हासिल करना और सत्ता में भागीदारी करना भी है। भारतीय समाज में जाति की गहरी पैठ होने के बाद भी यह ठीक नहीं कि लोग अपने मतदान का निर्धारण जाति-संप्रदाय के आधार पर करें। दुर्भाग्य से ऐसा ही होता आ रहा है और इसलिए गोवा, मणिपुर से लेकर पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में दल जाति-संप्रदाय विशेष पर डोरे डालने में लगे हुए हैं। कुछ जातीय समूहों के बारे में तो यह मानकर चला जा रहा है कि वे अमुक दल के पक्के वोट बैंक हैं। दूसरी ओर, भारत में, ऐसे समूह-जातियाँ और उप-जातियाँ सामाजिक जीवन पर हावी हैं, और अनिवार्य रूप से एक सामाजिक या राजनीतिक चरित्र के अन्य समूहों के प्रति अपने सदस्यों के रवैये को प्रभावित करती हैं। दूसरे शब्दों में, यह तथ्य कि एक जाति एक प्रभावी दबाव समूह के रूप में कार्य करने में सक्षम है, और यह कि इसके सदस्य इसे छोड़कर अन्य समूह में शामिल नहीं हो सकते, इसे एक राजनीतिक शक्ति की स्थिति में रख देता है, जिसे उपेक्षित नहीं किया जा सकता है। मतदाताओं की सद्भावना पर अपने जनादेश के आधार पर राजनीतिक दल भारत में जाति आधारित चुनावी राजनीति जाति लोकतांत्रिक राजनीति के संगठन के लिए एक व्यापक आधार प्रदान करती है। एक खुली राजनीति में समर्थन को व्यवस्थित करने और स्पष्ट करने की आवश्यकता अनिवार्य रूप से उन संगठनों और एकजुटता समूहों की ओर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में लगी हुई है जिनमें जनता पाई जाती है। भारत जैसे समाज में जहां जाति सामाजिक संगठन और गतिविधि का प्रमुख आधार बनी हुई है, इसका अर्थ जाति समूहों और संघों की ओर मुड़ना है। इस तरह जातिगत पहचान और एकजुटता प्राथमिक चैनल बन गए जिसके माध्यम से राजनीतिक व्यवस्था के भीतर चुनावी और राजनीतिक समर्थन जुटाया जाता है। इस प्रकार, जैसा कि कोठारी कहते हैं, "यह राजनीति नहीं है जो जाति से ग्रस्त हो जाती है, यह जाति है जो राजनीति हो जाती है। शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में समर्थन जुटाने में जाति का अधिक व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। राजनीतिक दलों के लिए किसी जाति समुदाय के सदस्यों से अपील करके उनसे सीधे समर्थन जुटाना आसान हो जाता है। वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था स्वयं अनुयायियों के प्रजनन के साधन के रूप में जाति के उपयोग को प्रोत्साहित या बाधित करती है। जैसेः बसपा, एआईएमआईएम आदि इसके उदाहरण हैं, हाल ही में यह तर्क दिया गया है कि जाति भारत के निरक्षर और राजनीतिक रूप से अज्ञानी जनता को आधुनिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने में सक्षम बनाती है।

> ग्राम स्तर पर भी पंचायत राज चुनावों में जाति व्यवस्था हावी रही है। जोधपुर संभाग में चुनाव के दौरान जाति आधारित मुद्दों जैसे जाटों को आरक्षण आदि के लिए पार्टियां चलती हैं। इसी तरह उड़ीसा में भूमिहार, कायस्थ और राजपूत चुनाव के समय अलग-अलग दिशाओं में खींचते हैं और अपनी जाति के उम्मीदवारों को कार्यालय में देखने की इच्छा रखते हैं। जाति भारत में राजनीति को प्रभावित नहीं कर रही है, बल्कि इसका प्रभाव अधिक बलपूर्वक और प्रभावी ढंग से है। स्वतंत्र भारत में यह आशा की जाती थी कि जाति धीरे-धीरे अपना प्रभाव समाप्त कर देगी। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि चीजें हमारी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी हैं और जाति अभी भी राजनीति को प्रभावित करती है।

नागरिक बोध

बेटे की चाह में बेटी पैदा होने पर नवजात के मुंह पर थूका

रायबरेली के लालगंज में बेटे की चाह में माता ने बेटी को पैदा किया तो बेहरमी बाप ने नवजात के मुंह पर थूंक दिया। बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ की मुहिम को गतिशील बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें सक्रिय है। देश मे आज भी समाज बेटी की जगह बेटे को ही तव्वजो देता है। इन रूढ़विादी परम्पराओ को संजोए हुए देहाती परिवार घर मे बेटे की किलकारी गूंजे, उसी को अहमियत देते है। समाज मे बेटी को भारस्वरूप मानते है। बेटा दहेज लाता है,जबकि बेटी के लिए तिजोरी खोलनी पड़ती है। समाज मे ये वो अभागे पिता है जहाँ बेटे की पैदाइस पर ढोल बजाते है और बेटी का जन्म उनके लिए अभिशाप साबित होता है। बेटी के जन्म के बाद नवजात की माता को ताने देकर उनके साथ मारपीट भी करते है। जबकि हत्या तक की कोशिश की जाती है।यह सामाजिक दूषण है। जिसका हल समाज मे बैठे पंचों के विरोध के बाद सही दशा और दिशा मिल सकती है। रायबरेली की घटना रूह कांपने वाली घटना है। जहाँ एक अभागे पिता ने पांचवी लड़की होने पर उसके मूह पर थप्पड़ भी जड़े और मारने लगा। नवजात की रोने के आवाज सुनकर वह मौजूद चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ अन्य मरीज उनके तीमारदार भौचक्के रह गए। उसको मना किया तो वह झगड़े पर उतारू हो गया। चिकित्सक ने जब पुलिस बुलाने की बात कही तो आरोपी वहा से भाग निकला। बेटी को देख आपा खो बेटा बाप का जब मौजूद लोगो ने एतराज जताया तो वह झगड़े पर उतारू हो गया।चिकित्सा अधिकारी ने पुलिस बुलाकर गिरफ्तार कराने की बात की गई तो आरोपी पिता वहां से भाग निकला। इस तरह से अमानवीय कृत्य के लिए उसे फटकार लगाई और अस्पताल से निकल गया।बेटा एक कुल का नाम रोशन करता है तो बेटिया दो कुल का नाम रोशन करती है। बेटियां बुजुर्ग माता पिता की सेवा भी तल्लीनता से करती दिख जा सकती है। समाज मे बेटियो का तिरस्कृत किया जाता है। उस परिवार में शांति कभी नसीब नही होती है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की मुहिम उन नालायक पिता के लिए एक मार्गदर्शन है।जिसका वे बेटियो को बोझ समझते है। जिस तरह देश मे बेटियो पर अत्याचार हो रहा है। बेटियो के साथ दुष्कर्म की घटना होती है। उनके साथ अमानवीय कृत्य होता है। तब रहम दिल इंसान पसीज जाता है।अभी देश मे अनेक घटनाए प्रकाश में आई है।जिसके चलते बेटियो को मार दिया गया था। बेटियो की सुरक्षा के लिए सरकार कदम उठाए। जिस तरह से बेरहमी से बेटियों को मार दी जाती है। उसके लिए पहले परिवार का ध्यान आकृष्ट करने की जरूरत है।समाज मे बड़ी बड़ी बाते की जाती है और अपने कुल की बेटियां इस तरह यातनाएं भोगती है। तब सभ्य समाज पर उंगलियां उठाई जाती है। पश्चिमी अंधानुकरण को दरकिनार कर भारत मे बेटियो को स्नेह दे।

संक्षिप्त समाचार

केमोरोवा शहर के एक घर में लगी भीषण आग, 20 लोगों की मौत

मास्को। रूस का केमेरोवा शहर शुक्रवार को बड़े हादसे का शिकार हो गया। यहां बुजुर्गों के एक अपंजीकृत घर में आग लग गई, जिसमें 20 लोगों की जलकर मौत हो गई। स्थानीय समाचार एजेंसी तास ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि इमारत की दूसरी मंजिल पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि देर रात लगी आग पर काबू पा लिया गया है। हालांकि, बचाव दल अभी भी राहत कार्य में जुटा हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि बुजुर्गों के लिए कई घर पूरे रूस में पंजीकरण के बिना संचालित होते हैं। ये घर निरीक्षण के अधीन नहीं होते हैं क्योंकि उन्हें आधिकारिक तौर पर निजी संपत्ति माना जाता है।

दाढ़ी और पगड़ी वाले सिख यूएस में कर सकेंगे काम

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने शुक्रवार को नौसैनिकों को आदेश दिया कि वे मरीन में भर्ती होने वाले सिखों को दाढ़ी और पगड़ी रखने की इजाजत दें। न्यायाधीशों ने इस तर्क को खारिज कर दिया कि धार्मिक छूट की अनुमति देने से सामंजस्य कम होगा। अमेरिकी सेना, नौसेना, वायु सेना और तटरक्षक बल, सभी पहले से ही सिख धर्म की धार्मिक मान्यताओं को समायोजित करते हैं। यूएस मरीन कॉर्प्स के नियमों पर विवाद, सिख सैनिकों ने कोर्ट का रुख किया था मरीन कॉर्प्स ने पिछले साल भर्ती परीक्षा पास करने वाले तीन सिखों को 13 सप्ताह के बुनियादी प्रशिक्षण के दौरान और युद्ध की संभावित अवधि के दौरान बाल रखने और पगड़ी बांधने के नियमों में छूट देने से इनकार कर दिया था। इस पर सिख सैनिकों ने कोर्ट का रुख किया था। वाशिंगटन में यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने असहमति जताते हुए कहा कि मरीन ने कोई तर्क पेश नहीं किया कि दाढ़ी और पगड़ी सुरक्षा को प्रभावित करेगी या शारीरिक रूप से प्रशिक्षण को बाधित करेगी। अदालत ने कहा कि मरीन ने पुरुषों को रेजर बम्प्स, एक त्वचा की स्थिति, शेविंग से छूट दी, महिलाओं को अपने केशविन्यास बनाए रखने की अनुमति दी और बड़े पैमाने पर टैटू की अनुमति दी। जो कि व्यक्तिगत पहचान की सर्वोत्कृष्ट अभिव्यक्ति है। अदालत ने कहा कि दाढ़ी पर नियम केवल 1976 से लागू होते हैं, हिरसूट मरीन के साथ क्रांतिकारी युद्ध से लेकर आधुनिक काल तक कोई मुद्दा नहीं है।

एयरपोर्ट पर जब्त किए तंबाकू उत्पादों को जेब में लेकर घूम रहा था भारतवंशी अफसर, 3 महीने की जेल

सिंगापुर। सिंगापुर के चांगी एयरपोर्ट पर तैनात एक भारतवंशी अफसर को तीन महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। दरअसल, उसे एयरपोर्ट पर उल्लंघनकर्ताओं से जब्त किए गए तंबाकू उत्पादों के साथ पकड़ा गया, जिसके बाद उसे यह सजा सुनाई गई। बताया गया है कि यह तंबाकू उत्पाद उसने एयरपोर्ट पर नियम तोड़ने वालों से जब्त किए थे। सजा पाने वाले युवक का नाम मोहन राज अकीलन बताया गया है। उसकी उम्र 31 साल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसने एयरपोर्ट पर जब्त हुआ करीब 1417 सिंगापुरी डॉलर मूल्य का तंबाकू अपनी जेब में भरा था। इन्हें चांगी एयरपोर्ट पर कुछ यात्रियों से जब्त किया गया था। सिंगापुर के सरकारी वकील टैन सियाओ टिएन ने कहा कि मलेशियाई नागरिक मोहन को सिंगापुर की सर्विस सिस्को पुलिस फोर्स में अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया गया था। वह 19 अप्रैल 2011 से 8 अगस्त 2022 तक एयरपोर्ट पर तैनात था। चांगी एयरपोर्ट पर उसे मई 2021 में तंबाकू उत्पादों की जब्ती करने वाली ब्रांच का अधिकारी बनाया गया। इस शाखा में काम करने वाले अधिकारियों को एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों से तंबाकू और इससे जुड़े उत्पाद जब्त करने होते हैं। इन तंबाकू उत्पादों को एक लॉकर में बंद कर दिया जाता है। आरोप है कि अपनी ड्यूटी के दौरान जून-जुलाई 2021 को मोहन ने करीब 1417 सिंगापुरी डॉलर के बराबर के तंबाकू उत्पाद गायब कर दिए। इनमें 40 पैक ई-वेपोराइजर पॉड्स और सात ई-वेपोराइजर्स शामिल हैं। उसके साथ इस घटना को अंजाम देने में एक और कर्मी दोषी पाया गया। बताया गया है कि इस मामले में उसे पांच साल तक की सजा हो सकती थी। हालांकि, अदालत ने उसे तीन महीने जेल और 800 सिंगापुरी डॉलर चुकाने की सजा सुनाई।

दो बार तख्तापलट करने वाले राबुका बने फिजी के नए पीएम

सुवा। सित्विनी राबुका को फिजी का नया प्रधानमंत्री चुना गया है। 16 साल बाद फिजी अपने नए प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारी कर रहा है। त्रिशंकु संसद के चुनाव के बाद राबुका की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। राबुका 2021 में गठित फिजी में एक राजनीतिक दल पीपुल्स एलायंस के नेता हैं। फिजी की सोशल डेमोक्रेटिक लिबरल पार्टी ने शुक्रवार को राबुका के पीपुल्स एलायंस और नेशनल फेडरेशन पार्टी के साथ गठबंधन बनाने के लिए मतदान किया।

अमरीका में ठंड का प्रकोप, अब तक 12 लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमरीका में पड़ रही कड़ाके ठंड से करीब 20 करोड़ लोग बर्फीले तूफान की चपेट में आ गए हैं और छुट्टियों के सप्ताहांत से पहले कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है। अमेरिका की राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) का कहना है कि अगले कुछ दिनों में सौ से अधिक दैनिक ठंडे दिन के तापमान के रिकॉर्ड टूट सकते हैं। ठंड के कारण 15 लाख से अधिक लोगों को बिना बिजली के रहना पड़ा और हजारों उड़ानें रद्द कर दी गईं। लोग क्रिसमस के लिए घर लौटने के लिए संघर्ष कर रहे है।

एनडब्ल्यूएस ने बताया कि यह तूफान टेक्सास से क्यूबेक तक 3,200 किमी से अधिक तक फैला हुआ है। यह एक बम चक्रवात है जिसने अमेरिका-कनाडा सीमा पर ग्रेट लेक्स में बर्फानी तूफान की स्थिति ला दी है। बम चक्रवात एक भयानक तूफान को दिया गया नाम है जिसमें तूफान के केंद्र में हवा का दबाव 24 घंटे में कम से कम 24 मिलीबार तक गिर सकता है और यह तेजी से बढ़ता है। कनाडा में, ओंटारियो और क्यूबेक में तूफान के कारण सैकड़ों हजारों लोगों की बिजली कटौती की गई।

तूफान की चेतावनी

ब्रिटिश कोलंबिया से लेकर न्यूफाउंडलैंड तक देश के बाकी हिस्सों में अत्यधिक ठंड और सर्दियों के तूफान की चेतावनी दी गई थी। एल्क पार्क, मोंटाना में तापमान शून्य से 45 डिग्री तक गिर गया, जबकि हेल, मिशिगन शहर जम गया है। पेनसिल्वेनिया और मिशिगन के इलाकों में भारी बर्फबारी की आशंका जतायी गयी थी। बफ़ेलो, न्यूयॉर्क, कम से कम 35 इंच बर्फबारी की आशंका थी। न्यू इंग्लैंड, न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में तटीय बाढ़ देखी गई है। प्रशांत उत्तर पश्चिम में कुछ निवासियों ने सिएटल और पोर्टलैंड में जमी हुई सड़कों पर आइस-स्केटिंग की। तूफान से संबंधित कई मौतों में सड़क दुर्घटनाएं शामिल हैं, जिसमें दो वाहन चालक मारे गए थे। तूफान से देश भर में यात्रा की समस्याएं स्नो संचालकों की कमी के कारण विकट हो रही है।

24 घंटे में 3.7 करोड़ नए संक्रमित !

अस्पतालों में लाशों का ढेर, घुट-घुटकर दम तोड़ते चीन के लोग

बीजिंग। चीन से शुक्रवार को चौंकाने वाली खबर सामने आई है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, यहां 24 घंटे के अंदर तीन करोड़ 70 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित पाए गए हैं। आलम ये है कि अस्पतालों में बेड, दवाओं, डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी हो गई है। लोग सड़क किनारे ड्रिप लगवाकर इलाज करवाने को मजबूर हैं। हालांकि, चीन ने अपनी आधिकारिक रिपोर्ट में केवल 4,103 संक्रमितों के मिलने की पुष्टि की है।

ब्लूमर्ग ने चीन के अलग-अलग राज्यों में प्रकाशित आंकड़ों के हवाले से दावा किया है कि शुक्रवार को 24 घंटे के अंदर तीन करोड़ 70 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित पाए गए हैं। एक-एक शहर में तीन से दस लाख तक मरीज पाए जा रहे हैं। हालांकि, चीन के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार 23 दिसंबर को केवल चार हजार 103 मरीज पाए गए हैं।

चीन के हर शहर में मरीजों से अस्पताल भर चुके हैं। बेड, ऑक्सीजन बेड, दवाओं की भारी कमी हो चुकी है। अस्पताल के बाहर सड़क किनारे मरीजों को ड्रिप लगाकर इलाज दिया जा रहा है। अस्पतालों के वार्ड भरने के बाद छत, गलियारे तक में मरीजों को भर्ती किया गया है। कई स्पोर्ट्स स्टेडियम को अस्थायी अस्पताल में तब्दील कर दिया गया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन में बड़ी संख्या में डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ भी संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। तेज बुखार व तबियत खराब होने के बावजूद बड़ी संख्या में डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ के लोग अस्पतालों में लोगों का इलाज कर रहे हैं। चीन में कोरोना से मरने वाले लोगों को या तो दफनाया जा रहा या फिर जला दिया जा रहा है। इसके चलते कब्रिस्तान और अंतिम क्रिया स्थलों पर लंबी-लंबी लाइनें लग रहीं हैं। दो-दो दिन तक लोगों को इंतजार करने के बाद अपनों के शव का अंतिम संस्कार करने का मौका मिल रहा है। ये वेटिंग लिस्ट लगातार बढ़ती जा रही है। अस्पताल के शव गृह में भी जगह नहीं बची है। इसके चलते अब अस्पताल के गलियारों में शवों को रखा जा रहा है। कोरोना की वजह से लोगों को सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही है। पूरे चीन में ऑक्सीजन का संकट हो गया है। ऐसे ही कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें लोग अस्पताल के बाहर घुट-घुटकर मर रहे हैं। एक महिला अस्पताल के बाहर सांस नहीं ले पा रही थी। रोते हुए सांस लेने की वह काफी कोशिश कर रही थी। आसपास खड़े लोग डॉक्टर को बुलाते रहे और उनके सामने महिला ने दम तोड़ दिया।

अस्पतालों, मेडिकल स्टोर्स में दवाओं का संकट हो गया है। इसके चलते दवा कंपनियों के बाहर लोगों की लंबी-लंबी लाइनें लग रहीं हैं। लोग सीधे कंपनियों से दवा खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। कोरोना जांच केंद्रों पर लोगों की लंबी-लंबी लाइनें लग रहीं हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस साल ठंड में चीन के 80 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना से संक्रमित हो सकते है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संक्रमण के बढ़ने की रफ्तार सबसे तेज होगी। चीन में अभी कोरोना की रफ्तार काफी तेज हो गई है। एक मरीज यहां 16 लोगों को संक्रमित कर रहा है। इससे लोग काफी घबराए हुए हैं। चीन के कई शहरों में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्कूल बंद कर दिए गए हैं। हालांकि, कॉलेजों को अभी भी खुला छोड़ दिया गया है। चीन के कई कॉलेजों से ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जहां क्लासरूम में रस्सी बांधकर छात्रों को ड्रिप चढ़ाया गया है और छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

जांच कमेटी ने की कानून बनाने की मांग

ट्रंप को नहीं मिलनी चाहिए राष्ट्रपति चुनाव की इजाजत

वाशिंटन। यूएस कैपिटल हिल हिंसा की जांच कर रहे पैनल ने अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आगामी राष्ट्रपति चुनाव में शामिल होने की अनुमति कभी नहीं मिलनी चाहिए। 854 पन्नों की रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आपराधिक रूप से 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के वैध परिणाम पलटने की एक व्यापक साजिश रची और वह अपने समर्थकों को कैपिटल पर हमला करने से रोकने में भी नाकाम रहे।

ट्रंप व अन्य जैसों के खिलाफ कानून बनाने की मांग

हिंसा की जांच कर रहे पैनल के अध्यक्ष थॉम्पसन ने कहा, हमारा देश एक हारे हुए राष्ट्रपति को लोकतांत्रिक संस्थानों में हिंसा भड़काकर खुद को एक सफल अत्याचारी में बदलने की अनुमति देने से बहुत दूर आ गया है। रिपोर्ट में सांसदों द्वारा एक कानून बनाने की भी मांग की गई है, जिससे ट्रम्प व अन्य लोग जो विद्रोह में शामिल हुए, उन्हें संघीय, राज्य या सैन्य पद को धारण करने से रोका जा सके।

1000 गवाहों से की गई पूछताछ

समिति ने पूर्व राष्ट्रपति की गतिविधियों और करीब दो साल पहले हुए हिंसक विद्रोह की 18 महीने तक जांच करने के बाद यह रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट के लिए 1,000 से अधिक गवाहों से पूछताछ की गई और लाखों पन्नों के दस्तावेज खंगाले गए। ट्रंप के कई करीबी सहयोगियों से लेकर कानून प्रवर्तन के कुछ अधिकारी, कुछ दंगाइयों से पूछताछ की गई। रिपोर्ट में कहा गया, ट्रंप की पहल के बगैर छह जनवरी की कोई घटना नहीं होती। नौ सदस्यीय समिति ने कहा, विद्रोह ने लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा खड़ा किया और अमेरिकी सांसदों के जीवन को भी खतरे में डाला।

सरकार ने भारतीय उच्चायोग को आग लगाने वाले बयान की कड़ी निंदा की, कहा- ऐसी धमकियां बर्दाश्त नहीं

माले। विपक्षी प्रोग्रेसिव पार्टी (पीपीएम) के सदस्य अब्बास आदिल रिजा द्वारा हाल ही में भारतीय उच्चायोग को आग लगाने के आह्वान के बाद मालदीव सरकार ने बयान जारी किया है। मालदीवर सरकार ने आधिकारिक बयान में कहा है कि स्थिति के संबंध में सभी जरूरी सावधानी बरती जा रही है। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा है, सरकार मालदीव में भारतीय उच्चायोग को निशाना बनाकर आगजनी करने और आतंकवाद भड़काने की कड़ी निंदा करती है। सरकार इस खतरे की बहुत ही गंभीरता से जांच कर रही है और अधिकारियों ने सभी जरूरी एहतियाती कदम उठाए हैं। मालदीव की सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने आगजनी के लिए उकसाने के लिए रिजा के आह्वान की कड़े शब्दों में निंदा की। एमडीपी ने ट्वीट किया, एमडीपी भारतीय उच्चायोग पर आगजनी के आह्वान की कड़े शब्दों में निंदा करती है और अधिकारियों से मामले की जांच करने की मांग करती है। एमडीपी मित्र राष्ट्रों के प्रति हिंसा और नफरत फैलाने के विपक्ष के निरंतर प्रयास की निंदा करती है। इसके अलावा, मालदीव सरकार ने कहा है कि सार्वजनिक सुरक्षा को बाधित करने वाले ऐसे बयानों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आधिकारिक बयान में कहा गया है, राजनयिक कोर की सुरक्षा को कम करने और सार्वजनिक सुरक्षा को बाधित करने के उद्देश्य से दुर्भावनापूर्ण इरादे से ऐसी धमकियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पेरिस में प्रदर्शन

फ्रांस की राजधानी पेरिस में प्रदर्शन के दौरान पुलिस से भिड़े प्रदर्शनकारी

पेरिस में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत चार घायल

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में कुर्दिश सांस्कृति केंद्र को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोलाबारी में घायल हुए 69 वर्षीय संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। गोलीबारी का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पेरिस के अभियोजन कार्यालय ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संदिग्ध की पहचान की पुष्टि की जा रही है। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी ऐसे समय पर हुई जब पेरिस में क्रिसमस की तैयारियां की जा रही हैं। पेरिस पुलिस विभाग ने लोगों को घटनास्थल से दूर रहने के लिए कहा है जबकि आपातकालीन कर्मचारी मौके पर मौजूद हैं। 'टेन्थ एरोनडिसिमेंट' की मेयर एलेक्जेंड्रा कोर्डेबार्ड के अनुसार गोलीबारी कुर्दिश सांस्कृतिक केंद्र और एक रेस्तरां एवं सैलून के पास हुई है। कोर्डेबार्ड ने कहा कि हमलावर भी घायल हो गया है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उससे पता करने का प्रयास कर रही है कि उसने हमला क्यों किया। अभियोजन कार्यालय ने कहा कि चार घायलों में से दो की हालत गंभीर है। आतंकवाद-रोधी अभियोजकों से संपर्क किया गया है लेकिन फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है ।

नेपाल में अगली सरकार का रास्ता कंटीला, सियासी मोर्चे पर बढ़ रही हैं चुनौतियां

काठमांडो। नेपाल में सत्ताधारी गठबंधन के अंदर की गतिविधियों से साफ संकेत मिला है कि इस बार इस जमात के लिए सरकार चलाना पहले जितना सहज नहीं होगा। नेपाल की राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने पार्टियों से रविवार तक नई सरकार बनाने का दावा पेश करने को कहा है। लेकिन शुक्रवार रात तक सत्ताधारी गठबंधन के नेता पद का मामला नहीं सुलझ पाया था।

गठबंधन में शामिल दूसरे सबसे बड़े दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के नेता पुष्प कमल दहल ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री पद पर अपना दावा दोहरा दिया है। उन्होंने अपनी पार्टी के सांसदों से कहा कि अपने दावे के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए वे प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के नेता माधव कुमार नेपाल से बातचीत करेंगे। इसके बाद वे औपचारिक रूप से सरकार बनाने का दावा राष्ट्रपति के सामने पेश करेंगे।

दहल का इरादा सामने आने के बाद सियासी हलकों में अनुमान लगाया गया कि सत्ताधारी गठबंधन के अंदर सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। फिर से नेपाली कांग्रेस संसदीय दल के नेता चुने गए देउबा और दहल दोनों प्रधानमंत्री पद पाने की खींचतान में अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। दोनों नेताओं में सहमति बनी थी कि वे पांच साल के कार्यकाल में ढाई-ढाई साल तक प्रधानमंत्री रहेंगे। अब दोनों ही यह

पद पहले हासिल करना चाहते हैं।

ऐसे साफ संकेत हैं कि देउबा की मुश्किल बढ़ाने में उनकी अपनी पार्टी के नेता भी जुटे हुए हैं। देउबा ने संसदीय दल के चुनाव में नेपाली कांग्रेस के महासचिव गगन थापा को हराया था। उसके बाद थापा ने एलान कर दिया कि वे अगली सरकार में शामिल नहीं होंगे। उसके एक दिन बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपनी यह राय जताई कि अगले राष्ट्रपति के रूप में किसी गैर-राजनीतिक व्यक्ति का चयन किया जाना चाहिए। पर्यवेक्षकों के मुताबिक यह मांग उठाने के पीछे थापा का मकसद पदों के बंटवारे का फॉर्मूला तैयार कर अपनी सरकार बनाने की कोशिश में जुटे देउबा की राह मुश्किल बनाना है।

थापा ने कहा कि प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता खुद राष्ट्रपति बनने पर निगाहें टिकाए हुए हैं। लेकिन यह पद किसी गैर-राजनीतिक व्यक्ति को दिया जाना चाहिए। थापा ने कहा- 'हमारी पार्टी को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों पदों पर दावा नहीं जताना चाहिए। संसद में हमारी उतनी ताकत नहीं है कि हम दोनों पद पाने की कोशिश करें।'

राजनीतिक पर्यवेक्षकों के मुताबिक सत्ताधारी गठबंधन को एकजुट रखने के लिए यह जरूरी है कि इसमें शामिल पांच दलों के बीच पदों का संतोषजनक बंटवारा हो। इस लिहाज से राष्ट्रपति का पद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सत्ताधारी गठबंधन में शामिल माओइस्ट सेंटर और यूनिफाइड सोशलिस्ट ने यह पद किसी गैर-राजनीतिक व्यक्ति को देने के प्रस्ताव का सार्वजनिक रूप से विरोध किया है।

इसलिए समझा जाता है कि गगन थापा की मांग को मानना प्रधानमंत्री देउबा के लिए आसान नहीं होगा। लेकिन उनकी मांग ना मानने पर नेपाली कांग्रेस के अंदर गुटबाजी सघन हो सकती है। पार्टी के अंदर गगन थापा का समर्थन वरिष्ठ शेखर कोइराला, पार्टी उपाध्यक्ष धनराज गुरुंग और महासचिव विश्व प्रकाश शर्मा जैसे दिग्गज नेता कर रहे हैं।

पेपर लीक प्रकरण : मुख्यमंत्री ने जताया खेद

जयपुर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से शनिवार को आयोजित वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा के सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र लीक मामले में भाजपा ने गहलोत सरकार को आड़े हाथ लिया हैं। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर परीक्षार्थियों को हुई असुविधा पर खेद जताया हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनियां ने इस घटना को गहलोत सरकार की नाकामी बताया। साथ ही कहा कि ये सरकार वीक है और इसके कारण हर बार पेपर लीक के मामले सामने आ रहे हैं। पेपर रद्द करने के मामले में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने गहलोत सरकार पर सवाल खड़े किए। कटारिया ने कहा कि काफी मेहनत के बाद युवा परीक्षा देने के लिए जा रहे हैं, लेकिन एक बार फिर परीक्षा को पेपर लीक होने के कारण रद्द कर दिया गया। आरपीएससी ने भले ही पेपर रद्द कर दिया हो, लेकिन यह इस समस्या का हल नहीं है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता व विधायक रामलाल शर्मा ने भी इस घटना को केंद्र कर गहलोत सरकार पर जमकर हमले किए। शर्मा ने कहा कि मेहनत और परिश्रम करने वाले विद्यार्थी आज अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। इस घटना ने सरकार की मंशा और व्यवस्था दोनों पर ही प्रश्नचिन्ह लगा दिए हैं, जो यह भी साबित करता हैं कि ये सरकार ईमानदारी से एक परीक्षा भी करवाने में सक्षम नहीं है। इस सरकार का नाम गिनीज बुक में दर्ज होना चाहिए, क्योंकि ये सरकार लगातार रिकॉर्ड बना रही है। ऐसे में उन्हें नहीं लगता है कि आगे कोई सरकार इनके रिकॉर्ड को तोड़ पाएगी। इधर, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने पेपर लीक प्रकरण को गहलोत सरकार के लिए कलंक बताया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा की पहली पारी का पेपर निरस्त होना सरकार और प्रशासन की नाकामी को दर्शाता है। राठौड़ ने कहा कि गहलोत शासन में बेखौफ पेपर माफिया समूचे परीक्षा तंत्र पर

हावी हो चुके हैं। इस कारण राज्य में निष्पक्ष व पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं संपन्न होना असंभव है। वहीं, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि सीएम गहलोत अक्सर राजस्थान मॉडल की बात करते हैं, जिस पर इस घटना ने मुहर लगाने का काम किया है। इस मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि मैं परीक्षार्थियों को होने वाली परेशानी महसूस कर सकता हूं, परंतु अनुचित तरीके से परीक्षा पास करने के मंसूबे पाल कर आए लोगों का चयन नहीं होने दिया जाएगा। राजस्थान में सिर्फ मेहनती युवाओं को ही उनका हक मिलेगा। मेरी अपील है कि किसी के बहकावे में आने की बजाय आप अपनी तैयारी करें। सीएम ने आगे लिखा कि आज 24 दिसंबर को 9 से 11 बजे शिक्षक भर्ती की सामान्य ज्ञान की परीक्षा को एहतियातन निरस्त किया गया है, जिससे किसी भी मेहनतकश युवा के साथ अन्याय ना हो। बाकी परीक्षाएं यथावत जारी रहेंगी। सरकार किसी भी युवा के साथ अन्याय नहीं होने देगी एवं दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता के लिए हमारी सरकार ने सख्त कानून बनाया है। सीएम ने लिखा कि दुर्भाग्य से देशभर में पेपर लीक करने वाले गैंग पनप गए हैं, जिससे कई राज्यों में यहां तक कि ज्यूडिशियरी एवं मिलिट्री तक में पेपर लीक जैसी घटनाएं होती हैं। राजस्थान में सख्त कार्रवाई कर बेईमानों को जेल में बंद किया गया है।

कोरोना को लेकर जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अलर्ट, यात्रियों की जांच शुरू

जयपुर (हिंस)। कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा निर्देश जारी करने के बाद जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर इंटरनेशनल फ्लाइट के यात्रियों के एयरपोर्ट पहुंचने पर जांच करने का निर्णय किया है। इन यात्रियों को 24 दिसंबर से कोरोना के रैपिड आरटी-पीसीआर की जांच से गुजरना होगा। इसके लिए एयरपोर्ट के आगमन सेक्शन में अतिरिक्त सैंपलिंग काउंटर और बूथ बनाये गए है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक जयपुर एयरपोर्ट पर हर सप्ताह औसतन 28 अंतर्राष्ट्रीय फ्लाइट्स संचालित हो रही है। एयरपोर्ट पर मॉस्क का इस्तमाल और सैनेटाइजेशन भी अनिवार्य कर दिया गया है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त सुविधाएं और व्यवस्थाएं की गई है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की ओर से भारत आने वाले अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय के नए कोविड-19 दिशा निर्देशों को लागू किया जाएगा। भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक इंटरनेशनल फ्लाइट पर 2 प्रतिशत यात्रियों को एयरपोर्ट पहुंचने पर कोविड-19 रैपिड आरटी-पीसीआर की जांच से गुजरना होगा। इसके लिए एयरपोर्ट के अराइवल सेक्शन में अतिरिक्त सैंपलिंग काउंटर और बूथ बनाए गए है। यात्री अपना सैंपल देकर एयरपोर्ट से जा सकेंगे। अगर यात्री पॉजिटिव पाया जाता है तो उस स्थिति में उसका सैंपल जीनोम टेस्टिंग के लिए अधिकृत लेबोरेटरी में भेजा जाएगा। साथ ही रिपोर्ट की कॉपी एकीकृत निगरानी साझा कार्यक्रम को सौंपी जाएगी। टेस्टिंग के खर्चे की प्रतिपूर्ति सिविल एविएशन मिनिस्टरी की ओर से की जाएगी। नियमों के तहत हर अंतर्राष्ट्रीय यात्री अपने देश के नियमों के तहत पूरी तरह से वैक्सीनेट होना चाहिए। जयपुर एयरपोर्ट पर हर अंतर्राष्ट्रीय यात्री के लिए एयरक्राफ्ट से उतरने पर थर्मल स्क्रीनिंग की विशेष व्यवस्था की गई है। अगर यात्री में सिम्पटोमैटिक पाया जाता हैं, तो उसे तुरंत आइसोलेट किया जाएगा। बारह साल से कम उम्र के बच्चों को आगमन से पहले और उसके बाद के परीक्षण से छूट है, जब तक कि उनमें कोविड-19 के कोई लक्षण न पाये जाए।

राजस्थान के चार जिलों में कोरोना के 21 नए संक्रमित

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में शनिवार को चार जिलों में कोरोना के 21 नये मामले सामने आए हैं। इनमें जयपुर जिले के ही 17 नए कोरोना संक्रमित है। दौसा में दो तथा अलवर व चित्तौड़गढ़ में कोरोना का एक-एक नया मामला सामने आया। चीन समेत दुनिया के दूसरे देशों में कोरोना के मामलों की बढ़ोतरी को देखते हुए केंद्र सरकार के निर्देश पर राज्य सरकार भी अलर्ट हो गई है। चिकित्सा विभाग के शासन सचिव राजधानी में बैठक कर कोरोना उपायों की समीक्षा कर चुके हैं, जबकि जिलों में सीएमएचओ को आवश्यक प्रबंध पहले से ही सुनिश्चित करने को कहा गया है। सरकार ने अपील की है कि फिलहाल प्रदेश में कोरोना को लेकर स्थिति पूरी तरह सामान्य है। फिर भी आमजन सर्दी के मौसम में मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए मास्क का उपयोग करें एवं हाथों को साबुन से धोते रहें। हैल्थकेयर वर्कर्स को प्रिकॉशन डोज कैंपेन के निर्देश भी दिए गए हैं।

अध्यापकों की कमी से परेशान ग्रामीणों ने स्कूल के बाहर किया रोष प्रदर्शन

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के गांव ढाणड के सरकारी स्कूल में अध्यापकों की कमी कोई लेकर विद्यार्थियों और अभिभावकों में काफी रोष है। अध्यापकों की कमी पूरी करने की मांग को लेकर ग्रामीणों द्वारा शनिवार के स्कूल के गेट पर रोष प्रदर्शन किया गया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि सोमवार तक स्कूल में अध्यापकों की कमी को पूरा नहीं किया तो वे स्कूल पर ताला जड़ देंगे। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पिछले काफी समय से अध्यापकों का टोटा है। अनेक विषयों के अध्यापक न होने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई पर काफी असर पढ़ रही है। गांव के इस सरकारी स्कूल में पहले से ही 3 टीचरों की कमी है। विज्ञान, सामाजिक और गणित के जैसे महत्वपूर्ण विषयों के अध्यापक न होने से विद्यार्थियों का सेलेबस भी पूरा नहीं हो रहा है। बच्चों के पेपर बिल कुल नजदीक आ चुके हैं लेकिल सेलेबस पूरा न होने से विद्यार्थी परेशान है। स्कूल में एक टीचर थी, वह भी अब 2 महीने के लिए डेपुटेशन पर चली गई है। ग्रामीणों ने कहा कि वे अध्यापकों की कमी पूरा करने को लेकर अधिकारियों के पास कई बार गुहार लगा चुके हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही। इससे खफा अभिभावक शनिवार सुबह स्कूल के गेट पर इकट्ठा हुए और रोष जताया। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस अध्यापिका को तुरंत इस स्कूल में वापस भेजा जाए वहीं स्कूल के अध्यापकों के खाली पदों को भी भरा जाए।

पार्टियां बदली जा सकती हैं समाज नहीं : बागरोडिया

पंचकूला में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय अग्र महा कुंभ शुरू

चंडीगढ़ (हिंस)। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन हरियाणा द्वारा पंचकूला में आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय अग्र महा कुंभ की शनिवार को शुरुआत हो गई। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से हजारों की संख्या में अग्र समाज के जनप्रतिनिधि पहुंचे। उद्घाटन समारोह में पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष बागरोडिया ने कहा कि हमें पार्टी से ऊपर उठकर अपने समाज के लिए कार्य करना चाहिए क्योंकि पार्टी बदली जा सकती है लेकिन समाज नहीं बदल सकता। पूर्व सांसद सुभाष चंद्रा ने अग्रवाल समाज ने देश के विकास में अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को समाज के कार्यक्रमों से जोड़ना चाहिए ताकि उन्हें अग्र समाज के बारे में जानकारी मिले। उन्होंने बताया कि हम सभी मिलकर अग्रोहा में म्यूजियम बना रहे हैं, जिसमें सभी अग्र समाज से संबंधित वस्तुओं को रखा जायगा। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल ने कहा कि अग्रवाल समाज का देश की अर्थव्यवस्था सहित सेवा के सभी प्रकल्पों में अग्रणी योगदान रहता है। इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने आए हुए मेहमानों को स्वागत किया।

पहले दिन देशभर से आये समाज के लोगों के साथ बैठक कर कई मसलों पर चर्चा की गई। तत्पश्चात भगवान अग्रसेन जी की शान में 5176 दिए जलाकर विशाल दीप यज्ञ का आयोजन किया गया और रात में मां लक्ष्मी जी का विधिवत पूजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश गर्ग ने कहा कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम में भविष्य में अग्रवाल समाज में क्या होगा, कैसे होगा और कैसे अग्रवाल समाज सभी के हितों के लिए काम करेगी इन्हीं विषयों पर चर्चा होगी।

नकल गिरोह के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी : डीजीपी

जयपुर (हिंस)। भर्ती परीक्षाओं को स्वच्छ एवं निष्पक्ष ढंग से करवाने के लिए राजस्थान पुलिस तत्पर है, इसी का प्रतिफल है कि निरंतर ऐसे नकल गिरोहों को पकड़ा जा रहा है। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने बताया कि रीट की भांति ही इस बार भी नकल गिरोह को शिकंजे में लेकर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मिश्रा ने बताया कि नकल करने का प्रयास करने वाले अभ्यर्थियों को डिबार करने के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग को लिखा जा रहा है।

गुड गवर्नेंस डे पर पंचकूला में होगा राज्य स्तरीय समारोह

सीएम 118 अधिकारियों व कर्मचारियों को करेंगे सम्मानित

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार द्वारा 25 दिसंबर को *गुड गवर्नेंस डे* के अवसर पर पंचकूला में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री मनोहर लाल बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। विभिन्न विभागों में सरकारी सेवा के दौरान डिजिटल माध्यम से कार्य को सरल बनाने पर मुख्यमंत्री 118 अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित करेंगे। इनमें गुड गवर्नेंस के लिए *स्टेट लेवल अवॉर्ड्स* तथा *स्टेट फ्लैगशिप स्कीम अवॉर्ड्स* शामिल हैं। सरकारी प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि नेशनल हेल्थ मिशन विभाग में डायरेक्टर जनरल डॉ. विरेंद्र कुमार बंसल समेत कुल पांच कर्मचारियों को *राज्य स्तरीय पुरस्कार* से सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार पुलिस विभाग में इंस्पेक्टर राजीव समेत कुल 14, स्कूल शिक्षा विभाग में एडिशनल डायरेक्टर, प्रशासन विवेक कालिया समेत पांच, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण विभाग में चीफ कंट्रोलर ऑफ फाइनेंस बीबी गुप्ता समेत सात, राजस्व विभाग में टेक्निकल डायरेक्टर गुरप्रीत सिंह समेत चार, बागवानी विभाग में ज्वाइंट डायरेक्टर रणबीर सिंह समेत सात, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में डिप्टी डायरेक्टर आदित्य प्रताप डबास, विकास एवं पंचायत विभाग में एक्सईएन नवदीप आनंद समेत सात, जनस्वास्थ्य विभाग में चीफ इंजीनियर देवेंद्र दहिया समेत छह तथा श्रीविश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर राज नेहरू समेत सात कर्मचारियों को *स्टेट लेवल अवॉर्ड्स* से पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग में सूचना जनसंपर्क अधिकारी आदित्य चौधरी समेत तीन कर्मचारी, स्वास्थ्य विभाग के स्टेट इम्यूनाइजेशन ऑफिसर डॉ. विरेंद्र सिंह अहलावत समेत छह, सहकारिता विभाग के एमडी हरको बैंक राहुल उप्पल समेत पांच तथा गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डिवलेपमेंट अथॉरिटी के सीजीएम एमआर शर्मा समेत तीन कर्मचारियों व अधिकारियों को *स्टेट लेवल अवॉर्ड्स* दिए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि कई विभागों द्वारा सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं को डिजिटली सरल बनाने पर उनको भी *स्टेट फ्लैगशिप स्कीम अवॉर्ड्स* दिए जाएंगे। इनमें क्रिड विभाग में डिप्टी डायरेक्टर (आईटी) आशीष समेत सात कर्मचारी, राजस्व विभाग के सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर रितेश, स्किल डिवलपमेंट एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग विभाग के जीएम राजेश गर्ग समेत छह, हरियाणा राइट-टू-सर्विस कमीशन में ज्वाइंट डायरेक्टर मीनाक्षी राज समेत चार, स्कूल शिक्षा विभाग में डिप्टी डायरेक्टर सुरेंद्र बांगड़ समेत छह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में एडिशनल मिशन डायरेक्टर रुचि सिंह बेदी समेत सात कर्मचारी तथा आयुष्मान भारत हरियाणा में कार्यकारी अधिकारी(प्रशासन) डॉ. सुशील कुमार माही को *स्टेट फ्लैगशिप स्कीम अवॉर्ड्स* से मुख्यमंत्री द्वारा नवाजा जाएगा।

केंद्र सरकार ने पेंशन बढ़ाकर पूर्व सैनिकों को दिया नववर्ष का तोहफा : कैप्टन भूपेंद्र

हिसार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी ने केंद्र सरकार द्वारा सेना से रिटायर कर्मचारियों की पैंशन बढ़ाए जाने का स्वागत किया है। पार्टी नेताओं व पदाधिकारियों ने जिला कार्यालय पहुंचकर पैंशन बढ़ाने की खुशी में लड्डू बांटे और मुंह मीठा करवाया। भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र ने कहा कि केंद्र की घोषणा सेना से रिटायर्ड कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए अच्छी खबर है। उन्हें सरकार ने बढ़ी पेंशन के तौर पर नए साल का तोहफा दिया है। केंद्र के फैसले का जिक्र करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि शुक्रवार को लोकसभा में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने *वन रैंक वन पेंशन* के तहत रक्षा कर्मियों, पारिवारिक पेंशनरों

की पेंशन में अगले संशोधन को मंजूरी दी है। इसके कुछ देर बाद ही रक्षा मंत्रालय की ओर से बताया गया कि ओआरओपी के तहत एक जुलाई 2019 से सर्विस पेंशन में रैंक के अनुसार पैंशन वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि सिपाही के रैंक से लेकर लेफ्टिनेंट जनरल रैंक तक पुरानी पेंशन के बाद 2019 में संशोधित पेंशन और उसके बाद एक जुलाई 2021 से रिवाइज्ड पेंशन की जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 तक की अवधि का एरियर दिया जाएगा जिससे सेवानिवृत रक्षा कर्मियों को फायदा होगा।

पंजाब सरकार ने एनआरआई के लिए की बड़ी घोषणा

प्रवासी भारतीयों के मसले बिना किसी देरी के निपटाएंगे

लुधियाना/जालंधर। पंजाब के प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा पंजाबी प्रवासी भारतीयों को उनके मसलों को कम से कम समय में हल करने की सुविधा देने के लिए राज्य में शीघ्र ही फास्ट ट्रैक अदालतों की स्थापना की जाएगी। स्थानीय गुरु नानक देव भवन लुधियाना में आयोजित तीसरे पंजाबी प्रवासी भारतीय मिलनी समारोह की अध्यक्षता करते हुए कैबिनेट मंत्री धालीवाल ने कहा कि राज्य सरकार ऐसे सम्मेलन की पहल करके उनकी शिकायतों का तुरंत निपटारा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ये अदालतें प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) के सिविल मामलों से संबंधित मुद्दों के तेजी से निपटारे के लिए समर्पित होकर काम करेंगी। मुख्यमंत्री से इस संबंध में बात हो चुकी है इसलिए इस दिशा में शीघ्र ही कार्रवाई आरंभ कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिलों में नोडल अधिकारी तैनात किए जा रहे हैं जो प्रवासी भारतीयों के मसले बिना किसी देरी के निपटाएंगे। मंत्री ने प्रवासी पंजाबियों के गांवों व शहरों के विकास में दिए जा रहे उनके योगदान की भी सराहना की। मंत्री ने सिविल और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिला लुधियाना, संगरूर, मालेरकोटला और बरनाला के प्रवासी भारतीयों की समस्याएं सुनीं और हिदायत दी कि इन शिकायतों का तुरंत निपटारा किया जाए। अलग-अलग जिलों से आए प्रवासी पंजाबियों की सुविधा के लिए जिलावार काऊंटर स्थापित किए गए जहां सिविल और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने उनकी समस्याएं सुनीं। आज के समारोह में कुल 170 मामलों की सुनवाई हुई।

प्रदेश का नौजवान राजस्थान सरकार की अक्ल करेगा ठीक : डॉ. पूनियां

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि 2018 में काबिज हुई कांग्रेस सरकार ने किसानों और नौजवानों के सपने तोड़े और बड़ा पाप किया। सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर राजस्थान में है। बेरोजगारी भत्ते के नाम पर युवाओं को ठगा। को में खाज का काम हुआ कि लगातार एक के बाद एक जिस तरीके से राजस्थान में संगठित नकल का माफिया पनपा। और उसके बाद जो पर्चे लीक हुए। पर्चा लीक में जिस तरीके से राजनीतिक संरक्षण, लगातार उसी घटना में एक किस्सा और जुड़ गया जब सेकंड ग्रेड की भर्ती परीक्षा का पर्चा पहले लीक हो जाता है। अशोक गहलोत सरकार को और कांग्रेस पार्टी को शायद इल्म नहीं है कि उन्होंने कितने राजस्थान के नौजवानों के सपने तोड़े हैं। वह 70 लाख बच्चे जिन्होंने परीक्षा दी जिनमें से एक लाख को रोजगार देने की बात मुख्यमंत्री कहते हैं। 69 लाख बच्चों के सपने को तोड़ने का काम इन पर्चों के लीक होने से हो रहा है। उस फेहरिस्त में एक काम और जुड़ गया, पर्चा तभी लीक होता है जब सरकार वीक होती है। मुझे लगता है कांग्रेस सरकार वीक, पर्चा लीक और 2023 में प्रदेश का नौजवान इस कांग्रेस सरकार की अक्ल ठीक करेगा।

जालंधर : में फिर से पैर पसार रहा कोरोना

जालंधर। कोरोना के नए वेरिएंट के सामने आने के बाद भारत सरकार के साथ-साथ विभिन्न राज्य सरकारें भी सतर्क हो गई। वहीं जालंधर में एक बार फिर कोरोना अपने पैर पसार रहा है। स्वास्थय विभाग से मिली जानकारी के अनुसार कई दिनों के बाद जिले में एक बार फिर कोरोना का एक पॉजिटिव मरीज मिला है। गौरतलब है कि कोरोना के नए वेरिएंट लेकर पंजाब सरकार अलर्ट हो गई है। इसे लेकर पंजाब के सीएम भगवंत मान द्वारा स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मीटिंग की गई है। इस मीटिंग में कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर चर्चा की गई और संभावित लहर से निपटने के लिए तैयारियों का जायजा लिया गया।

गुरुग्राम : अब तक छह जिलों में खिल चुका है कमल : ओमप्रकाश धनखड़

गुरुग्राम (हिंस)। शनिवार को जिला परिषद के हुए चेयरमैन व वाइस चेयरमैन के चुनाव में तीन जिलों फरीदाबाद, सोनीपत और यमुनानगर में भाजपा का कमल खिला है। नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने सफल कार्यकाल की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि आप खुद को जनता का सेवक मानकर जनता की सेवा करेंगे। अपने-अपने जिलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। शनिवार को यमुनानगर जिला परिषद में बीजेपी ने अपना परचम लहराया। रमेश चंद ठसका चेयरमैन और अग्निवीर ठाकुर वाइस चेयरमैन चुने गए। सोनीपत में भी मोनिका दहिया को सर्वसम्मति से चेयरमैन चुना गया है। अभी यहां वाइस चेयरमैन का चुनाव नहीं हो पाया है। इसी तरह से फरीदाबाद में चेयरमैन का पद भाजपा की सहयोगी पार्टी जजपा के हिस्से में आया वहीं वाइस चेयरमैन के पद पर भाजपा के धर्म सिंह ने जीत दर्ज की। प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि भाजपा को जिला परिषद और ब्लॉक समिति के सभी जीते हुए पार्षदों का अपार समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की मनोहर सरकार हरियाणा एक, हरियाणवीं एक की नीति के तहत प्रदेश में विकास कार्य करा रही है। भाजपा सरकार की यही नीति जनता और जीते हुए जनप्रतिनिधियों को पसंद आ रही है। नवनिर्वाचित चेयरमैन व वाइस चेयरमैनों का आह्वान करते हुए बीजेपी अध्यक्ष धनखड़ ने कहा कि क्षेत्र की जनता ने आप पर भरोसा जताया है, इसलिए वे उनके विश्वास पर खरा उतरें और सरकार की नीतियों व योजनाओं को घर-घर तक पहुंचायें। पंक्ति में खड़े अंतिम गरीब व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए।

जम्मू प्रैस कल्ब-11 ने की बड़ी जीत दर्ज

जम्मू। कुछ मैचों की हार के बाद आज प्रैस क्लब जम्मू क्रिकेट टीम के खिलाड़ी पूरी लेह में नजर आए। पूरे मैच में खिलाड़ी जोश से भरे रहे। आज हुए मुकाबले में प्रैस क्लब जम्मू टीम ने यूनाईटेड क्रिकेट क्लब की टीम को 19वें ओवर में मात देकर जीत दर्ज की। फलाएं मंडाल में हुए मैच में टॉस जीतकर यूनाईटेड क्रिकेट क्लब के कप्तान रवि शर्मा ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे रवि शर्मा ने शुरुआत में अच्छा खेल दिखाया, लेकिन वह चौथे ओवर में अपनी विकेट गवा बैठे। मध्यक्रम में उतरे बल्लेबाजों ने अच्छा खेल दिखाया और लगभग 100 रनों के करीब टीम का स्कोर

पहुंचाया। बाकी बल्लेबाजों ने भी बेहतरीन खेल दिखाया और पूरी टीम ने 177 रनों का लक्ष्य प्रैस क्लब जम्मू के समक्ष रखा। प्रैस क्लब टीम की ओर से रिशी ने 3 बल्लेबाजों का बाहर का रास्ता दिखाया। सचिन ने 2 ने विके ट हासिल की। बाकी गेंदबाजों ने भी विकेट चटकाए। लक्ष्य को भेदने उतरी प्रैस क्लब की टीम ने भी अच्छी शुरुआत की, लेकिन तेजस जम्वाल ने थोड़ी जल्द ही अपनी विकेट गंवा दी, लेकिन दूसरे छोर से सलामी बल्लेबाज अनिल लंगेह (शालू) ने बेहतरीन खेल दिखाया और अखिरी तक रहकर मैच पर कब्जा किया। उन्होंने अपनी पारी में 88 रन बनाए जो टीम के लिए बेहतद महत्वपूर्ण रहे। साहिल शर्मा ने भी उनका बेहतरीन साथ दिया और मध्यक्रम में उतरे बल्लेबाजों ने भी छोटी सी पारी में बेहरीन प्रदर्शन किया और मैच को 19वें ओवर में जीता। अनिल लंगेह और राशी के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें सामूहिक तौर पर मैन ऑफ दी मैच का खिताब दिया गया।

सिद्धू मूसेवाला के पिता ब्रिटेन रवाना

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता शनिवार सुबह एक बार फिर विदेश रवाना हो गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में पुलिस ने मूसेवाला गांव स्थित हवेली की सुरक्षा और बढ़ा दी है। शनिवार सुबह पंजाब पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच बलकौर सिंह को चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर छोड़ा। बलकौर सिंह ब्रिटेन गए हैं। मूसेवाला की हत्या के बाद वह पहली बार अकेले विदेश गए हैं। मूसेवाला की माता चरण कौर गांव में हवेली में ही रुकी हुई हैं। बीते दिनों मिली धमकियों और खुफिया एजेंसियों की इनपुट के बाद पूरी हवेली की सुरक्षा को बढ़ा दी गई है और घर के बाहर एक एलएमजी युक्त वाहन भी खड़ा किया गया है।

एयर इंडिया ने शुरू की फॉगकेयर पहल

नई दिल्ली।
एयर इंडिया ने शनिवार को नई फॉगकेयर पहल शुरू की, जो सर्दियों के मौसम में घने कोहरे के कारण उड़ानों में देरी और रद्द होने जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियोंका ख्याल रखेगी।

यह पहल शुरू में दिल्ली के आईजीआई हवाईअड्डे से आने और जाने वाली उड़ानों के लिए शुरू की जाएगी। फॉगकेयर के तहत, एयर इंडिया उड़ान संचालन पर कोहरे के प्रभाव को अलग करने के लिए सक्रिय कदम उठाएगी, जो आमतौर पर सुबह जल्दी और देर शाम को होता है, लेकिन अक्सर पूरे दिन भी पड़ता है।

वाहक ग्राहकों तक पहुंचेगा और उन्हें बिना किसी अतिरिक्त लागत के अपनी प्रभावित उड़ानों को पुनर्निर्धारित या रद्द करने का आसान विकल्प देगा। प्रभावित उड़ानों के यात्री हवाईअड्डे की यात्रा नहीं करने और लंबी प्रतीक्षा की असुविधा से बचने का निर्णय ले सकते हैं।

इससे हवाईअड्डों पर भीड़भाड़ कम करने में भी मदद मिलेगी। प्रभावित उड़ानों के यात्रियों को ई-मेल, कॉल और एसएमएस के साथ उड़ान-विशिष्ट सलाह भेजी जाएगी, जिससे उन्हें कोहरे से संबंधित व्यवधानों के कारण होने वाली असुविधा को कम करने के आसान विकल्प मिलेंगे।

एयर इंडिया के चीफ कस्टमर एक्सपीरियंस ऑफिसर और एयरपोर्ट ऑपरेशंस के ग्लोबल हेड राजेश डोगरा ने पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा, हम अपने ग्राहकों के लिए सर्वोत्तम संभव अनुभव सुनिश्चित करने के लिए ग्राहक केंद्रित उपाय, फोगकेयर पहल को लॉन्च करके प्रसन्न हैं। विश्व स्तरीय एयरलाइन बनने की हमारी यात्रा में यह एक और कदम है और कोहरे से प्रभावित दिनों के दौरान यात्रियों के अनुभव में काफी सुधार होगा।

उन्होंने कहा, हम अपने ग्राहकों को इस बात की पूरी जानकारी देने का प्रयास करेंगे कि क्या उनकी उड़ान कोहरे से प्रभावित हुई है और परिस्थितियों को देखते हुए सर्वोत्तम विकल्प चुनने में उनकी मदद करेंगे।

एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि एयरलाइन कोहरे से संबंधित आपात स्थितियों से निपटने में सक्षम होने के लिए विमान, पायलट, रखरखाव और केबिन क्रू की पर्याप्त उपलब्धता भी सुनिश्चित कर रही है।

पूरी तरह से प्रशिक्षित कॉकपिट क्रू के साथ, जो सीएटी-3 इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) के माध्यम से कम दृश्यता की स्थिति में काम करने की क्षमता से लैस है, एयर इंडिया ने कोहरे के कारण व्यवधान को कम करने के लिए कमर कस ली है।

इसके अतिरिक्त, डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एयरइंडिया डॉट कॉम पर बनाए जा रहे एक समर्पित फॉगकेयर वेब पेज के साथ, पहल के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक अभियान शुरू किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

एनडीटीवी में अडाणी ग्रुप की होगी 64.72प्रतिशत हिस्सेदारीः प्रणय और राधिका रॉय अपने ज्यादातर शेयर्स गौतम अडाणी को बेचेंगे

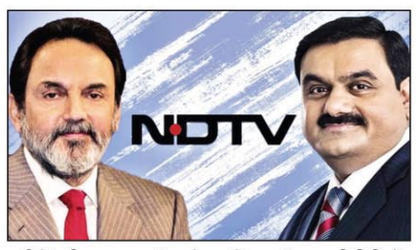

नई दिल्ली। प्रणय रॉय और राधिका रॉय एनडीटीवी में अपने लगभग सभी शेयर्स (27.26प्रतिशत) अडाणी ग्रुप को ट्रांसफर करेंगे। इसके बाद उनके पास केवल 5प्रतिशत हिस्सेदारी बचेगी। शुक्रवार को उन्होंने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। इस ट्रांसफर से अडाणी ग्रुप की हिस्सेदारी बढ़कर 64.72प्रतिशत हो जाएगी, जो अभी 37.45प्रतिशत है। राधिका-प्रणय ने कहा कि उन्होंने साल 1988 में एनडीटीवी की शुरुआत इस विश्वास के साथ की थी कि भारत में जर्नलिज्म वर्ल्ड-क्लास है, लेकिन एक मजबूत और प्रभावी ब्रॉडकास्ट प्लेटफॉर्म की जरूरत है, जो इसे बढ़ने और चमकने दे। उन्होंने कहा कि वह 34 साल बाद मानते हैं कि एनडीटीवी एक ऐसी संस्था है, जिसने उनकी बहुत सारी उम्मीदों और आदर्शों को पूरा किया है। राधिका-प्रणय ने बताया कि एएमजी मीडिया नेटवर्क, हालिया ओपन ऑफर के बाद अब एनडीटीवी में सबसे बड़ा शेयरहोल्डर है। नतीजतन, आपसी समझौते से हमने एनडीटीवी में अपने अधिकांश शेयरों को एएमजी मीडिया नेटवर्क को बेचने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि ओपन ऑफर लॉन्च होने के बाद से गौतम अडाणी के साथ उनकी चर्चा पॉजिटिव रही है। राधिका-प्रणय ने कहा कि उनके दिए गए सभी सुझावों को गौतम अडाणी ने सकारात्मक और खुलेपन के साथ स्वीकार किया है। गौतम अडाणी ने एक ऐसे ब्रांड में निवेश किया है, जो भरोसे, विश्वसनीयता और स्वतंत्रता का पर्याय है और हमें आशा है कि वह इन मूल्यों को बनाए रखेंगे।

एफएमसीजी कंपनियां तेजी से कर रहीं विस्तारः बिस्किट, साबुन और टूथ पेस्ट जैसे प्रोडक्ट्स की 11प्रतिशत तक बिक्री बढ़ेगी

मुंबई। एफएमसीजी सेक्टर पर महंगाई ने ज्यादा असर नहीं दिखाया है। चालू वित्त वर्ष में यानी मार्च 2023 तक इनकी बिक्री 7-9प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। संगठित क्षेत्र की कंपनियों की बिक्री इससे ज्यादा 9-11प्रतिशत बढ़ सकती है। हाल की तिमाहियों में इस सेक्टर की बड़ी कंपनियां तेजी से असंगठित क्षेत्र हथिया रही हैं। दरअसल, देश में खास तौर पर शहरी इलाकों में बिस्किट, साबुन, टूथ पेस्ट जैसे रोजाना खपत के प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ रही है। इस बीच एफएमसीजी कंपनियों ने कई छोटे-बड़े ब्रांड का अधिग्रहण करके विस्तार की रणनीति अपना रखी है। रेटिंग एजेंसी मुताबिक, अगले वित्त वर्ष भी एफएमसीजी सेक्टर की ग्रोथ 10प्रतिशत के आसपास रहने की संभावना है। क्रिसिल के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 में संगठित क्षेत्र की एफएमसीजी कंपनियों ने कुल 4.7 लाख करोड़ रुपए की बिक्री की थी।

टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस ने अमेरिकी पत्रकारों का डेटा किया एक्सेस

सैन फ्रांसिस्को। शॉर्ट-फॉर्म वीडियो मेकिंग ऐप टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस ने कम से कम दो अमेरिकी पत्रकारों और उनसे जुड़े अन्य लोगों का डेटा एक्सेस किया। द वर्ज द्वारा देखे गए इंटरनल ईमेल के अनुसार, एक्सेस किए गए डेटा में पत्रकारों के आईपी एड्रेस शामिल हैं, जिसका इस्तेमाल यह देखने के लिए किया गया था कि क्या वे शारीरिक रूप से टिकटॉक कर्मचारियों के पास थे, जिन पर प्रेस को जानकारी लीक करने का शक है। अक्टूबर में, टिकटॉक ने फोर्ब्स की उस रिपोर्ट का जवाब दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि ऐप अमेरिकी व्यक्तियों को ट्रैक करने की योजना बना रहा है। इस पर कंपनी ने इस बात से इनकार किया कि उसने कुछ अमेरिकी व्यक्तियों को ट्रैक करने के लिए स्पेसिफिक लोकेशन डेटा का उपयोग किया था। फोर्ब्स ने एक आर्टिकल लिखा, जिसमें आरोप लगाया गया था कि टिकटॉक ने कुछ विशिष्ट अमेरिकी नागरिकों के लोकेशन की निगरानी करने के लिए अपने ऐप का उपयोग करने की योजना बनाई थी। इस महीने की शुरुआत में, अमेरिकी राज्य इंडियाना ने सेफ्टी और सिक्योरिटी उल्लंघनों को लेकर टिकटॉक पर मुकदमा दायर किया था। इंडियाना के अटॉर्नी जनरल टॉड रोकिता ने टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस पर राज्य के उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। राज्य का दावा है कि ऐप युवा लोगों की गोपनीयता की रक्षा करने में विफल है। टिकटॉक ने कहा कि उसकी नीतियां युवाओं की गोपनीयता का पूरा ध्यान रखती हैं। सोशल मीडिया ऐप ने बाइटडांस से दूरी बनाने के लिए कदम उठाए हैं।

चंदा कोचर और उनके पति को विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया, तीन दिनों की हिरासत में भेजे गए

नई दिल्ली।
सेंट्रल ब्युरो ऑफ इन्व्हेस्टिगेशन ने अब आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को 3 दिन की हिरासत में ले लिया है। चंदा और दीपक कोचर को सीबीआई ने एक दिन पहले शुक्रवार को गिरफ्तार किया। वीडियोकॉन ग्रुप को रेगुलेशन के खिलाफ जाकर दिए गए करोड़ों रुपए के लोन के मामले में ये गिरफ्तारी हुई। जब ये लोन दिए गए थे, उस समय चंदा बैंक में सीईओ पद पर थीं। इन लोन्स के एनपीए होने से बैंक को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ।

चंदा और दीपक कोचर को शनिवार को सीबीआई की मुंबई स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद दोनों को सीबीआई ने 3 दिन यानी 24 से 26 दिसंबर तक की हिरासत में लिया है। बिजनेस टुडे की एक रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से कहा गया था कि कोचर परिवार को हेडक्वार्टर बुलाया था और पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई ने आरोप लगाया कि वे अपने जवाबों में टालमटोल कर रहे थे और जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे।

वीडियोकॉन को लोन देकर फ्रॉड

दीपक और चंदा कोचर पर आरोप है कि उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक की ओर से वीडियोकॉन को दिए गए लोन के जरिए फ्रॉड किया। ये लोन बाद में नॉन परफॉर्मिंग एसेट में बदल गए।

इसमें साल 2012 में वीडियोकॉन को दिया 3,250 करोड़ रुपए का लोन शामिल है। आरोपों के अनुसार, वीडियोकॉन ग्रुप के पूर्व चेयरमैन वेणुगोपाल धूत ने कोचर की कंपनी नूपॉवर रिन्यूएबल्स में वीडियोकॉन को लोन मिलने के बाद करोड़ों रुपए का निवेश किया था।

लोन को एक कमेटी से मंजूरी दी गई थी, जिसमें चंदा कोचर भी एक मेंबर थीं। अक्टूबर 2018 में इस मामले को लेकर चंदा को इस्तीफा देना पड़ा था।

2016 में शुरू हुई थी मामले की जांच

इस मामले की जांच 2016 में शुरू हुई थी जब दोनों फर्मों, वीडियोकॉन ग्रुप और आईसीआईसीआई बैंक में एक निवेशक अरविंद गुप्ता ने लोन अनियमितताओं के बारे में चिंता जताई थी। प्रधानमंत्री को इस बारे में लिखा था, लेकिन उनकी शिकायत पर उस समय कोई ध्यान नहीं दिया गया। मार्च 2018 में एक अन्य व्हिसल-ब्लोअर ने शिकायत की।

24 जनवरी 2019 को एफआईआर

टॉप मैनेजमेंट के खिलाफ की गई शिकायत के बाद कई एजेंसियों का ध्यान इस ओर गया। हालांकि, उसी महीने बैंक ने बयान जारी कर कहा कि उन्हें चंदा कोचर पर पूरा भरोसा है। वीडियोकॉन ग्रुप के लोन पास करने में चंदा की कथित भूमिका की जांच के बाद यह बयान दिया गया था। एजेंसियां अपनी जांच करती रहीं और बैंक पर बढ़ रहे प्रेशर के बाद उसने भी जांच शुरू की। इसके बाद सीबीआई ने 24 जनवरी 2019 को दर्ज एफआईआर की।

चंदा, दीपक, धूत समेत 4 कंपनियों का नाम

सीबीआई ने लोन फ्रॉड मामले में चंदा कोचर, दीपक कोचर और वीडियोकॉन ग्रुप के वेणुगोपाल धूत के साथ-साथ नूपावर रिन्यूएबल्स, सुप्रीम एनर्जी, वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड को क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी, चीटिंग और करप्शन से जुड़ी धाराओं के तहत रजिस्टर्ड एफआईआर में आरोपी बनाया था।

2020 में ईडी ने किया था अरेस्ट

जनवरी 2020 में प्रवर्तन निदेशालय ने कोचर परिवार की 78 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति कुर्क की थी। इस के बाद कई दौर की पूछताछ के बाद दीपक कोचर को धन शोधन निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया था।

31 मार्च 2023 के बाद आधार से गैर लिंक पैन निष्क्रिय होंगे, आयकर विभाग ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली।
आयकर विभाग ने शनिवार को परामर्श जारी किया कि जो पैन अगले साल मार्च के अंत तक आधार से नहीं जुड़ेंगे, उन्हें निष्क्रिय कर दिया जाएगा। आयकर विभाग ने एक सार्वजनिक परामर्श में कहा, आधार से पैन लिंक करना अनिवार्य है, वह जरूरी है। देरी न करें, इसे आज ही लिंक करें! आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार, सभी पैन धारकों के लिए, जो छूट श्रेणी में नहीं आते हैं, उन्हें 31 मार्च 2023 से पहले अपने पैन को आधार से जोड़ना अनिवार्य है। 1 अप्रैल 2023 से आधार से अनलिंक पैन निष्क्रिय हो जाएगा।

मई 2017 में केंद्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से जारी एक अधिसूचना के अनुसार, असम, जम्मू और कश्मीर और मेघालय राज्यों में रहने वाले व्यक्तियों, अनिवासी (आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार), पिछले वर्ष के दौरान किसी भी समय 80 वर्ष या उससे अधिक की आयु पूरा करने वालों और ऐसे व्यक्ति जो भारत के नागरिक नहीं हैं उन्हें ससे छूट मिलेगी।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की 30 मार्च को जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि एक बार पैन निष्क्रिय हो जाने के बाद कोई व्यक्ति आयकर कानून के तहत सभी परिणामों के लिए उत्तरदायी होगा और उसे कई तरह के प्रभाव झेलने होंगे।

निष्क्रिय पैन का उपयोग करके व्यक्ति आयकर रिटर्न दाखिल करने में सक्षम नहीं होंगे। लंबित रिटर्न भी प्रोसेस नहीं नहीं किए जाएंगे, पैन निष्क्रिय होने से लंबित रिफंड भी जारी नहीं किया जा सकेगा। एक बार पैन निष्क्रिय होने के बाद दोषपूर्ण रिटर्न के मामले में लंबित कार्यवाही भी पूरी नहीं की जा सकेगी साथ ही करदाता से उच्च दर पर आयकर की वसूली की जाएगी।

परिपत्र में कहा गया है, इसके अलावा, करदाता को बैंकों और अन्य वित्तीय पोर्टलों से संबंधित कई अन्य जगहों पर भी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि पैन सभी प्रकार के वित्तीय लेनदेन के लिए महत्वपूर्ण केवाईसी मानदंडों में से एक है। सीबीडीटी आयकर विभाग के लिए नीति बनाता है। आधार भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की ओर से भारत के निवासी को जारी किया जाता है। वहीं, पैन एक 10 अंकों का अल्फान्यूमेरिक नंबर है जो आईटी विभाग की ओर से किसी व्यक्ति, फर्म या संस्था को आवंटित किया जाता है।

एपल के बाद वनप्लस भी भारत में बना सकती है मोबाइल, विनिर्माण निवेश में तलाश रही संभावना

नई दिल्ली।
चीन की मोबाइल बनाने वाली कंपनी वनप्लस ने कहा है कि वह भारत में नए विनिर्माण निवेश की संभावनाएं तलाश करेगी, क्योंकि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में विस्तार के बावजूद उसका प्रमुख फोकस भारत पर है। हमारी वैश्विक उपस्थिति हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बनी हुई है। वनप्लस के संस्थापक पीट लाउ ने कहा, ब्रांड के साथ-साथ हमारे उत्पाद की लॉन्चिंग के लिए भारत एक प्रमुख बाजार बना रहेगा। हम सभी मौजूदा बाजारों को प्राथमिकता देते हैं। कंपनी मिड-प्रीमियम स्मार्टफोन और स्मार्ट टीवी के साथ भारत में फ्लैगशिप डिवाइस बना रही है। वनप्लस भारतीय बाजार में रिटेल को और बढ़ाएगा। चीनी कंपनी ने इस साल की शुरुआत में भारत में दुनिया के सबसे बड़े वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर वनप्लस बुलेवार्ड को लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य वनप्लस के प्रीमियम ब्रांड अनुभव को रिटेल ग्राहकों तक पहुंचाना था।

भारत बना पसंदीदा विनिर्माण केंद्र - चीन में राजनीतिक और स्वास्थ्य चुनौतियों के कारण एपल की सप्लायर कंपनियां भारत और वियतनाम को अपना पसंदीदा विनिर्माण केंद्र बना रही हैं। फॉक्सकॉन और ताइवानी असेंबलर पेगाट्रॉन कॉर्प जैसी कंपनियां असेंबली और पैकेजिंग के लिए चीन के बाहर अपना पांव पसार रही हैं। फॉक्सकॉन विनिर्माण क्षमता का 30 फीसदी हिस्सा ब्राजील और अन्य एशियाई देशों में ले जाना चाहती है। इन कंपनियों ने पहले ही कारखानों, उत्पादन लाइनों, उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाओं में भारत में कर्मियों के प्रशिक्षण में निवेश किया है। चेन्नई के पास ताइवानी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर फॉक्सकॉन करीब 20 एकड़ की जमीन पर मेगा हॉस्टल का निर्माण तेजी से कर रही है। इसमें कई बड़े छात्रावास ब्लॉक होंगे।

वैश्विक चुनौतियों का मजबूती से सामना कर रहा भारत, एफवाय 23 में देश की जीडीपी रह सकती है 6.8 प्रतिशत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने शुक्रवार को चालू और अगले वित्त वर्ष में क्रमशः 6.8 प्रतिशत और 6.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान जताते हुए कहा कि भारत कठिन बाहरी चुनौतियों का मजबूती से सामना कर रहा है। आईएमएफ के भारत मिशन प्रमुख चौएरी नाडा ने पत्रकारों के साथ अपनी वर्चुअल बातचीत में दोहराया कि भारत निराशाजनक वैश्विक आर्थिक परिदृश्य बावजूद मजबूती से उसका सामना कर रहा है। नाडा ने कहा कि हम देख रहे हैं कि इस वित्तीय वर्ष में भारत अर्थव्यवस्था काफी मजबूती से आगे बढ़ रही है। इस दौरान आईएमएफ ने भारत के साथ अपने वार्षिक परामर्श की रिपोर्ट भी रिलीज की।

गरीब परिवारों को अपने कोर्स नहीं बेचेगी बायजू एनसीपीसीआर के नोटिस के बाद को-फाउंडर का बयान

नई दिल्ली।
ऑनलाइन एजुकेशन मुहैया कराने वाली कंपनी बायजू ने कहा है कि वह कम आय वाले परिवारों या ये परिवार जो उनकी चार्जेज को वहन करने में सक्षम नहीं हैं उन्हें अपने ट्यूशन क्लासेज नहीं बेचेगी। कंपनी के सहसंस्थापक प्रवीण प्रकाश ने घोषणा की है कि 25,000 से कम आमदनी वाले परिवारों को अपना कोर्स ना बेचने या उन्हें कोर्स के लिए लोन नहीं उपलब्ध कराने के लिए कंपनी अपने संभावित उपभोक्ताओं के सामर्थ्य की जांच करेगी।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने बायजू की कार्यस्थल संस्कृति और ग्राहक सेवा प्रक्रियाओं में दो-भाग के संदर्भ में खुलासे के बाद सम्मन जारी किया था। आयोग को शिकायत मिली थी कि कंपनी माता-पिता को लुभाने के लिए अनैतिक व्यावसायिक गतिविधियों में शामिल थी। इस संदर्भ में ऐसे कई ग्राहकों से बात की गई, उन्होंने कहा कि उन्हें पाठ्यक्रमों की के दौरान खरीदारी धोखा दिया गया था या किसी अन्य तरीके से उनका शोषण किया गया था और अंततः वे अपना पैसा भी वापस नहीं पा सके।

प्रकाश ने एनसीपीसीआर के समन के बाद 23 दिसंबर को बंद कमरे में हुई सुनवाई के दौरान बायजू के सीईओ बायजू रवींद्रन का प्रतिनिधित्व किया। यह किसी भारतीय एडटेक कंपनी को उसकी बिक्री विधियों के लिए भेजा गया इस तरह का पहला नोटिस माना जा रहा है। एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने एक फोन साक्षात्कार में कहा, कंपनी की आक्रामक नीतियों के कारण बच्चों और उनके परिवारों को आज मनोवैज्ञानिक आघात से कुछ राहत मिली है। हम एक टेक कंपनी के कामकाज को विनियमित नहीं कर सकते, लेकिन उनकी शोषणकारी रणनीति का प्रभाव निश्चित रूप से हमारी जांच के दायरे में था।

भारत को विकसित देश बनने में कितना समय लगेगा

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने लगाया ये अनुमान

नई दिल्ली।
भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर सी रंगराजन ने शनिवार को कहा कि 8-9 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर के साथ भारत को विकसित देश बनने में 20 साल का समय लग सकता है। रंगराजन ने कहा कि उच्च मध्यम आय वाले देश के स्तर तक पहुंचने के लिए दो साल और लगेंगे। विकसित देश के रूप में वर्गीकृत होने के लिए प्रति व्यक्ति सालाना आय न्यूनतम 13,205 डॉलर होनी चाहिए और इसे हासिल करने में दो दशक से अधिक समय लग जाएंगे।

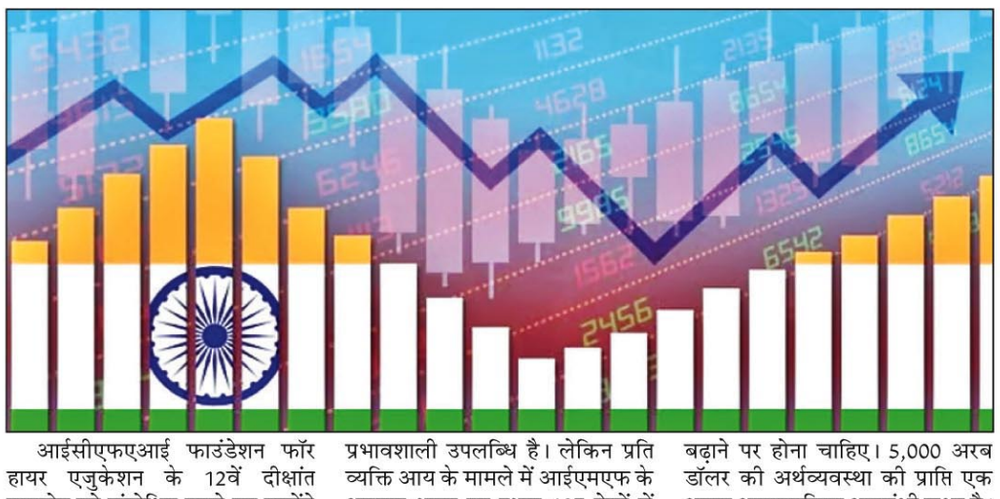

आईसीएफएआई फाउंडेशन फॉर हायर एजुकेशन के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कुल उत्पादन स्तर पर भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह अपने आप में एक प्रभावशाली उपलब्धि है। लेकिन प्रति व्यक्ति आय के मामले में आईएमएफ के अनुसार भारत का स्थान 197 देशों में 142वां है।

उन्होंने कहा, नीति निर्माताओं का तत्काल ध्यान अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर बढ़ाने पर होना चाहिए। 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था की प्राप्ति एक अच्छा अल्पकालिक आकांक्षी लक्ष्य है। यह कम से कम पांच साल तक 9 प्रतिशत की सतत वृद्धि दर हासिल करने से संभव हो सकेगा। फिर भी यह लक्ष्य हासिल करने के बाद भी भारत की प्रति व्यक्ति सालाना आय केवल 3472 अमरीकी डालर होगी और हमें अभी भी निम्न मध्यम आय वाले देश के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

उन्होंने कहा, हमें इस तरह लंबा सफर तय करना है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, यह दिखाता है कि हमें निश्चित रूप से तेजी से चलने की जरूरत है। कोविड-19 के बाद और रूस के यूक्रेन युद्ध के बाद, भारत के भविष्य के विकास के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में वृद्धि दर को बढ़ाकर सात प्रतिशत करने की जरूरत है और फिर इसके बाद आठ से नौ प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने की जरूरत है जो संभव है और भारत ने अतीत में दिखाया है कि वह छह से सात साल की सतत अवधि में इस तरह की वृद्धि दर हासिल कर सकता है।

44 भारतीय स्टार्टअप्स ने 16 हजार कर्मचारियों को हटायाः दुनियाभर में इस साल 930 कंपनियों ने की 1.46 लाख कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली। इस साल देश में 44 स्टार्टअप ने करीब 16 हजार कर्मचारियों की छंटनी की है। इसमें से आधी हिस्सेदारी 14 एडटेक कंपनियों की रही। इन्होंने करीब 7 हजार कर्मचारियों को काम से निकाला। बायजूस जैसे यूनिकॉर्न इस मामले में दूसरे स्थान पर रहे। दुनियाभर में इस साल अब तक 930 कंपनियों ने 1,46,407 कर्मचारियों को हटाया है। इसकी मुख्य वजह 2021 में जरूरत से ज्यादा कर्मचारियों की भर्ती रही। हालांकि, इसी बीच कंपनी एक्सेंचर ने 1,57,000 कर्मचारियों को प्रमोशन भी दिया। इसमें 60,000 से ज्यादा कर्मचारी भारत के हैं। मार्च 2023 के अंत तक इन्फोसिस, विप्रो टेक जैसी भारतीय आईटी कंपनियां 1.5 लाख से ज्यादा फ्रेशर्स को नौकरी देने वाली हैं।

बेटे के साथ तस्वीर शेयर कर ट्रोलर्स के निशाने पर आईं मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा अक्सर ट्रोलर्स के निशाने पर रहती हैं। कई लोग उनके फैशन सेन्स तो कई उनके चलने के अंदाज को लेकर तो कभी अर्जुन कपूर संग रिलेशनशिप को लेकर ट्रोल करते हैं । लेकिन इस बार मलाइका सोशल मीडिया पर अपने बेटे के साथ तस्वीर साझा कर ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं। ये तस्वीरें मलाइका के रियलिटी शो 'मूविंग इन विद मलाइका' के सेट की है , जहां अभिनेत्री ने दुनिया को अपने बेटे अरहान से भी मिलवाया। वहीं अब हाल में मलाइका ने बेटे के साथ अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। लेकिन लोगों को यह कुछ खास पसंद नहीं आईं और उन्होंने मलाइका को ट्रोल करना शुरू कर दिया। शेयर की गई तस्वीरों में जहां एक तस्वीर में अभिनेत्री अपने बेटे के साथ मस्ती करती और उसे हग करती नजर आ रही हैं, वहीं बाकी तस्वीरों में मलाइका अपनी मां को किस करते और अपनी बहन अमृता अरोड़ा के साथ दिखाई दे रही हैं। मलाइका ने इन तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा, 'वॉर्म हग्स, गूफी सेल्फी और कम्फर्ट फूड। छुट्टियों का सीजन अच्छे से बीत गया !' मलाइका की इन तस्वीरों को देखने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स मलाइका की उनकी फैमिली के साथ बॉन्डिंग देखकर उनकी तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं कुछ यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने उनकी तस्वीरों पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा- 'तुम्हें शर्म आनी चाहिए तुम्हारा बेटा बड़ा हो गया है अर्जुन कपूर का साथ छोड़ दो बुड्ढी।'गौरतलब है कि मलाइका अपने बेटे के साथ खास बॉन्ड शेयर करती हैं और अक्सर अपने बेटे की तस्वीरें फैंस के साथ भी साझा करती रहती हैं।

बॉलीवुड के डायरेक्टर साजिद खान पर एक बार फिर लगे गंभीर आरोप

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर साजिद खान इन दिनों बिग बॉस 16 में बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा ले रहे हैं. साजिद खान ने जब से बिग बॉस में एंट्री की है उन पर गंभीर आरोप लगते रहे हैं। कई अभिनेत्रियों ने आगे आकर उन पर गंभीर आरोप लगाए और उन्हें बिग बॉस से निकालने की मांग भी की। अब एक मराठी एक्ट्रेस ने साजिद खान पर सेक्शुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाया है। जिससे एक बार फिर नेटिजन्स साजिद खान से नाराज हैं और गुस्से में प्रतिक्रिया दे रहे हैं। खबर है कि मराठी अभिनेत्री जयश्री गायकवाड़ ने साजिद खान पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। जयश्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वह कहती हैं आठ साल पहले एक कास्टिंग डायरेक्टर मुझे एक पार्टी में ले गया था। वहां मेरी मुलाकात साजिद खान से हुई। साजिद से मिलकर अच्छा लगा। अगले दिन साजिद ने मुझे अपने ऑफिस बुलाया। उन्होंने कहा कि वह एक फिल्म बना रहे हैं और उसमें मेरी भूमिका हो सकती है। ऑफिस में घुसने के साथ ही वह मुझे छूना और भद्दे कमेंट्स करने लगा। जयश्री ने आगे कहा साजिद खान ने मुझसे कहा कि तुम बहुत खूबसूरत हो लेकिन मैं तुम्हें क्यों हायर करूं? फिर मैंने उससे कहा कि आप क्या चाहते हैं सर। मैं अच्छा अभिनय कर सकती हूं। तब उन्होंने कहा था कि सिर्फ एक्टिंग से काम नहीं चलता। जो मैं कहता हूं वह आपको करना होगा। मुझे उस वक्त बहुत गुस्सा आया था। मैं उसे मारना चाहती थी लेकिन मैं गुस्से में वहां से चली गई। आपको बता दें कि दर्जनों अभिनेत्रियों ने साजिद खान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इनमें डिंपल पॉल अभिनेत्री अहाना कुमारा अभिनेत्री मंदाना करीमी अभिनेत्री-मॉडल शर्लिन चोपड़ा दिवंगत अभिनेत्री जिया खान और अभिनेत्री सिमरन सूरी अपनी पूर्व सहायक सलोनी चोपड़ा के साथ शामिल हैं। साजिद खान जब से बिग बॉस में आए हैं उन पर आरोपों की झड़ी लग गई है। उन पर कई लोगों का यौन शोषण करने का आरोप है। मी टू में भी उनका नाम सामने आ चुका है। ऐसे में नेटिजन्स उनसे नाराज हैं और उनसे बिग बॉस से बाहर निकालने की गुजारिश कर रहे हैं.

पैसों के लिए पार्टियों में परफॉर्म करने वाले सितारों पर कंगना का तंज

अपने बेबाक बयानों के लिए मशहूर बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत हाल ही में अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट साझा करते हुए उन सितारों पर निशाना साधा है, जो पार्टियों में पैसों के लिए डांस करते हैं। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें दिवंगत लता मंगेशकर और उनकी छोटी बहन आशा भोसले नजर आ रही हैं।

इसके साथ ही आशा भोसले की एक क्लिप भी दिख रही है, जिसमें वह बता रही हैं कि लता मंगेशकर ने कभी शादियों में गाना नहीं गाया। एक बार उन्हें एक मिलियन डॉलर का ऑफर मिला था और कहा गया कि आप सिर्फ दो घंटे के लिए शादी में आ जाओ, लेकिन उन्होंने इस ऑफर को ठुकरा दिया। कंगना ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा-'सहमत हूँ !!! मैंने खुद भी कभी किसी शादी या प्राइवेट पार्टी में डांस नहीं किया, जबकि मेरे पास सबसे पॉपुलर गाने हैं...भारी-भरकम रकम वाले आ-फर भी मैंने ठुकारा दिए...इस वीडियो को देखकर अच्छा लगा...लता जी सच में बहुत प्रेरणादायी हैं।' सोशल मीडिया पर कंगना का यह पोस्ट वायरल हो रहा है। कंगना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'इमरजेंसी' के अलावा वह चंद्रमुखी 2 में नजर आयेंगी।

वड़ोदरा पहुंच कार्तिक आर्यन ने शेयर की गुजराती थाली की झलक

फिल्म अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्मों की वजह से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। लेकिन इन सब के बीच वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहते हैं। हाल ही में कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया के जरिये फैंस को जानकारी दी थी कि वो इन दिनों गुजरात के वडोदरा शहर में हैं, जहां वे गुजराती कल्चर का जमकर आनंद उठा रहे हैं। कार्तिक आर्यन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में कार्तिक अपने सामने टेबल पर रखी दो गुजराती थालियों की ओर इशारा करते हुए दिख रहे हैं, जो कई सारे लजीज पकवानों से भरी हुई हैं। थाली का साइज इतना बड़ा है कि एक्टर खुद भी इसे हाथ लगाने से डर रहे हैं क्योंकि कार्तिक ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है- "हाथ नहीं लगा रहा, सिर्फ देख रहा हूं।"कार्तिक के इस पोस्ट पर फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कार्तिक की इस तस्वीर पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा-'मुझे भी चाहिए शहजादा!' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा- 'बस डाइट पर रहिये और खुश रहिये!' कार्तिक आर्यन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे जल्द ही अभिनेत्री कृति सेनन के साथ फिल्म 'शहजादा' और कियारा आडवाणी के साथ फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' में अभिनय करते नजर आयेंगे।

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता कैकला सत्यनारायण का निधन

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता कैकला सत्यनारायण का 87 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे बढ़ती उम्र से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे। उनके निधन की खबर सामने आते ही मनोरंजन जगत में शोक की लहर फैल गई है। अभिनेता रामचरण ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर कैकला सत्यनारायण के निधन की खबर देते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। रामचरण ने लिखा-'कैकला सत्यनारायण गारू के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हो रहा है। हमारी फिल्म इंडस्ट्री में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।' कैकला सत्यनारायण एक अभिनेता के साथ -साथ निमार्ता-निर्देशक और नेता भी थे। एक अभिनेता के रूप में उन्होंने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की कई फिल्मों में अभिनय किया था, जिनमें श्रीकृष्णार्जुन युद्धम, निदोर्षी, जीवन ज्योति, बाबू, महर्षि आदि शामिल हैं।उनका निधन तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की अपूरणीय क्षति है।

बॉलीवुड में 'मिस्टर इंडिया' के नाम से जाने जाते हैं अनिल कपूर

बॉलीवुड में 'मिस्टर इंडिया' के नाम से मशहूर अनिल कपूर का जन्म 24 दिसंबर, 1956 को मुंबई में हुआ था। अनिल के पिता सुरेंदर कपूर बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निमार्ता थे। घर में फिल्मी माहौल होने के कारण अनिल का रुझान भी फिल्मों की तरफ हुआ। अनिल ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साल 1979 में आई उमेश मेहरा की फिल्म 'हमारे-तुम्हारे ' से की थी, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। इस-ाके बाद अनिल ने टॉलीवुड का रुख करते हुए मणिरत्नम की पहली कन्नड़ फिल्म 'पल्लवी अनुपल्लवी' में अभिनय किया।इसके बाद अनिल तेलुगु फिल्म 'वम्सावृक्ष' में बतौर लीड एक्टर नजर आये। बॉलीवुड में साल 1983 में आई फिल्म 'वो सात दिन' बतौर लीड एक्टर अनिल कपूर की पहली फिल्म थी।इस फिल्म में अनिल के अभिनय को काफी पसंद किया गया। इसके बाद अनिल बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आये, जिसमें मशाल, साहेब, चमेली की शादी, जांबाज, मिस्टर इंडिया, पि-रंदा, लम्हे, बेटा, जुदाई, बुलंदी,नायक, टोटल धमाल, पागलपंती आदि शामिल हैं। साल 2008 में आई फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' अनिल कपूर की पहली इंटरनेशनल फिल्म थी। इस फिल्म के जरिये उन्होंने अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इस-ाके अलावा अनिल ने आयशा, वीर द वेडिंग ,फन्ने खां आदि फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया। साल 2013 में अनिल कपूर टीवी पर शो '24' लेकर आए थे। इस शो में उन्होंने लीड रोल निभाया था। बहुत कम ही लोग यह जानते होंगे कि अनिल कपूर ने कुछ फिल्मों में गाना भी गाया हैं।अनिल कपूर ने पहली बार फिल्म 'चमेली की शादी' का टायटल सांग गाया। साल 2000 में आई फिल्म 'हमारा दिल आपके पास हैं' में अनिल ने दो गाने गाए हैं। अनिल कपूर ने साल 1984 में सुनीता कपूर से शादी की। उनके तीन बच्चे सोनम कपूर, रिया कपूर और हर्षवर्धन कपूर हैं। अनिल कपूर अब तक 100 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं।अपनी स्मार्टनेस और एनर्जी से अच्छे-अच्छे यंगस्टर को मात देने वाले अनिल कपूर जल्द ही अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ फिल्म फाइटर में नजर आयेंगे।

बेटे के साथ तस्वीर शेयर कर ट्रोलर्स के निशाने पर आईं मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा अक्सर ट्रोलर्स के निशाने पर रहती हैं। कई लोग उनके फैशन सेन्स तो कई उनके चलने के अंदाज को लेकर तो कभी अर्जुन कपूर संग रिलेशनशिप को लेकर ट्रोल करते हैं । लेकिन इस बार मलाइका सोशल मीडिया पर अपने बेटे के साथ तस्वीर साझा कर ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं। ये तस्वीरें मलाइका के रियलिटी शो 'मूविंग इन विद मलाइका' के सेट की है , जहां अभिनेत्री ने दुनिया को अपने बेटे अरहान से भी मिलवाया। वहीं अब हाल में मलाइका ने बेटे के साथ अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। लेकिन लोगों को यह कुछ खास पसंद नहीं आईं और उन्होंने मलाइका को ट्रोल करना शुरू कर दिया। शेयर की गई तस्वीरों में जहां एक तस्वीर में अभिनेत्री अपने बेटे के साथ मस्ती करती और उसे हग करती नजर आ रही हैं, वहीं बाकी तस्वीरों में मलाइका अपनी मां को किस करते और अपनी बहन अमृता अरोड़ा के साथ दिखाई दे रही हैं। मलाइका ने इन तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा, 'वॉर्म हग्स, गूफी सेल्फी और कम्फर्ट फूड। छुट्टियों का सीजन अच्छे से बीत गया !' मलाइका की इन तस्वीरों को देखने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स मलाइका की उनकी फैमिली के साथ बॉन्डिंग देखकर उनकी तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं कुछ यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने उनकी तस्वीरों पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा- 'तुम्हें शर्म आनी चाहिए तुम्हारा बेटा बड़ा हो गया है अर्जुन कपूर का साथ छोड़ दो बुड्ढी।'

टीना दत्ता को लेकर श्रीजिता ने कही ऐसी बात कि भड़क उठे जीशान खान

कलर्स टीवी पर प्रसारित होने वाला मशहूर शो बिग बॉस 16 इन दिनों दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। शो के हालिया एपिसोड्स में कुछ ऐसा देखने को मिला जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। दरअसल शो के हालिया एपिसोड में शो की कंटेस्टेंट श्रीजिता डे ने टीना दत्ता की निजी जिंदगी के बारे में काफी कुछ ऐसा कहा जो काफी आपत्तिजनक था। उन्होंने कहा कि टीना दत्ता को लड़कों का ध्यान खींचना आता है। उन्होंने हमेशा दूसरों का घर तोड़ने की कोशिश की है, इसलिए उनका खुद का घर कभी नहीं बसा। राष्ट्रीय टेलीविजन पर श्रीजिता डे के मुँह से टीना दत्ता के लिए ऐसी बात सुनने के बाद सोशल मीडिया पर श्रीजिता को लेकर काफी नाराजगी है। वहीं इस बीच टीना दत्ता के दोस्त व अभिनेता जीशान खान ने भी श्रीजिता डे के इस बयान पर नाराजगी जाहिर की है। जीशान ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर श्रीजिता के इस बयान का वीडियो शेयर करते हुए लिखा-'मैं टीना को जानता हूं और वह निश्चित रूप से जैसा श्रीजिता ने कहा वैसी तो बिल्कुल भी नहीं है। नेशनल टेलीविजन पर इस तरह के झूठ और एक महिला के चरित्र हनन को देखकर दुख होता है। एक महिला द्वारा दूसरी महिला के प्रति बोली जाने वाली इस तरह की भाषा से सच में नफरत होती है।' वहीं टीना के फैंस भी सोशल मीडिया के जरिये श्रीजिता को ट्रोल कर रहे हैं। गौरतलब है कि टीना दत्ता और श्रीजिता डे ने कलर्स टीवी के ही धारावाहिक उतरन में साथ में स्क्रीन शेयर की थी। वहीं बिग बॉस 16 में दोनों प्रतियोगी कंटेस्टेंट के रूप में नजर आ रही हैं। अब शो में श्रीजिता के इस बयान का टीना क्या जवाब देंगी ये तो आने वाले एपिसोड्स में ही पता चलेगा।

कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की फिल्म 'मेरी क्रिसमस' का पहला पोस्टर जारी

कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की आगामी फिल्म 'मेरी क्रिसमस' की रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इन्तजार है। इस बीच मेकर्स ने शनिवार को फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया है। फिल्म के इस पोस्टर में दो हाथ नजर आ रहे हैं और उनके हाथों में जाम का ग्लास है । पोस्टर को कैटरीना कैफ ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा करते हुए लिखा-'हम इस क्रिसमस पर फिल्म रिलीज करना चाहते थे ... लेकिन एक ट्विस्ट है :) जल्द ही सिनेमाघरों में मिलते हैं! #क्रिसमस की बधाई।' फिल्म का पोस्टर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है। यह फिल्म इसी साल क्रिसमस पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने इसे अगले साल यानी साल 2023 में रिलीज करने का फैसला लिया है। 'मेरी क्रिसमस' एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म होगी। इस फिल्म के जरिये कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आयेंगे। 'मेरी क्रिसमस' का निर्माण रमेश तौरानी के टिप्स इंडस्ट्रीज द्वारा माचिस पिक्चर्स प्रा-इवेट लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है।फिल्म के निर्देश-ाक श्रीराम राघवन है।

कोरोनावायस को लेकर सोनू सूद ने कसी कमर, कहा-हर जरूरतमंद तक पहुंचेगी मदद

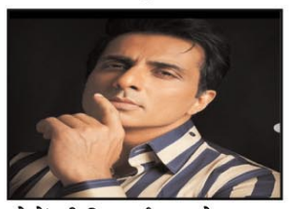

देश में एक बार फिर से कोरोना महामारी को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। सरकार ने कोरोना से बचाव के लिए गाइडलाइन भी जारी कर दी है। इस बीच अभिनेता सोनू सूद ने एक बार फिर से कोरोना का सामना करने के लिए एक बार फिर अपनी कमर कस ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लोगों को कोरोना से सावधानी बरतने की सलाह दी और हर जरुरतमंद लोगों की मदद का आश्वासन दिया है। सोनू सूद ने ट्वीट कर लिखा-'कोरोना से सावधानी बरतें, डरे नहीं ईश्वर करे मेरी जरुरत ना पड़े लेकिन अगर पड़े तो याद रखना .. नंबर वही है!' उल्लेखनीय है कि सोनू सूद ने साल 2020 में कोरोना महामारी के कारण देश में लगे लॉकडाउन के दौरान हर जरुरतमंद लोगों की निस्वार्थ भाव से बढ़चढ़ कर मदद की थी। उनकी मदद से लाखों मजदूर सुरक्षित अपने घर पहुंच पाए थे। विदेश में भी फंसे कई छात्र सोनू सूद की मदद से भारत वापस लौट आये थे। कोरोना काल के दौरान वह गरीबों के मसीहा के रुप में सामने आये और उस समय से लेकर अब तक सोनू सूद अपनी टीम के साथ मिलकर लगातार हर जरुरतमंद की मदद करने में लगे हुए हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनू सूद जल्द ही फिल्म 'फतेह' में नजर आने वाले हैं।

अभिनेत्री अलाया ने बिकिनी पहनकर की पिज्जा पार्टी, फैंस के साथ शेयर की चिल करती फोटोज

नई दिल्ली (ईएमएस)। अभिनेत्री अलाया फर्नीचरवाला रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं। वह अक्सर बिकिनी या मोनोकनी में तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अलाया की लेटेस्ट फोटोज ने फिर टेम्प्रेचर हाई कर दिया है। अलाया ने ब्लू बिकिनी पहने अपनी किलर तस्वीरें पोस्ट की हैं। ये फोटोज जो भी देखेगा उसका दीवाना होना तय है। अलाया की ये तस्वीरें फैंस के बीच वायरल हो रही हैं। फोटोज में अलाया हॉट टब में पिज्जा पार्टी कर रही हैं। पिज्जा पार्टी करते हुए अलाया ने बिकिनी फोटोज शेयर कर कहर बरपा दिया है। ब्लू बिकिनी में वे स्टनिंग लग रही हैं। बिकिनी पहन हॉट टब में चिल करतीं अलाया की ये फोटोज लेटेस्ट नहीं हैं। इस-ाका हिंट उन्होंने कैप्शन में दिया है। फोटो कैप्शन में अलाया ने लिखा- पिज्जा और हॉट टब की फोटो शेयर कर रही हूं जबकि मैं पिछले 2 घंटों से मुंबई के ट्रैफिक में फंसी हुई हूं। अलाया का कैप्शन यूजर्स का ध्यान खींच रहा है। अलाया की बिकिनी फोटो पर फैंस फायर और हार्ट इमोजी पोस्ट कर रहे हैं। हालांकि ट्रोल करने वाले भी पीछे नहीं हैं। वे अपना काम पूरी शिद्दत के साथ कर रहे हैं। पर जो भी कहो एक्ट्रेस के ग्लैमरस लुक को अवॉइड नहीं किया जा सकता। अलाया रियल लाइफ में जितनी बोल्ड हैं उतनी ही स्टाइलिश भी हैं। अलाया ने कम समय में इंडस्ट्री में अच्छी खासी पहचान बना ली है। उनके लुक्स ही नहीं एक्टिंग भी कमाल है। अलाया की पिछली रिलीज मूवी फ्रैडी थी। इसमें वे कार्तिक आर्यन संग नजर आई थीं। मूवी आटोटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी। अलाया के काम की तारीफ हुई पर फिल्म को ठीक ठाक रिस्पॉन्स मिला।

घर-खाना नहीं मिलने से 10 साल की खिलाड़ी की मौत, हाई कोर्ट ने खेल निकायों को जिम्मेदार बताया

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय में शुक्रवार को याचिका दायर कर केरल की 10 वर्षीय खिलाड़ी की नागपुर में विषाक्त भोजन से हुई मौत के लिए नेशनल फेडरेशन और केरल की एक साइकिल पोलो एसोसिएशन को जिम्मेदार ठहराया गया है। खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने नागपुर गई थी। 'केरल साइकिल पोलो एसोसिएशन' ने अपनी दलील में दावा किया कि उच्च न्यायालय ने उसकी टीम को महाराष्ट्र के नागपुर में खेल प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति दी थी, लेकिन जब 10 वर्षीय फातिमा निदा शहाबुद्दीन समेत उसके खिलाड़ी आयोजन स्थल पर पहुंचे तो, उन्हें 'साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया' द्वारा भोजन या आवास प्रदान नहीं किया गया। याचिकाकर्ता एसोसिएशन ने अधिवक्ता संथन वी. नायर के माध्यम से दायर अपनी अवमानना याचिका में कहा कि परिणामस्वरूप, खिलाड़ियों को एक स्थानीय छात्रावास में ठहराना पड़ा और युवा खिलाड़ी विषाक्त भोजन खाने से बीमार पड़ गई, जिसकी गुरुवार सुबह मौत हो गई। याचिकाकर्ता (केरल साइकिल पोलो एसोसिएशन) ने अवमानना याचिका में कहा कि प्रतिवादी (साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया और साइकिल पोलो एसोसिएशन ऑफ केरल) खिलाड़ी की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय के 15 दिसंबर के उस आदेश के कथित उल्लंघन के लिए दोनों खेल निकायों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया, जिसमें टीम या खिलाड़ियों को नागपुर में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में भाग लेने की अनुमति दी गई थी। इसमें दावा किया गया है कि जब ये आयोजन स्थल पर पहुंचे तो फेडरेशन के अधिकारियों ने शुरू में उन्हें भाग लेने की इजाजत देने से इंकार कर दिया और खेल मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद याचिकाकर्ता द्वारा चयनित खिलाड़ियों को भाग लेने की इजाजत दी गई। याचिका में दावा किया गया है कि इसके साथ ही अधिकारियों ने यह स्पष्ट कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी विकेटकीपर मैथ्यू वेड पर गाली देने का आरोप, एक मैच का प्रतिबंध

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी विकेटकीपर मैथ्यू वेड पर बिग बैश लीग (बीबीएल12) के मौजूदा सीजन 12 से मैच के दौरान गाली देने के लिए पर एक मैच का प्रतिबंध लगा दिया गया है। वेड इस सीजन में घर में टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया व्हाइट-बॉल टीम का हिस्सा हैं, बीबीएल 12 में होबार्ट हरिकेंस के कप्तान हैं और मेलबर्न में मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ क्रिसमस की पूर्व संध्या पर होने वाले मुकाबले में नहीं खेलेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा कि पिछले 18 महीनों के भीतर आचार संहिता के तीन स्तर 1 के उल्लंघन के बाद वेड को एक निलंबन अंक दिया गया था। बयान में कहा गया है, उस अवधि के आरोप श्रव्य अश्लीलता के उपयोग के दो उदाहरणों और क्रिकेट उपकरणों के दुरुपयोग के एक उदाहरण से संबंधित हैं। वेड के निलंबन ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन के लिए टीम में वापसी का मौका खोल दिया है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बेन मैकडरमोट की उपस्थिति के बावजूद मैच के लिए तूफान ने पेन को टीम में शामिल किया, जो वेड की अनुपस्थिति में दस्ताने और कप्तानी दोनों के लिए मुख्य दावेदार लगता है। इन गर्मियों में तीन शेफील्ड शील्ड मैच खेलने वाले पाइन फरवरी 2018 से बिग बैश लीग में नहीं खेले हैं और टीम में शामिल हुए हैं, लेकिन अंतिम एकादश में उनका स्थान पक्का नहीं है। वेड ने 2014 में एक ईस्काई पर पानी की बोतल फेंकने के बाद चेंजरूम में एक खिड़की तोड़ी थी, जिसके बाद उनपर एक मैच का प्रतिबंध लगाया था।

सीएसके द्वारा बेन स्टोक्स के लिए बड़ी रकम खर्च करने से हैरान आकाश चोपड़ा

कोच्चि। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा को चार बार की आईपीएल विजेता चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स को आईपीएल मिनी-नीलामी में 16.25 करोड़ रुपये की भारी भरकम कीमत पर खरीदने से हैरान कर दिया है। चोपड़ा ने शुक्रवार को एक ट्वीट में लिखा, मैं इस बात से थोड़ा हैरान हूं कि सीएसके स्टोक्स के लिए इतनी दूर जा रही है। हैसटैग आईपीएल नीलामी। चोपड़ा ने शनिवार को कहा, मेरे लिए यह थोड़ा चौंकाने वाला था जब चेन्नई स्टोक्स के लिए गई थी। मुझे लगा कि वे स्टोक्स के लिए नहीं जाएंगे और केन विलियमसन के लिए जाएंगे अगर उन्हें भविष्य के कप्तान की जरूरत है। लेकिन तथ्य यह है कि उन्होंने स्टोक्स के लिए कड़ी मेहनत की, इसका मतलब यह हो सकता है कि वे उन्हें धोनी का उत्तराधिकारी बनाना चाहते हैं और उनके चारों ओर एक टीम बनाना चाहते हैं। स्टोक्स ने कुछ साल पहले धोनी के साथ राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स का प्रतिनिधित्व किया था। वह अपने टी20 विश्व कप विजेता अभियान के दौरान इंग्लैंड के लिए मध्य क्रम में खेले थे। चोपड़ा यह समझने में नाकाम रहे कि सीएसके उन्हें मोईन अली, अंबाती रायुडू, शिवम दूबे और रवींद्र जडेजा के साथ प्लेइंग इलेवन में कैसे फिट करेगा।

पेरिस 2024 बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं को लिली में स्थानांतरित करने पर चर्चा

जेनेवा । अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल महासंघ (फीबा) के खिलाड़ियों के आयोग ने शुक्रवार को एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की, जिसमें पेरिस 2024 बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं को लिली में स्थानांतरित करने पर चर्चा की गई। फीबा की एक विज्ञप्ति में घोषणा की गई है कि, फ्रांस में आगामी ओलंपिक के संबंध में, खिलाड़ियों के आयोग ने बास्केटबॉल टूर्नामेंट के समूह चरण के बारे में चिंता व्यक्त की। खिलाड़ियों के आयोग ने गर्मियों के दौरान स्टेडियम में खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के बारे में चिंताओं का हवाला दिया। उन्होंने लिली और पेरिस के बीच की दूरी के बारे में भी चिंता व्यक्त की क्योंकि यह अनिवार्य रूप से खिलाड़ियों को पूर्ण ओलंपिक अनुभव और एथलीट विलेज में रहने से रोकेगा, जबकि कई टीमों को उद्घाटन समारोह में भाग लेने से भी चूकना होगा। आईओसी को अभी भी स्थल योजनाओं की अंतिम स्वीकृति जारी करनी चाहिए। ओलंपेडिया डॉट ओआरजी के अनुसार, अगर मंजूरी मिल जाती है, तो यह पहली बार होगा कि ओलंपिक बास्केटबॉल खेल ओलंपिक मेजबान शहर के बाहर इतने दूर आयोजित किए जाएंगे।

रोमांचक मोड़ पर दूसरा टेस्ट

145 रन के टारगेट के जवाब में भारत का स्कोर 45/4 ; राहुल, गिल, पुजारा और कोहली आउट

मीरपुर। मीरपुर टेस्ट में बांग्लादेश ने भारत को जीत के लिए 145 रनों का टारगेट दिया है। जवाब में टीम इंडिया ने तीसरे दिन स्टंप्स तक 45 रन पर 4 विकेट गंवा दिए हैं। अक्षर पटेल (26 रन) और नाइट वाचमैच जयदेव उनादकट (3 रन) नाबाद हैं। चौथे दिन भारतीय टीम को जीत के लिए 100 रन बनाने हैं। वहीं, मेजबान टीम को छह विकेट गिराने हैं।

शनिवार को स्टंप्स से कुछ देर पहले विराट कोहली 1 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मेहदी हसन मिराज ने मोमिनुल हक के हाथों कैच कराया। मेहदी को तीसरी सफलता मिली। उन्होंने ओपनर शुभमन गिल (7) और अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा (6) का विकेट भी लिया। भारतीय कप्तान केएल राहुल (2 रन) का विकेट बांग्लादेशी कप्तान शाकिब अल हसन ने लिया। इससे पहले बांग्लादेश की टीम अपनी दूसरी पारी में 231 रन पर ऑलआउट हो गई। लिटन दास (73) और जाकिर हसन (51) ने अर्धशतक जमाए। नुरुल हसन और तस्कीन अहमद ने 31-31 रन बनाए। भारत की ओर से अक्षर पटेल ने 3 विकेट लिए। रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद सिराज को 2-2 विकेट मिले। उमेश यादव और जयदेव उनादकट के हिस्से एक-एक विकेट आया। भारत की पहली पारी 314 रन पर समाप्त हुई थी जबकि बांग्लादेश ने पहली पारी में 227 रन बनाए थे। इस तरह भारत को पहली पारी में 87 रनों की बढ़त मिली थी।

दूसरी पारी में ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

पहला: तीसरे ओवर की पहली बॉल पर शाकिब ने राहुल को विकेट के पीछे नुरुल के हाथों कैच कराया। दूसरा : 8वें ओवर में पुजारा को मेहदी हसन मिराज की बॉल पर नुरुल ने स्टंपिंग कर दिया। तीसरा : 14वें ओवर में नुरुल हसन ने मेहदी हसन मिराज की बॉल पर शुभमन गिल को स्टंपिंग कर दिया। चौथा : 20वें ओवर में मेहदी हसन मिराज ने मोमिनुल हक के हाथों कैच कराया।

लिटन दास का 15वां अर्धशतक, जाकिर हसन की पहली फिफ्टी - बांग्लादेश की दूसरी पारी में लिटन दास (73) ने अर्धशतक जमाया। यह उनका 15वां टेस्ट अर्धशतक है। उन्होंने नुरुल हसन के साथ 46 और तस्कीन अहमद के साथ 60 रनों की पार्टनरशिप की। इन पार्टनरशिप की बदौलत टीम ने 231 रन का स्कोर बनाया। एक समय टीम ने 102 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे।

लिटन से पहले जाकिर हसन (51) ने अपना पहला टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। हसन ने पिछले मुकाबले में डेब्यू किया था। उस मुकाबले में उनके बल्ले से शतक आया था।

दूसरी पारी में ऐसे गिरे बांग्लादेश के विकेट

पहला : नजमुल हसन शान्तो को अश्विन ने आउट कर दिया। दूसरा : 13वें ओवर में सिराज की गेंद मोमिनुल हक के बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पंत के दस्तानों में चली गई। तीसरा : शाकिब 13 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें 25वें ओवर में जयदेव उनादकट ने शुभमन गिल के हाथों कैच कराया। चौथा : 32वें ओवर में मुश्फिकुर रहीम को अक्षर पटेल ने आउट कर दिया। पांचवां : जाकिर हसन अर्धशतक बनाकर आउट हुए। 43वें ओवर में उन्हें उमेश यादव ने डीप थर्ड मैन में सिराज के हाथों कैच कराया। छठा : अक्षर पटेल ने 46वें ओवर में मेहदी हसन मिराज को शून्य पर आउट कर दिया। सातवां : 54वें ओवर में अक्षर ने नुरुल को पंत के हाथों स्टंपिंग कराया। आठवां : सिराज ने 67वें ओवर में लिटन दास को क्लीन बोल्ड कर दिया। नौवां : 68वें ओवर की पहली बॉल पर अश्विन ने तैजुल इस्लाम को आउट किया। दसवां : खालिद मिडविकेट की दिशा में खेलकर सिंगल चुराना चाहते थे, लेकिन गिल के थ्रो पर अक्षर ने रनआउट किया।

दूसरा सेशन : 124 रन बने, 3 विकेट भी गिरे - यह सेशन बांग्लादेश के नाम रहा। एक समय टीम ने 102 पर 5 विकेट गंवा दिए थे। एक समय लग रहा था टीम बड़ा टोटल नहीं रख पाएगी, लेकिन लिटन दास और तस्कीन के बीच की साझेदारी ने टीम का स्कोर 195 रन पहुंचा दिया। इस सेशन में भारतीय गेंदबाजों ने भी तीन विकेट हासिल किए। पर रन ज्यादा तेजी से बने। दूसरे सेशन के बाद बांग्लादेश का स्कोर 195/7 था।

पहला सेशन : 64 रन बने, 4 विकेट भी गिरे - दिन का पहला सत्र गेंदबाजों के नाम रहा। इसमें 4 विकेट गिरे। हालांकि, 64 रन भी बने। लंच तक दूसरी पारी में बांग्लादेश का स्कोर 71/4 है। इस सेशन में मेजबान टीम 16 रनों से पीछे थी।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: केएल राहुल (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, जयदेव उनादकट, उमेश यादव और मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेश: जाकिर हसन, नजमुल हसन शान्तो, मोमिनुल हक, लिटन दास (विकेटकीपर), मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन (कप्तान), नुरुल हसन, मेहदी हसन मिराज, ताइजुल इस्लाम, खालेद अहमद और तस्कीन अहमद।

अनकैप्ड खिलाड़ियों को रैना और उथप्पा की सलाह, खुद में लगाएं पैसा

नई दिल्ली। कोच्चि में शुक्रवार को हुई आईपीएल 2023 मिनी-नीलामी में विदेशी खिलाड़ियों को मोटी रकम मिलने के अलावा कुछ अनकैप्ड क्रिकेटरों को भी विभिन्न फ्रेंचाइजियों से बड़ी रकम मिली। गत चैंपियन गुजरात टाइटंस ने तेज गेंदबाज शिवम मावी के आईपीएल और घरेलू अनुभव को 6 करोड़ रुपये में पुरस्कृत किया, जिससे वह शुक्रवार को सबसे महंगे अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज के.एस. भरत को 1.2 करोड़ रुपये और गुजरात के क्रिकेटर उर्विल पटेल को 20 लाख रुपये में खरीदा।

बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की बंगाल के साथ-साथ भारत ए के साथ निरंतरता और इस अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की एकदिवसीय टीम के लिए बुलावा दिल्ली कैपिटल्स द्वारा अच्छी तरह से नोट किया गया था क्योंकि उन्होंने उन्हें 5.5 करोड़ रुपये में खरीदा था।

भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना कई अनकैप्ड खिलाड़ियों को आईपीएल सौदे मिलते देखकर बहुत खुश हुए और उन्हें क्रिकेट के विकास के लिए खुद में निवेश के रूप में पैसे का उपयोग करने की सलाह दी।

रैना ने मास्टरकार्ड मैच सेंटर लाइव में जियो सिनेमा के हवाले से कहा, यह उनके लिए व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से बढ़ने का एक स्प्रिंगबोर्ड है। ये खिलाड़ी आगे जा सकते हैं और भारत के लिए खेल सकते हैं, अपने परिवारों के लिए घर खरीद सकते हैं और अपने शरीर की देखभाल पर पैसा खर्च कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर के रहने वाले ऑलराउंडर विवरांत शर्मा ने इस सीजन में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। लेकिन आईपीएल नीलामी में, टीमें उन्हें बोर्ड पर लाने के लिए होड़ कर रही थीं और 2016 के आईपीएल चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2023 के लिए उनकी सेवाएं हासिल करने के लिए 2.6 करोड़ रुपये का भुगतान किया। फ्रेंचाइजी को पता था कि वे क्या करने जा रहे हैं क्योंकि शर्मा उनके साथ नेट गेंदबाज थे 2022 सीजन और अपने साथी जम्मू-कश्मीर टीम के साथी उमरान मलिक और अब्दुल समद के साथ जुड़ेंगे। हैदराबाद ने हिमाचल प्रदेश के बाएं हाथ के स्पिनर मयंक डागर को भी 1.8 करोड़ रुपये में खरीदा।

पानीपत के राघव का आईपीएल में सिलेक्शन: पिता ने कहा- हाथ में बॉल पकड़कर सोता था, शेन वॉर्न-राशिद खान आइडल

पानीपत। हरियाणा के पानीपत शहर की गीता कॉलोनी के रहने वाले 21 वर्षीय राघव गोयल का आईपीएल में चयन हुआ है। राघव को मुंबई इंडियंस ने बेस प्राइज 20 लाख रुपए में खरीदा है। वह पानीपत के इतिहास में आईपीएल में जाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

शुक्रवार को हुई बोली के दौरान राघव को शाम 6 बजे खरीदा गया है। जिसके बाद से ही घर पर ढोल बजने शुरू हो गए हैं।

आईपीएल में दूंगा बेस्ट, ताकि इंडिया में हो सलेक्शन - बातचीत के दौरान राघव गोयल ने कहा कि उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है कि उनका चयन हो गया है। बचपन से उनका गोल था कि वे आईपीएल खेले। आखिरकार अब वह सपना साकार होता नजर आ रहा है। राघव ने कहा कि आईपीएल में वे अपना द बेस्ट देंगे। क्योंकि

यहां के बाद उनका अगला सपना इंडिया के लिए खेलना है।

यूं हुआ सलेक्शन - राघव ने कहा कि सबसे पहले स्टेट के मैच हुए थे। जिनमें सिलेक्टर आए हुए थे। वहां मेरी गेंदबाजी देखने के बाद सिलेक्टरों ने उन्हें आईपीएल ट्रायल के लिए बुलाया। जहां जहीर खान, राहुल द्रविड़, किरण, रोहित शर्मा, पार्थिव पटेल जैसे बड़े दिग्गज थे। वहां करीब 3 बार ट्रायल लिया गया। ट्रायल भी काफी अच्छा था। हालांकि ट्रायल काफी टफ था। सब कुछ मेरे फेवर में हुआ, मुझे काफी अच्छा लग रहा है।

मां-पिता और भाई का सहयोग - मैं स्पिन बॉलिंग करता हूं। मैं लेफ्ट हैंड बॉलर हूं। मेरा आइडल शेन वॉर्न और राशिद खान हैं। जिनकी बॉलिंग के जादू में हर कोई फंसता है। मुझे यहां तक पहुंचाने में मम्मी-पापा का बहुत सहयोग रहा है। पापा ने खूब भाग-दौड़ की है। मां हमेशा पॉजिटिव बातें कर मुझ में सकारात्मक ऊर्जा भरती है। भइया भी बहुत सपोर्ट करते हैं।

पिता बोले- हाथ में बॉल पकड़ कर सोता था राघव - पिता दिनेश गोयल ने कहा कि उनका कॉर्टन वेस्ट का काम है। बेटे ने न केवल पानीपत, बल्कि हरियाणा का नाम रोशन किया है। बोली के दौरान आत्मा से आवाज आ रही थी कि बेटे का आईपीएल का सिलेक्शन होगा। दोपहर 1 बजे से चल रही बोली के दौरान शाम 6 बजे बेटे राघव का बोली में नाम आया। जो बच्चे किसी भी क्षेत्र में मेहनत कर रहे हैं, वह हिम्मत न हारें। क्योंकि राघव ने भी बहुत मेहनत की है। वह अकसर हाथ में बॉल पकड़ कर ही सोता था।

मां बोली- इतनी जल्दी करेगा अचीव, उम्मीद नहीं थी - मां दीपिका गोयल ने कहा कि मुझे उम्मीद नहीं थी कि राघव इतनी जल्दी इतना अचीव कर लेगा। राघव ने खूब मेहनत की। उसका सलेक्शन हो गया है।

अर्जेंटीना के साथ एंजेल डि मारिया की अभी बने रहने की संभावना

ब्यूनस आयर्स। फीफा विश्व कप फाइनल में फ्रांस पर अर्जेंटीना की पेनल्टी शूटआउट जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद एंजेल डी मारिया अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ा सकते हैं। टीवाईसी स्पोर्ट्स ने शुक्रवार को कहा कि 34 वर्षीय जुवेंटस विंगर ने पहले घोषणा की थी कि वह कतर में फुटबॉल के शोपीस इवेंट के बाद संन्यास ले लेंगे, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन ने उन्हें फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया।

इसमें कहा गया है कि डि मारिया अब 2024 कोपा अमेरिका तक टीम में बने रहने की संभावना के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट के अनुसार डि मारिया, जिन्हें 2008 में अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से एल्बिकेलस्टे के लिए 129 बार कैप किया गया है, ने 2022 विश्व कप के बाद के चरणों में फिटनेस के लिए संघर्ष किया।

लेकिन उन्होंने पिछले रविवार के

फाइनल में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, पेनल्टी अर्जित की, जिसे लियोनेल मेसी ने अपनी टीम के दूसरे गोल के रूप में परिवर्तित किया क्योंकि अल्बिसेलेस्टे ने लुसैल में 2-0 की बढ़त बना ली।

मार्च के अंत में अर्जेंटीना के अगले प्रतिस्पर्धी जुड़नार 2026 विश्व कप क्वालीफायर होंगे।

डि मारिया की तरह ही अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी भी विश्व कप जीतने के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय संन्यास पर पुनर्विचार कर रहे हैं। मेसी ने घोषणा की थी कि कतर 2022 अर्जेंटीना के लिए उनका आखिरी कार्यक्रम होगा, लेकिन इस आयोजन के बाद उन्होंने कहा कि वह विश्व कप विजेता के रूप में अर्जेंटीना के लिए और अधिक खेलना चाहेंगे।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी बने नए मुख्य चयनकर्ता

लाहौर।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रबंधन समिति ने शनिवार को पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी को पुरुष टीम का अंतरिम मुख्य चयनकर्ता नियुक्त किया। चयन समिति में अफरीदी के साथ उनके पूर्व पाकिस्तानी साथी अब्दुल रज्जाक और राव इफ्तिखार अंजुम शामिल होंगे, पीसीबी ने नई चयन समिति को पहली जिम्मेदारी यह दी है कि पुरानी चयन समिति के द्वारा चुनी गई टीम का फिर अवलोकन करें और अगर सही खिलाड़ियों को नहीं चुना गया है तो इसमें बदलाव करें।

यह टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में खेलेगी, जो 26 दिसंबर से कराची में शुरू होगा।

हारून राशिद (सदस्य प्रबंधन समिति) तीन सदस्यीय चयन समिति के संयोजक होंगे। गुरुवार को कार्यभार संभालने वाले नजम सेठी की अगुवाई वाली नई पीसीबी प्रबंधन समिति ने पहले मुख्य चयनकर्ता मोहम्मद वसीम के अनुबंध को समाप्त कर दिया था, यानी उन्हें हटा दिया था और 2019 पीसीबी संविधान के तहत गठित सभी समितियों को भंग कर दिया था, जिसे पाकिस्तान सरकार ने रद्द कर दिया था।

लेग स्पिन ऑलराउंडर अफरीदी ने 1996 से 2018 तक 27 टेस्ट, 398 वनडे और 99 टी20 मैच खेले जिसमें उन्होंने कुल 11,196 रन बनाए और 541 विकेट लिए। उन्होंने 83 अंतरराष्ट्रीय मैचों में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी भी की। वह पाकिस्तान की उस टीम के सदस्य थे जिसने लॉर्ड्स में आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2009 जीता था।

अफरीदी ने कहा- मैं पीसीबी प्रबंधन समिति द्वारा यह जिम्मेदारी सौंपे जाने पर

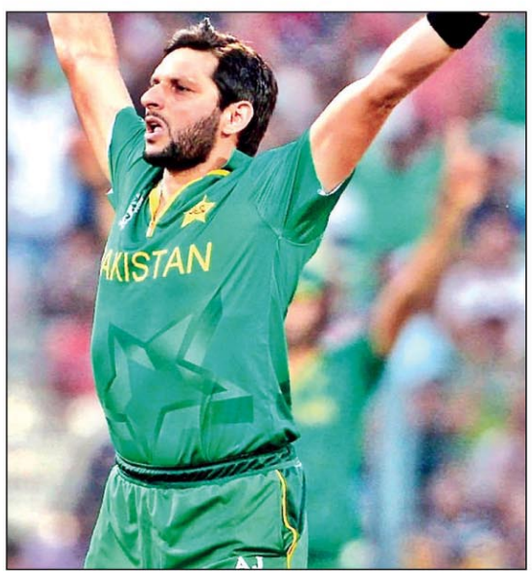

सम्मानित महसूस कर रहा हूं और इस जिम्मेदारी को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। हमें अपने जीत के रास्ते पर वापस जाने की जरूरत है और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि रणनीतिक चयन निर्णयों के माध्यम से, हम न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मजबूत प्रदर्शन करने और अपने प्रशंसकों के विश्वास को पुनः प्राप्त करने में राष्ट्रीय टीम की मदद करेंगे। अफरीदी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं जल्द ही चयनकर्ताओं की बैठक बुलाऊंगा और आगामी मैचों को लेकर अपनी योजना साझा करूंगा।

रज्जाक ने 1996 से 2013 तक पाकिस्तान के लिए 17 साल के करियर में 343 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले और 7,419 रन बनाए और 389 विकेट लिए। वह भी लॉर्ड्स में 2009 टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य थे। इफ्तिखार ने 2004 से 2010 तक पाकिस्तान के लिए एक टेस्ट, 62 ओडीआई और दो टी20 मैच खेले हैं।

पीसीबी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सेठी ने कहा- मैं अंतरिम पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति का स्वागत करता हूं और इसमें कोई संदेह नहीं है कि सीमित समय के बावजूद, यह साहसी और साहसिक निर्णय लेगा जो हमें न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम बनाने में मदद करेगा। शाहिद अफरीदी एक आक्रामक क्रिकेटर रहे हैं, जिन्होंने अपना सारा क्रिकेट बिना किसी डर के खेला। उनके पास लगभग 20 वर्षों तक क्रिकेट खेलने का अनुभव है, उन्होंने सभी प्रारूपों में सफलता हासिल की है और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने हमेशा युवा प्रतिभा का समर्थन और समर्थन किया है। तो, हमारी सामूहिक राय में, आधुनिक समय के खेल की मांग और चुनौतियों को समझने के लिए उनसे बेहतर कोई व्यक्ति नहीं है। मुझे विश्वास है कि खेल के बारे में उनकी समझ के जरिए वह पाकिस्तान के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम चुनने में मदद करेंगे। वह योग्य और ऐसे खिलाड़ियों को मौका देंगे, जो टीम की सफलता में योगदान दें।

संरा में पहली बार गूंजी हिंदी

मैं भारत से संदेश लाया हूं...

संयुक्त राष्ट्र को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच समझा जाता है। आज से 45 साल पहले, इसके मंच से पहली बार हिंदी गूंजी। कंठ था मां भारती के ऐसे सपूत का जिसकी वाकपटुता और भाषण-कौशल के मुरीद विरोधी खेमे में भी रहे। 4 अक्तूबर 1977 को, तत्कालीन विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी संयुक्त राष्ट्र के मंच से करीब 43 मिनट बोले। वह संयुक्त राष्ट्र की 32वीं आम बैठक थी। वह दौर शीतयुद्ध के चरम का था। पूरी दुनिया किसी न किसी के पाले में थे। भारत उस वक्त में गुटनिरपेक्षता की आवाज बुलंद कर रहा था। वाजपेयी ने मंच से खुद को *नौसिखिया* बताया था, पर साथ ही यह भी कहा था कि भारत अपने प्रादुर्भाव से लेकर अब तक किसी भी संगठन से सक्रिय रूप से जुड़ा नहीं रहा है। वसुधैव कुटुंबकम का सिद्धांत दोहराते हुए वाजपेयी ने पूरी दृढ़ता से भारत का पक्ष रखा। 4 अक्तूबर 1977 को वाजपेयी का वह भाषण उनके संपूर्ण राजनीतिक जीवन के सबसे प्रभावशाली और अहम संबोधनों में गिना जाता है। वाजेपयी का संयुक्त राष्ट्र में वह प्रसिद्ध भाषण आप नीचे सुन सकते हैं। वाजपेयी ने अपने संबोधन की शुरुआत में कहा कि मैं भारत की जनता की ओर से राष्ट्रसंघ के लिए शुभकामनाओं का संदेश लाया हूं। महासभा के इस 32 वें अधिवेशन के अवसर पर मैं राष्ट्रसंघ में भारत की दृढ़ आस्था को पुन: व्यक्त करना चाहता हूं। जनता सरकार को शासन की बागडोर संभाले केवल 6 मास हुए हैं फिर भी इतने अल्प समय में हमारी उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। भारत में मूलभूत मानव अधिकार पुन: प्रतिष्ठित हो गए हैं जिस भय और आतंक के वातावरण ने हमारे लोगों को घेर लिया था वह अब दूर हो गया है ऐसे संवैधानिक कदम उठाए जा रहे हैं जिनसे ये सुनिश्चित हो जाए कि लोकतंत्र और बुनियादी आजादी का अब फिर कभी हनन नहीं होगा। वसुधैव कुटुंबकम की परिकल्पना बहुत पुरानी है भारत में सदा से हमारा इस धारणा में विश्वास रहा है कि सारा संसार एक परिवार है अनेकानेक प्रयत्नों और कष्टों के बाद संयुक्त राष्ट्र के रूप में इस स्वप्न के साकार होने की संभावना है यहां मैं राष्ट्रों की सत्ता और महत्ता के बारे में नहीं सोच रहा हूं। 40 मिनट से ज्यादा के संबोधन में वाजपेयी ने कड़े शब्दों में रंगभेद की निंदा की।

अफ्रीका का उदाहरण देते हुए वाजपेयी ने कहा था कि रंगभेद के सभी रूपों का जड़ से उन्मूलन होना चाहिए। इजरायल के खिलाफ भी वाजपेयी ने आवाज उठाई थी। बाद में तीन बार भारत के प्रधानमंत्री रहे वाजपेयी ने 1977 में कहा था कि हमारी सफलताएं और असफलताएं केवल एक ही मापदंड से नापी जानी चाहिए कि क्या हम पूरे मानव समाज वस्तुत: हर नर-नारी और बालक के लिए न्याय और गरिमा की आश्वसति देने में प्रयत्नशील हैं। भाषण समाप्तत करते समय वाजपेयी ने दोहराया था कि भारत सब देशों से मैत्री चाहता है और किसी पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं चाहता। इसी संबोधन में वाजपेयी ने कहा था कि भारत एटमी ताकत नहीं बनना चाहता। वह बात अलग है कि वाजपेयी के पीएम रहते ही पोकरण में परमाणु टेस्ट किए गए।

देश की अटल शख्सियत के भाषणों के सभी कायल

देशभर में पूर्व प्रधानमंत्री और जनप्रिय नेता अटल बिहारी वाजपेयी के बारे यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा के वरिष्ठ नेता अटलजी एक-दो साल नहीं, बल्कि करीब 14 साल से बीमार थे और करीब 8 साल बिस्तर पर थे। तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटलजी की साल 2015 में आखिरी तस्वीर सामने आई थी। मार्च 2015 में वाजपेयी को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के हाथों दिल्ली स्थित उनके घर पर भारत रत्न से सम्मानित किया गया। वाजपेयी जी एक राजनेता होने के साथ ही प्रखर वक्ता भी रहे। उनके दिए गए भाषणों का विपक्ष भी कायल है और हर कोई उनके भाषण को सुनना पसंद करता है। अटल बिहारी वाजपेयी के कई ऐसे भाषण हैं जिनकी चर्चा आज भी होती है। हम आपको उनकी ओजस्वी भाषण शैली के कुछ चुनिंदा अंश बताने जा रहे हैं। अटलजी का एक भाषण ऐसा था, जिसने सभी को हिलाकर रख दिया था। उन्होंने यह भाषण 28 मई 1996 म

अविश्वास प्रस्ताव के दौरान दिया था। इस भाषण में सिर्फ उन्होंने विरोधियों को जवाब दिया, बल्कि भगवान राम का दिया हुआ श्लोक पढ़ते हुए कहा था कि भगवान राम ने कहा था कि मैं मरने से नहीं डरता, डरता हूं तो सिर्फ बदनामी से डरता हूं। जिसके बाद विरोधियों ने कभी उन पर ऐसा आरोप नहीं लगाया। बता दें कि अटल बिहारी वाजपेयी पर विरोधी पार्टियों ने सत्ता के लोभ का आरोप लगाया था। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। 1977 में संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में दिया गया वाजपेयी का भाषणों में प्रमुख भाषण माना जाता है। साल 1977 में प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई की सरकार में अटल बिहारी वाजपेयी वि दे श मंत्री थे और व ो द ो

साल तक मंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण दिया था। यह भाषण बेहद लोकप्रिय हुआ और पहली बार संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की राजभाषा गूंजी। अटल बिहारी वाजपेयी का यह भाषण यूएन में आए सभी प्रतिनिधियों को इतना पसंद आया कि उन्होंने खड़े होकर अटल जी के लिए तालियां बजाई। इस भाषण के दौरान वाजपेयी ने *वसुधैव कुटुम्बकम* का संदेश देते हुए अपने भाषण में उन्होंने मूलभूत मानव अधिकारों के साथ-साथ रंगभेद जैसे गंभीर मुद्दों का जिक्र किया था। उन्होंने भाषण में कहा था कि मैं भारत की ओर से इस महासभा को आश्वासन देना चाहता हूं कि हम एक विश्व के आदर्शों की प्राप्ति और मानव कल्याण तथा उसके गौरव के लिए त्याग और बलिदान की बेला में कभी पीछे नहीं रहेंगे। अटलजी ने साल1980 में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के पहले अधिवेशन में अपने दमदार भाषण से देश की राजनीति को नई दिशा में ले जाने पर बल दिया था। इस भाषण के दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा का अध्यक्ष पद कोई अलंकार की वस्तु नहीं है। ये पद नहीं दायित्व है, प्रतिष्ठा नहीं है परीक्षा है, ये सम्मान नहीं है चुनौती है। मुझे भरोसा है कि आपके सहयोग से देश की जनता के समर्थन से मैं इस जिम्मेदारी को ठीक तरह से निभा सकूंगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जयप्रकाश के सपनों को पूरा करने के लिए बनी है। भाजपा टूट गई, लेकिन हम जयप्रकाश के सपने को टूटने नहीं देंगे। जयप्रकाश किसी व्यक्ति का नाम नहीं है, जयप्रकाश कुछ आदर्शों का नाम है, कुछ मूल्यों का नाम है।

कविताएं, जो पत्थरों में भी जान फूंक सकती हैं

गीत नहीं गाता हूं

बेनकाब चेहरे हैं,
दाग बड़े गहरे हैं
टूटता तिलिस्म आज सच
से भय खाता हूं
गीत नहीं गाता हूं
लगी कुछ ऐसी नजर
बिखरा शीशे सा शहर
अपनों के मेले में मीत नहीं पाता हूं
गीत नहीं गाता हूं
पीठ मे छुरी सा चांद
राहू गया रेखा फांद
मुक्ति के क्षणों में बार बार
बंध जाता हूं
गीत नहीं गाता हूं।

न मैं चुप हूं न गाता हूं

सवेरा है मगर पूरब दिशा में
घिर रहे बादल
रूई से धुंधलके में
मील के पत्थर पड़े घायल
ठिठके पांव
ओझल गांव
जड़ता है न गतिमयता
स्वयं को दूसरों की दृष्टि से
मैं देख पाता हूं
न मैं चुप हूं न गाता हूं
समय की सदर सांसों ने
चिनारों को झुलस डाला,
मगर हिमपात को देती
चुनौती एक दुर्गमाला,
बिखरे नीड़,
विहंसे चीड़,
आंसू हैं न मुस्कानें,
हिमानी झील के तट पर
अकेला गुनगुनाता हूं।
न मैं चुप हूं
न गाता हूं।

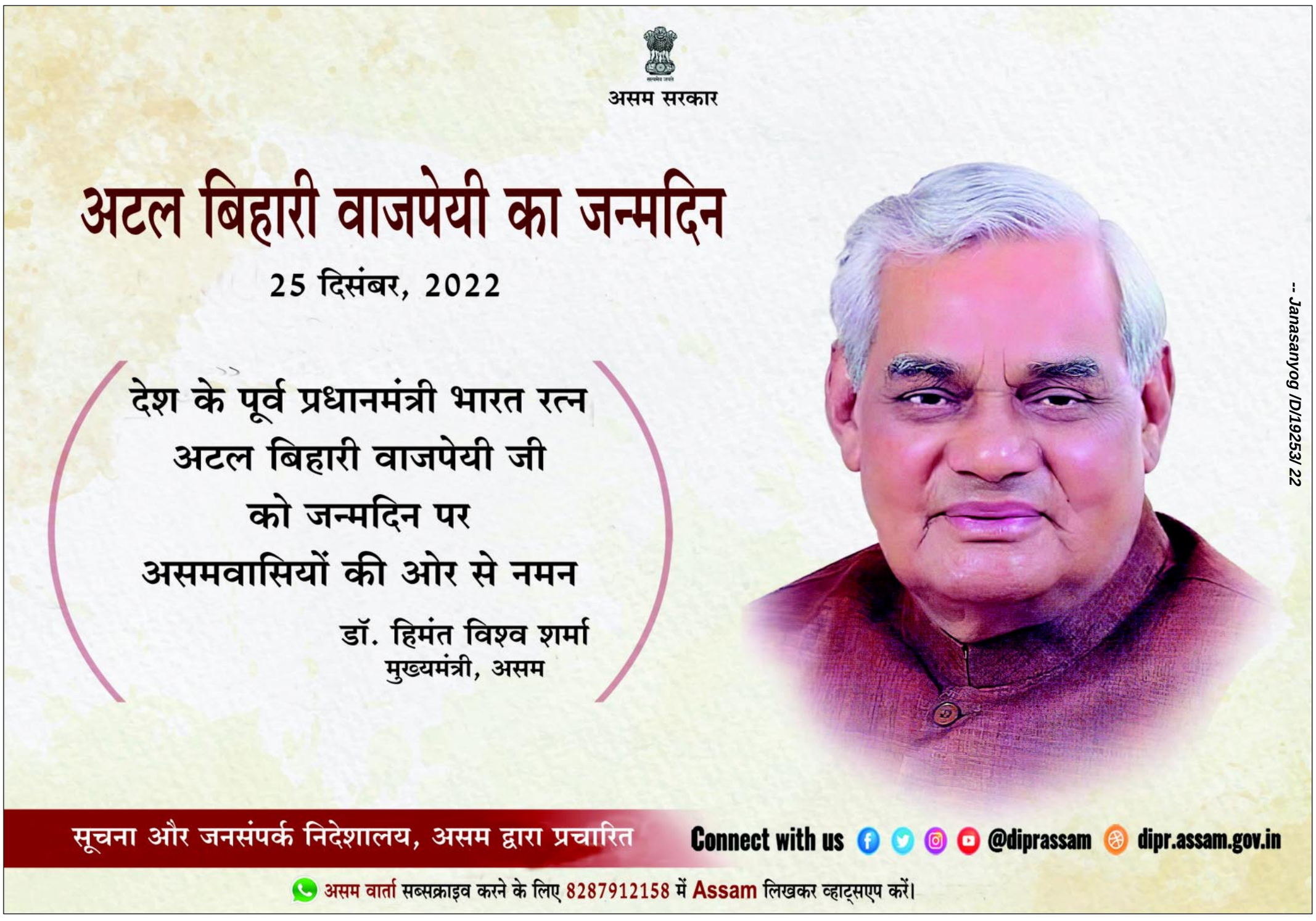

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**